THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 166 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.4 2082 गुरुवार, 11 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दो दिन बाद फिर खुला काठमांडू एयरपोर्ट, सेना ने जारी किए निर्देश

काठमांडू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में बड़े पैमाने पर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सैकड़ों विदेशी नागरिक फंसे हुए हैं। हिंसक प्रदर्शन के कारण दो दिनों तक बंद रहने के बाद त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) बुधवार को आधिकारिक तौर पर फिर से खोल दिया गया है। मंगलवार को हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद जब प्रदर्शनकारियों ने हवाई अड्डे के परिसर में घुसने की कोशिश की, तो प्रशासन ने हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं आंशिक रूप से निलंबित कर दी थीं। टीआईए नागरिक उड्डयन कार्यालय द्वारा बुधवार को जारी एक सार्वजनिक सूचना के अनुसार, हवाई अड्डे की सुरक्षा समिति की बुधवार को हुई बैठक के बाद परिचालन फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया।

'राज्यपाल, मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य'

तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्यपाल अभियोजन स्वीकृति देने के मामले में भी मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य होते हैं। जब कोई मंत्री या मुख्यमंत्री किसी आपराधिक मामले में शामिल हों, तभी राज्यपाल पर ये बाध्यता नहीं होती। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ, राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने के मामले में सुनवाई कर रही है। इस पीठ में जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

तेलंगाना सरकार का तर्क– राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं

तेलंगाना सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन रेड्डी ने संविधान पीठ के समक्ष दी अपनी दलील में कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई करते समय सर्वोच्च न्यायालय को विधेयक पर राज्यपाल के 'अंतर्निहित पूर्वाग्रहों' पर भी गौर करना चाहिए। सुनवाई के नौवें दिन तेलंगाना के वकील ने कहा कि अनुच्छेद 200 के प्रावधान के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं होता और वे मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह लेने के लिए बाध्य होते हैं।

अनुच्छेद 200 के प्रावधानों पर बहस

अनुच्छेद 200 राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों के संबंध में राज्यपाल की शक्तियों को नियंत्रित करता है, जिससे उन्हें विधेयक को मंजूरी देने, मंजूरी रोकने, विधेयक को पुनर्विचार के लिए वापस करने या राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को आरक्षित करने का अधिकार मिलता है। मंगलवार को, सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपालों से समय के भीतर कार्रवाई करने की अपेक्षा की जाती है, भले ही अनुच्छेद 200 में 'यथाशीघ्र शब्द न हो।

कर्नाटक का तर्क–राष्ट्रपति और राज्यपाल नाममात्र के प्रमुख

अदालत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए 14 प्रश्नों की जांच कर रही है, जिनमें राष्ट्रपति ने पूछा है कि क्या न्यायिक आदेश राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार के प्रयोग के लिए समय-सीमाएं निर्धारित कर सकते हैं। मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई के दौरान कर्नाटक सरकार ने दलील दी कि सांविधानिक व्यवस्था के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल केवल नाममात्र के प्रमुख हैं, जो केंद्र और राज्य दोनों जगह मंत्रिपरिषद की सलाह पर और उनकी मदद से काम करने के लिए बाध्य हैं।

346 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर, तमिलनाडु और कर्नाटक में छापेमारी की। कार्रवाई हरियाणा स्थित एक बिजली क्षेत्र की कंपनी और उसके प्रवर्तकों की ओर से कथित तौर पर 346 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में की गई। जांच गुरुग्राम स्थित हाइथ्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), उसके निदेशकों अमूल गबरानी और अजय कुमार बिश्नोई के अलावा कुछ अन्य के खिलाफ चल रही है। एचपीसीएल परिसमापन के दौर से गुजर रही है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला फरवरी 2025 में सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है।

देशभर में मतदाता सूची पुनरीक्षण की कवायद तेज

तैयारियों पर विचार-विमर्श के लिए चुनाव आयोग ने की अहम बैठक

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को पूरे देश में लागू करने की तैयारियों पर चर्चा के लिए चुनाव आयोग ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। अपने राज्य अधिकारियों के साथ हुई बैठक में चुनाव आयोग ने देशभर में मतदाता सूची पुनरीक्षण की कवायद पर विचार-विमर्श किया। बैठक में चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने आयोग की एसआईआर नीति पर एक प्रस्तुति दी। इस दौरान बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर के कार्यान्वयन में राज्य के अनुभव को साझा किया। फरवरी में ज्ञानेश कुमार के मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद सीईओ की यह तीसरी बैठक है। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि बुधवार की दिन भर चलने वाली बैठक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें पूरे देश में एसआईआर की तैयारियों पर चर्चा की जा रही है।

एसआईआर पूरे देश में लागू किया जाएगा

आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद एसआईआर पूरे देश में लागू किया जाएगा। ऐसे संकेत हैं कि यह प्रक्रिया इस साल के अंत में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले शुरू हो जाएगी।

इस गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विदेशी अवैध प्रवासियों के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें बाहर निकालना है। बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध विदेशी प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस गहन समीक्षा के तहत चुनाव अधिकारी त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। विपक्षी दलों की ओर से भाजपा की मदद के लिए चुनाव आयोग पर मतदाता आंकड़ों में हेराफेरी करने के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने गहन संशोधन में अतिरिक्त कदम उठाए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अवैध प्रवासी मतदाता सूची में शामिल न हों। निर्वाचक बनने या राज्य के बाहर से आने वाले आवेदकों की एक श्रेणी के लिए एक अतिरिक्त 'घोषणा पत्र' पेश किया गया है।

नेपाल में युवाओं का उग्र आंदोलन, कर्फ्यू बढ़ा-27 गिरफ्तार

काठमांडो, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ नेपाल में शुरू हुए प्रदर्शन ने देशभर की राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया। राजधानी काठमांडू समेत पूरे देश में जेनरेशन जेड की ओर से चलाए जा गए सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने देश में तख्तापलट कर दिया है। सुबह सामान्य होते हालातों के बीच अब कुछ जगहों से हिंसा की खबरें आ रही हैं।

हालांकि, ज्यादातर जगहों पर हालात नियंत्रण में हैं। इससे पहले आगजनी और लूटपाट की घटनाओं के बीच नेपाली सेना ने 27 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही कर्फ्यू को भी बढ़ा दिया गया है। गिरफ्तारियां मंगलवार रात 10 बजे से बुधवार सुबह 10 बजे के बीच हुईं। इस दौरान देश भर में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया और आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां भी भेजी गईं। बता दें कि काठमांडू के गौशाला-चाबाहिल-बौद्ध इलाके से सुरक्षा बलों ने चोरी की गई करीब 33.7 लाख नेपाली रुपये की नकदी बरामद की। इसके अलावा, पुलिस ने 31 गन, मैगजीन और गोला-बारूद जब्त किए हैं, जिनमें से 23 काठमांडू और आठ पोखरा से बरामद हुए।

फ्रांस में भी सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों प्रदर्शनकारी

प्रदर्शनकारियों-पुलिस में झड़प, आगजनी; 200 गिरफ्तार

पेरिस, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों के खिलाफ फ्रांस में पेरिस समेत कई अन्य स्थानों पर बुधवार को जमकर बवाल हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दीं। उपद्रवियों को सार्वजनिक संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया। शहरों में जगह-जगह आगजनी से तनाव फैल गया। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। दरअसल, प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। वे देश में बार-बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराज हैं। लोगों में देश में चौथी बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराजगी है। प्रदर्शन के जरिए लोग नए प्रधानमंत्री को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान दिन के शुरुआती घंटों में गृह मंत्री ने लगभग 200 गिरफ्तारियों की जानकारी दी। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी थी कि वे अपने आंदोलन के दौरान सब कुछ ठप कर देंगे। हालांकि, आंदोलन शुरू में ठंडा पड़ा रहा और लोगों ने इसमें ऑनलाइन ही मौजूदगी दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर हैशटैग ट्रेंड में रहा। फिर जैसे-जैसे दिन बढ़ा और गर्मी ने जोर पकड़ा, यह विरोध प्रदर्शन तेज होता गया। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए। उन्होंने बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद तत्काल गिरफ्तारियां की गईं।

नेपाल में बवाल के बीच तेलंगाना के कई लोग फंसे

दूतावास भी नहीं कर पा रहा है मदद

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। व्यापारिक और धार्मिक यात्रा के लिए गए तेलंगाना के आठ लोग फंसे हैं। भारतीय दूतावास भी उन लोगों की मदद नहीं कर पा रहा है।

तेलंगाना से संजीवकुमार कांडी, नागार्जुन येनिगंती, पेंटा वसंतराव, तिरुपति जिममाला, श्रीनिवास राव वेमुलापल्ली, सुरेश गोविकर, प्रभाकर कासिमल्ला श्याम समेत कई लोग 6 सितंबर को हैदराबाद से दिल्ली के रास्ते फ्लाइट से नेपाल गए थे। वहां धार्मिक यात्रा करने के बाद नेपाल में स्थित पर पोखरा गए थे। वहां एक होटल में रुके थे कि ये बवाल हो गया। उनको वापस आना था। लेकिन काठमांडू एयरपोर्ट बंद है। भारतीय दूतावास से संपर्क करने पर कोई मदद नही मिली। दूतावास ने वहां होटल में रहने की सलाह दी है।

नागरिक बनने से पहले मतदाता सूची में शामिल था सोनिया गांधी का नाम

> अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली एक याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि उनका नाम भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया था। मामले पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने कहा कि मैं फैसला सुरक्षित रख रहा हूं। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग ने कहा कि मुद्दा यह है कि जनवरी 1980 में सोनिया गांधी का नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के रूप में जोड़ा गया था, जबकि वह भारतीय नागरिक नहीं थीं। उन्होंने कहा, पहले आपको नागरिकता की सीमा पूरी करनी होगी, उसके बाद ही आप किसी क्षेत्र के निवासी बनेंगे। नारंग ने कहा कि 1980 में निवास का प्रमाण संभवतः राशन कार्ड और पासपोर्ट था। उन्होंने कहा अगर वह (सोनिया गांधी) नागरिक थीं, तो 1982 में उनका नाम क्यों हटाया गया? उस समय चुनाव आयोग ने दो नाम हटाए थे, एक संजय गांधी का, जिनकी विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, और दूसरा सोनिया गांधी का। नारंग ने कहा कि चुनाव आयोग को जरूर कुछ गड़बड़ी मिली होगी जिसके कारण उनका नाम मतदाता सूची से हटाया गया।

अधिवक्ता नारंग ने कहा कि गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के रूप में मतदाता सूची में शामिल था, जिसे 1982 में हटा दिया गया था, और 1983 में उनके भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के बाद फिर से दर्ज किया गया। दरअसल विकास त्रिपाठी नामक व्यक्ति की तरफ से दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि वह अप्रैल 1983 में भारत की नागरिक बनी थीं।

'बंगाली में और ज्यादा बोलो, डरने की जरूरत नहीं'

जलपाईगुड़ी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जनता से आग्रह कि वे बंगाली में ज्यादा बोलें और डरें नहीं।

उनका यह बयान राज्य के प्रवासी मजदूरों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। बनर्जी ने कहा, बंगाली में ज्यादा बोलो, डरो मत। हम स्पष्ट कहना चाहते हैं कि हम अपनी मातृभाषा यानी बंगाली ही बोलेंगे। लेकिन हम दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौटेंगे, उन्हें सरकार की ओर से पांच हजार रुपये दिए जाएंगे और उनके बच्चों को नजदीकी स्कूल में दाखिला मिल सकेगा। जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, मैं रोज अपमान झेलती हूं, क्योंकि मैं बंगाल का विकास चाहती हूं। नेपाल की स्थिति पर ममता बनर्जी ने कहा, नेपाल में फंसे पर्यटकों की स्थिति को मैं गंभीरता से ले रही हूं।

'इंडिया गठबंधन के सांसदों का विशेष धन्यवाद'

उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर रिजिजू का विपक्ष पर तंज

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के मित्र सांसद एकजुट रहे। इसके लिए विपक्षी इंडी गठबंधन के सांसदों को विशेष धन्यवाद। मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन विजयी रहे हैं। चुनाव नतीजों के बाद ऐसा अनुमान है कि विपक्षी गठबंधन के कई सांसदों ने भी एनडीए उम्मीदवार के लिए वोट किया।

विपक्षी सांसदों को दिया विशेष धन्यवाद

किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'एनडीए और हमारे सभी मित्र सांसद एकजुट रहे। इंडी गठबंधन के कुछ सांसदों को भी विशेष धन्यवाद, जिन्होंने अपनी अंतरात्मा के आधार पर एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को वोट दिया।

उन सभी को धन्यवाद, जिन्होंने एक सच्चे देशभक्त को देश का नया उपराष्ट्रपति चुना।' भाजपा महासचिव बीएल संतोष ने दावा किया कि 'इंडी गठबंधन के उम्मीदवार को उनके कुल वोटों से 15 वोट कम मिले।' वहीं कांग्रेस ने विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी की जीत को सम्मानित करार दिया और कहा कि उन्हें उपराष्ट्रपति चुनाव में 40 प्रतिशत मत मिले। जयराम रमेश ने साल 2022 के चुनाव की तुलना करते हुए कहा कि उस समय विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार को 26 प्रतिशत मत मिले थे। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि भाजपा की अंकगणितीय जीत असल में उसकी नैतिक और राजनीतिक हार है। वैचारिक लड़ाई जारी रहेगी।

मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को जीत मिली और वे देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए। सीपी राधाकृष्णन को 452 पहली प्राथमिकता वोट मिले। वहीं जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। 15 वोट अमान्य घोषित किए गए।

बक्सर-भागलपुर हाईस्पीड कॉरिडोर के तहत मोकामा-मुंगेर खंड के निर्माण को मंजूरी

> 4447 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-नियंत्रित मोकामा-मुंगेर खंड के निर्माण को हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर मंजूरी दी है। कुल परियोजना लंबाई 82.4 किलोमीटर है और इसका परिव्यय 4,447.38 करोड़ रुपये है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह बक्सर से भागलपुर तक कॉरिडोर का एक खंड है। इसका निवेश 4,447 करोड़ रुपये होगा। यह दक्षिणी बिहार की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसमें अगर हम बक्सर से पटना जाते हैं, तो पहले से ही एक अच्छा नेटवर्क है और आगे पटना से फतुहा और फतुहा से आगे बेगूसराय तक, यह परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है, कुछ छह लेन और कुछ चार लेन की हैं। आज जिस खंड को मंजूरी दी गई है वह मोकामा से मुंगेर तक 82 किलोमीटर और आगे मुंगेर से भागलपुर तक है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आजादी के बाद रेलवे कार्गो लगातार घट रहा था। 27% के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद अब यह बढ़ने लगा है। अब मॉडल शेयर लगभग 29% तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में स्वीकृत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की कुल संख्या लगभग 11 लाख करोड़ रुपये की है, और एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। आप क्षेत्र में देख सकते हैं कि कैसे काम तेजी से आगे बढ़ रहा है, कैसे इसके माध्यम से रोजगार पैदा हो रहा है और कैसे ये परियोजनाएं लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव ला रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी। इसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह तीनों राज्यों को जोड़ने वाली एक बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना भी है।

उमर खालिद ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कार्यकर्ता उमर खालिद ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों की साजिश के मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत मामला दर्ज है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो सितंबर को उमर खालिद और शरजील इमाम सहित नौ लोगों को जमानत देने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा था कि प्रदर्शन या विरोध के नाम पर हिंसा के लिए साजिश रचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। खालिद और इमाम के अलावा जिन लोगों की जमानत याचिकाएं खारिज हुईं, उनमें मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद शामिल हैं।

12 सितंबर को उपराष्ट्रपति का पद ग्रहण कर सकते हैं सीपी राधाकृष्णन

राष्ट्रपति मुर्मू दिलाएंगी शपथ

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। देश के निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 12 सितंबर को पद की शपथ ले सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राधाकृष्णन को शपथ दिलाएंगी। राष्ट्रपति भवन में 12 सितंबर को एक औपचारिक समारोह में शपथ ग्रहण संपन्न होगा।

67 वर्षीय राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की थी। यह चुनाव तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक दिए गए इस्तीफे के बाद कराया गया था। संसद भवन में मंगलवार को हुए मतदान में राधाकृष्णन को 752 वैध मतों में से प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले थे, जबकि रेड्डी को प्रथम वरीयता के महज 300 वोट ही मिले थे। 14 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की।

उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद मतदाता होते हैं। देश में 17 बार उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हुआ जिसमें सर्वपल्ली राधाकृष्णन और हामिद अंसारी दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे। निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने बताया, 781 मतदाताओं में से 98.2 फीसदी यानी 767 ने मतदान किया। इनमें 15 वोट अवैध पाए गए जिससे वैध मतों की संख्या 752 रह गई। वहीं एक डाक मत को रद्द घोषित कर दिया गया क्योंकि संबंधित सांसद ने वोट डालने से इन्कार किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य होते हैं। इनमें 245 राज्यसभा से और 543 लोकसभा से हैं। राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य भी चुनाव में मतदान करने के पात्र होते हैं। लेकिन वर्तमान में निर्वाचक मंडल की संख्या 781 है क्योंकि राज्यसभा में छह और लोकसभा में एक सीट रिक्त है। भाजपा न सिर्फ विपक्षी इंडी गठबंधन में सेंध लगाने में कामयाब रही, बल्कि भाजपा-कांग्रेस से समान दूरी की नीति अपनाने वाले दलों के मतदाताओं के बड़े हिस्से को भी अपने पक्ष में करने में कामयाब रही।

नेपाल विद्रोह पर सीजेआई बोले-हमें अपने संविधान पर गर्व

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने बुधवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान नेपाल विद्रोह का जिक्र किया। उन्होंने कहा। 'हमें अपने संविधान पर गर्व होना चाहिए, देखिए पड़ोसी देशों में क्या हो रहा है। नेपाल में तो हमने देख रहे हैं।' इस पर जस्टिस विक्रम नाथ ने जोड़ते हुए कहा कि हां, बांग्लादेश भी। जजों ने ये बयान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील पर दिया। इससे पहले सॉलिसिटर जनरल ने कहा, 1970 से अब तक सिर्फ 20 बिल ही राष्ट्रपति के पास लंबित रहे, जबकि 90% बिल एक महीने में पास हो जाते हैं। सीजेआई ने इस पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि केवल आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। अगर राज्यों के दिए आंकड़े नहीं माने गए तो आपके भी नहीं माने जाएंगे। तेलंगाना के वकील निरंजन रेड्डी-संविधान 75 साल पहले बना था, जब राज्यों में अलगाव की प्रवृत्ति थी।

बीजेपी विधायक सुरेंद्र पटवा के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

चेक-बाउंस केस में नहीं हुए थे पेश

भोजपुर , 10 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की भोजपुर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा के खिलाफ इंदौर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट की तरफ से ये वारंट को जारी किया गया है। विधायक के खिलाफ 420, 409,120बी के तहत यह वारंट जारी किया है। इसके साथ ही कोर्ट ने सुरेंद्र पटवा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने लिए 16 सितंबर तक का समय दिया है। सुरेंद्र पटवा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व सुंदरलाल पटवा के भतीजे हैं। उनके परिवार का इंदौर में सालों से कारोबार चल रहा है। हालांकि इसमें घाटा होने के कारण उनके कुछ चेक बाउंस हुए हैं। लगभग चेक बाउंस के 70 से ज्यादा मामले कोर्ट में लंबित है। कुछ मामलों में पहले उन्हें राहत भी मिल चुकी है। हालांकि कोर्ट के बार बार नोटिस दिए जाने के बाद भी पटवा पेश नहीं हुए हैं। यही कारण है कि अब उनके खिलाफ वारंट जारी किया गया है।

उच्च वेतनमान की अधिसूचना पर हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर

सरकार को जारी किया नोटिस

शिमला, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से 6 सितंबर 2025 को उच्चतम वेतनमान को लेकर जारी अधिसूचना (जिसे बाद में वापस लेने की बात कही है) को लेकर हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं। इस अधिसूचना के माध्यम से 3 जनवरी 2022 की उच्चतम पे स्केल वापस लेने की बात कही गई थी। न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश सुशील कुकरेजा की खंडपीठ ने इस मामलों में दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किए हैं और चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 13 नवंबर को होगी। इस अधिसूचना को लेकर हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई हैं।

नहीं रुक रहा जमीन धंसने का सिलसिला पुंछ में 50 घर तबाह, कब्रों से बाहर दिखे शव; स्कूल-मस्जिद, सड़कें प्रभावित

जम्मू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पुंछ जिले के कालाबन गांव में पिछले चार दिनों से लगातार जमीन धंसने और भूस्खलन की घटना ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। अब तक लगभग 50 ढांचे जिनमें अधिकांश पक्के मकान शामिल हैं, या तो जमींदोज हो चुके हैं या फिर क्षतिग्रस्त हैं। तीन स्कूल भवन, एक मस्जिद, कब्रिस्तान और गांव तक जाने वाली मुख्य सड़क भी दरारों की चपेट में आ गई है। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के गांव कालाबन का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि लगभग 25 मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं जबकि 20 अन्य मकानों में बड़ी दरारें पड़ गई हैं। इससे वे अब रहने लायक नहीं बचे हैं। इस आपदा से लगभग 700 लोगों की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो गई है। राणा ने स्थानीय प्रशासन को प्रभावित परिवारों की अस्थायी पुनर्वास व्यवस्था करने और तुरंत राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थायी पुनर्वास और मुआवजा देने के लिए सरकार ठोस कदम उठाएगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पकड़ी गई गांजे की बड़ी खेप

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 15 से 48 किलो गांजे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनीष कुमार निवासी झुंझुनू राजस्थान के तौर पर हुई है।आरोपी गांजा गुवाहाटी से ट्रेन संख्या 12423 से लाया गया था। बरामद गांजे की कीमत करीब 24 लाख रुपये आंकी गई है। वहीं, आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जीआरपीएस-एनआरपीएस को सौंपा गया है।

रुड़की में हो रहा सांपों के जहर का अवैध कारोबार

छापेमारी में कोबरा और रसैल वाइपर समेत 86 जहरीले सांप बरामद

हरिद्वार, 10 सितंबर (एजेंसियां)। रुड़की में सांपों के जहर के अवैध कारोबार की शिकायत सामने आने के बाद वन विभाग की टीम एक्टिव हुई है। खंजरपुर क्षेत्र में सांपों के जहर के अवैध कारोबार की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए वन विभाग की टीम ने गोदाम में छापा मारा है और 86 जहरीले सांपों को बरामद किया है। इनमें कोबरा और रसैल वाइपर प्रजाति के सांप भी शामिल हैं। छापा मारने वाली टीम ने सभी सांपों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पीएफए ऑर्गेनाइजेशन से आए शिकायतकर्ता गौरव गुप्ता की सूचना पर वन विभाग की टीम खंजरपुर स्थित एक गोदाम पर पहुंची, जहां सांपों की तस्करी का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा था। मौके पर छापेमारी में टीम को 86 सांप मिले हैं, जिनमें 2 खतरनाक प्रजातियां कोबरा और रसैल वाइपर शामिल हैं।

वन विभाग के अधिकारी का कहना है कि इस व्यापार का लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था। मौके पर गोदाम मालिक नहीं मिला है। पीएफए की शिकायत पर छापेमारी की गई और वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं पीपल फ़ॉर एनिमल्स की तरफ से आये शिकायतकर्ता ने वन विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इतना बड़ा अवैध कारोबार करने वाले, वन विभाग के अधिकारियों की नजरों से आखिरकार कैसे बचे रहे। वन विभाग के अधिकारियों ने उनके शिकायत करने पर छापा मारने में पहले आनाकानी की और फिर बाद में छापा मारा, तब तक इस कारोबार का मुख्य सरगना करोड़ों रुपए का सांपों का जहर लेकर फरार हो चुका था। वन विभाग की नाक के नीचे यह कारोबार धड़ल्ले से कई सालों से चल रहा है।

काशी में भारत-मॉरीशस वार्ता पीएम मोदी और रामगुलाम की होगी मुलाकात

वाराणसी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और मारीशस के बीच घनिष्ठ और विशेष संबंध है। यह साझा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों के आपसी संबंधों पर आधारित हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसी के रूप में मारीशस भारत के विज़न महासागर (क्षेत्र भर में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) और "पड़ोसी प्रथम नीति" में एक विशेष स्थान रखता है और वैश्विक दक्षिण में एक प्रमुख भागीदार है। महासागर यानी (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास हेतु पारस्परिक और समग्र उन्नति) भारत की सागर नीति का विस्तारित रूप है।

यह नीति हिंद महासागर क्षेत्र में

समग्र सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महासागर का उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा, सहयोग, और साझा समृद्धि पर आधारित है। इसके तहत, भारत अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ मिलकर समुद्री सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा, और संसाधन प्रबंधन में सहयोग बढ़ाता है। यह भारत की पड़ोसी पहले नीति का अभिन्न हिस्सा है। मार्च 2025 में प्रधानमंत्री की मारीशस यात्रा के बाद प्रधानमंत्री डा। नवीनचंद्र रामगुलाम की भारत यात्रा, भारत और मारीशस के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को आगे बढ़ाएगी। काशी में दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता इसे फलक देगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 सितंबर को सुबह 11 बजे के करीब काशी आएंगे। अपनी काशी में लगभग चार घंटा प्रवास के दौरान मारीशस के प्रधानमंत्री डा। नवीनचंद्र रामगुलाम से होटल ताज में मुलाकात करेंगे। इसके बाद भारत-मारीशस के बीच यहां दोपहर 12 बजे से निर्धारित द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होंगे। इस दौरान आर्थिक व पर्यटन समेत तमाम मुद्दों पर चर्चा होगी। अहम निर्णय लिए जाएंगे। इतिहास, भाषा, संस्कृति, विरासत, भाईचारे और मूल्यों के साझा बंधनों के कारण भारत-मारीशस के अद्वितीय संबंध पहले से ही हैं। अब वैश्विक टैरिफ वार के बीच यह वार्ता और भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र काशी से वैश्विक मुददे पर चर्चा कर देश-दुनिया को संदेश देंगे।

मारीशस के पीएम का स्वागत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी

मारीशस के प्रधानमंत्री बुधवार को शाम लगभग साढ़े पांच बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पर उतरेंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल स्वागत करेंगी। प्रभारी व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी इस दौरान मौजूद रहेंगे।

इसके बाद मारीशस के पीएम का स्वागत बाबतपुर से होटल ताज के बीच 11 स्थानों पर स्कूली बच्चे दोनों देश का फ्लैग हाथ में लेकर स्वागत करेंगे।

इन स्थलों पर जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे और स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि व कलाकार पीएम मारीशस का स्वागत करेंगे। कला व संस्कृति की टीम गीत, नृत्य व कला प्रदर्शित कर दोनों देशों के रिश्ते में मिठास घोलेगी।

10 लाख आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाई जाएगी

दिल्ली एनीमल वेलफेयर बोर्ड का एक्शन प्लान

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली सरकार ने एक्शन प्लान तैयार किया है। दिल्ली एनीमल वेलफेयर बोर्ड की बुधवार को बैठक बुलाई गई, इसमें राजधानी मे आवारा जानवरों को लेकर एक्शन प्लान पेश किया गया। इसमें 10 लाख आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाने का बड़ा फैसला हुआ। पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। जानवरों के टीकाकरण कार्यक्रम का डिजिटलीकरण किया जाएगा। दिल्ली पशुपालन विभाग की इस बैठक में न केवल आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर मंथन हुआ, बल्कि पालतू कुत्तों के घरों में रखरखाव और इसको लेकर होने वाले विवादों पर चर्चा की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी और इंसानों पर हमले को लेकर मामले में अहम सुनवाई की थी। तीन जजों की बेंच ने खंडपीठ के फैसले में सुधार करते हुए सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजने का फैसला पलट दिया था। उनकी नसबंदी और टीकाकरण के बाद दोबारा वापस उन्हीं इलाकों में छोड़े जाने का अंतरिम आदेश दिया था। साथ ही राज्यों को आवारा कुत्तों के मामले में एक्शन प्लान बनाने को भी कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को खुले स्थानों में कहीं भी खाना खिलाने पर रोक लगाने को कहा था। इसका उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का आदेश भी दिल्ली नोएडा गाजियाबाद और अन्य स्थानीय एजेंसियों को दिया था। इन एजेंसियों को विशेष स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने की जगहें बनाने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि सिर्फ आक्रामक कुत्तों को ही शेल्टर होम में रखा जाए। अदालत ने आवारा कुत्तों से जुड़े लंबित सभी मामलों की एक साथ अपने पास सुनवाई करने का फैसला भी किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को सड़क से उठाकर बंद करने के आदेश पर रोक लगाई थी। आवारा कुत्तों की आबादी पर नियंत्रण के लिए उन्हें नसबंदी-टीकाकरण के बाद वापस छोड़ने को कहा था। अदालत ने आदेश दिया था कि कुत्तों को उसी इलाके में वापस छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था।

डेढ़ महीने बाद घर लौटी मां तो बेटी का दर्द सुनकर रो पड़ी पिता ने बार-बार किया रेप

नासिक, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से बाप-बेटी के रिश्ते को कलंकित करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक 40 साल का पिता अपनी ही 17 साल की नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करता आ रहा था। इतना ही नहीं, पिता की इस घिनौनी करतूत से नाबालिग गर्भवती हो गई। बच्ची के पेट में दर्द होने के बाद ये पूरी घटना सामने आई। घटना जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र के शिवाजीनगर की बताई जा रही है। इस घटना ने हर तरफ हड़कंप मचा दिया है। गंगापुर पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी कर ली है। आरोपी मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। वर्तमान में वो वर्तमान में गंगापुर थाना क्षेत्र के शिवाजीनगर में रह रहा था। पीड़िता के पेट में दर्द हुआ तो उसकी मां से उसे नासिक के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जब पीड़ित लड़की की जांच की गई तो हैरान कर देने वाली बात पता चली। डॉक्टर ने बताया कि लड़की आठ सप्ताह की गर्भवती है।

भाजपा सांसद ने कहा- भारत को नेपाल-बांग्लादेश नहीं बनने देंगे

फेक न्यूज से जुड़ी रिपोर्ट स्पीकर को सौंपी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने फेक न्यूज के जरिए अफवाह या गलत सूचना फैलाने पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की सिफारिश की है। समिति ने इस संदर्भ में अपनी रिपोर्ट लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला को सौंप दिया है। संसद के आगामी सत्र में इस पर विचार किए जाने और इस पर कड़े कानून बनाए जाने की संभावना है। संसद के सदस्यों को इस बात की चिंता थी कि एआई जैसी नई तकनीकी के सहारे जिस तरह सोशल मीडिया में खबरें, फोटो-वीडियो प्रसारित किये जाते हैं, उससे देश की शांति-सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इससे किसी की निजता का भी गंभीर उल्लंघन हो सकता है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को एक ट्वीट कर कहा कि एआई जैसी तकनीक के माध्यम से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर गलत सूचना फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई किए जाने का प्रावधान लोकसभा अध्यक्ष को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी समाचार सही होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश विरोधी ताकतों के एजेंडे पर चलकर लोगों को गुमराह करने वाली सूचनाओं पर रोक लगनी चाहिए। निशिकांत दुबे ने बेहद तल्ख अंदाज में कहा है कि भारत को नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और थाईलैंड नहीं बनने देंगे।

राहुल गांधी ने बूथ कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

बोले- महाराष्ट्र-हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के पक्के सबूत मिले

रायबरेली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली की हरचंदपुर विधानसभा सीट पर बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहले हमें लगता था कि चुनाव परिणाम में दाल में कुछ काला है पर महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम देखने के बाद हमें वोट चोरी के ब्लैक एंड वाइट सबूत मिले।

उन्होंने कहा कि चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। जनता से उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं। हम सब संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

इसके पहले, राहुल गांधी बुधवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे जहां पर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय , कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना राहुल गांधी को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से राहुल गांधी रायबरेली के लिए निकल गए। जिले की सीमा पर पड़ने वाले चुरुवा मंदिर पर नहीं रुका। उनका काफिला हरचंदपुर की तरफ बढ़ गया। राहुल गांधी 10:40 पर बछरावां कस्बे के मुख्य चौराहे पर पहुंचे तो सैकड़ो की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत करते हुए बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दिए गए उनके नारे वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाया।

एक मिनट से कम कस्बे के मुख्य चौराहे पर रुक कर राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद वह रायबरेली मुख्यालय की ओर रवाना हो गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह उनका स्वागत किया। वहीं, प्रदेश सरकार के उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हरचंदपुर में प्राथमिक विद्यालय के निकट पोस्टर बैनर के साथ राहुल गांधी वापस जाओ के नारे लगाए।

इससे राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई है। भाजपा कार्यकर्ताओं और उद्यान मंत्री ने हाईवे पर खड़े होकर राहुल गांधी वापस जाओ के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। उद्यान मंत्री ने पहली बार खुले तौर पर सांसद का विरोध किया है। ऐसे में 11 सितंबर को होने वाली दिशा की बैठक में गहमागहमी होने की संभावना बढ़ गई है। पुलिसकर्मियों ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो इस दौरान उनसे भी भाजपा कार्यकर्ताओं की धक्कामुक्की हुई।

पोस्टर बना चर्चा का विषय

सांसद राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान शहर में लगा एक पोस्टर चर्चा का विषय बन गया है। होर्डिंग पर लिखा गया है, इंडिया की अंतिम आस, कलयुग के ब्रह्मा, विष्णु , महेश।

1600 करोड़ सिर्फ टोकन मनी

सीएम मान से मिले राज्यपाल कटारिया ने दिया आश्वासन, कहा-आकलन के बाद और मदद मिलेगी

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया बुधवार को फॉर्टिस हॉस्पिटल में दाखिल मुख्यमंत्री भगवंत की सेहत का हालचाल जानने के लिए पहुंचे। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि सीएम मान की तबीयत पहले से बेहतर हैं। प्रधानमंत्री खुद अपने दौरे के दौरान उनकी सेहत के बारे में कुछ रहे थे और उन्होंने मुझे कहा था कि सीएम का हाल जानने अस्पताल जाना और उनकी सेहत के बारे में जानकारी देना।

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि केंद्र की तरफ से 1600 करोड़ रुपये का एलान सिर्फ टोकन मनी है। जल्दी ही और भी राशि आकलन के बाद केंद्र की तरफ से जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र हर संभव सहायता देगा। प्रधानमंत्री ने दौरे के दौरान साफ किया है कि हिमाचल प्रदेश से भी अधिक पंजाब में स्थिति गंभीर है। फसलों का नुकसान, पशुओं की मृत्यु और टूटे घर, सबके लिए मदद जारी की जाएगी। चार और पांच जिले अधिक प्रभावित हैं।

आंकलन के बाद सरकार की तरफ से मदद जारी की जाएगी। राज्यपाल ने कहा कि केंद्र का मदद करने का एक फार्मूला होता है। आपदा का पैसा वैसे ही राज्यों के खातों में आ जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मदद के लिए किसी भी तरह की कमी नहीं छोड़ी जाएगी। 100 प्रतिशत और मदद आएगी। यह राशि सिर्फ आपातकालीन सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए है।

बीएसएफ के ट्रक ने पुजारी को मारी टक्कर, मौके पर मौत

इंदौर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के एरोड्रम रोड पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। मॉर्निंग वॉक पर निकले 55 वर्षीय पुजारी नेत्रपुरी गोस्वामी को बीएसएफ के ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना एरोड्रम थाने के सामने हुई। गवाहों के अनुसार, हादसे के समय ट्रक तेज रफ्तार में था। टक्कर लगने के बाद ड्राइवर ने करीब 20 फीट आगे जाकर वाहन को नियंत्रित किया। बताया जा रहा है कि हादसे से कुछ देर पहले नेत्रपुरी अपने परिचितों से बातचीत कर रहे थे। जैसे ही वे मुड़े, अचानक ट्रक की चपेट में आ गए। एरोड्रम पुलिस ने जानकारी दी कि हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ।

कूनो जंगल से निकलकर गांव में पहुंचा भारत का चीता

सड़क पर 'राजा' की तरह चलता दिखा

मुरैना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सबलगढ़ क्षेत्र में एक बार फिर चीते की मौजूदगी से लोगों में दहशत फैल गई है। घाटी नीचे के इलाके सालई गांव में सुबह अचानक सड़क पर एक चीता टहलता हुआ नजर आया। इस नजारे को देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।

कई लोगों ने चीते को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। जानकारी के मुताबिक यह वही मादा चीता 'केपी-1' का शावक होने की आशंका है, जो कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकलकर लंबे समय से मुरैना जिले के सबलगढ़ क्षेत्र में घूम रहा है। वन विभाग का मानना है कि यह चीता अपने सुरक्षित क्षेत्र से भटक कर घाटी नीचे के इलाके में

पहुंच गया है। यह रामपुर कला और सालई गांव के पास देखा गया। ग्रामीणों ने जैसे ही सड़क पर चीते को देखा, आसपास के लोगों को सतर्क कर दिया। कुछ देर के लिए गांव में दहशत का माहौल बन गया। वन विभाग और चीता मित्रों की टीम लगातार इस इलाके पर नजर बनाए हुए है। टीम ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले खेतों में न जाएं, बच्चों को भी खुले में न छोड़ें। चीते के पास जाने या उसे परेशान करने की कोशिश बिल्कुल न करें। साथ ही ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि किसी भी तरह की गतिविधि या चीते के मूवमेंट की सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि उसकी सुरक्षित ट्रैकिंग की जा सके।

कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते पिछले कुछ महीनों में कई बार पार्क की सीमाओं से बाहर निकलकर आसपास के गांवों में देखे गए हैं। हालांकि अब तक किसी तरह की जनहानि या नुकसान की खबर नहीं आई है। वन विभाग के मुताबिक चीते आमतौर पर इंसानों से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा और ग्रामीणों की सावधानी बेहद जरूरी है।

कोर्ट ने बच्ची को चूमने के आरोपी को बरी किया, फैसला सुनाते कहा: यह आपराधिक घटना नहीं

ठाणे, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे की एक विशेष अदालत ने एक शख्स को एक बच्ची के साथ छेड़छाड़ के मामले में बरी करते हुए कहा कि शख्स की गलत मंशा नहीं थी। अदालत ने 54 साल के ओमप्रकाश रामबचन गिरी को एक 3 साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ के मामले में बरी कर दिया।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि बच्ची को गाल पर चूमने और गले लगाने की घटना को आपराधिक नहीं माना जा सकता, क्योंकि इसमें कोई गलत मंशा नहीं थी। यह घटना 9 जनवरी 2021 को हुई थी। विशेष जज रूबी यू मलवंकर, जो पोक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम

सेक्शुअल ऑफेंसेस) एक्ट के तहत मामलों की सुनवाई करती हैं, ने 22 अगस्त को यह फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा कि बच्चियों से प्यार करने वाला कोई भी शख्स स्वाभाविक रूप से उन्हें गोद में उठाकर या गाल पर चूम सकता है। यह हमारे समाज में आम बात है। कोर्ट ने यह भी कहा कि चूंकि आरोपी उसी मोहल्ले का रहने वाला था और बच्ची के लिए अजनबी नहीं था, इसलिए उसकी हरकत को पूरी तरह आपराधिक नहीं माना जा सकता। आरोप था कि ओमप्रकाश ने 9 जनवरी 2021 को 2 अलग-अलग मौकों पर एक 3 साल की बच्ची को गले लगाया और गाल पर चूमा।

इस मामले में पुलिस ने पोक्सो एक्ट और भारतीय दंड संहिता (आईपीसीसी) की धारा 354 (महिला की इज्जत को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का उपयोग) के तहत केस दर्ज किया था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, 'हमारे देश में इस तरह का व्यवहार, जब तक कि यह बच्ची को नुकसान न पहुंचाए या कोई बिल्कुल अजनबी गलत इरादे से ऐसा न करे, आमतौर पर आपत्तिजनक नहीं माना जाता।' कोर्ट ने यह भी देखा कि बच्ची को इन घटनाओं के दौरान कोई दर्द नहीं हुआ और न ही वह रोई।

जज ने कहा, 'ऐसी स्थिति में बच्ची की इज्जत को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं दिखता। यह एक स्नेहपूर्ण व्यवहार था, जिसे आपराधिक नहीं माना जा सकता।' कोर्ट ने यह भी पाया कि प्रॉसिक्यूशन यह साबित करने में नाकाम रहा कि ओमप्रकाश का इरादा गलत था। इसके अलावा, बच्ची की उम्र साबित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या कोई अन्य दस्तावेज पेश नहीं किया गया। बच्ची की मां ने दावा किया कि उनकी बेटी 3 साल की थी, लेकिन उनके बयान के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

जन्मदिन की पार्टी में दुष्कर्म मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरिदेवपुर इलाके में एक महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के दो मुख्य आरोपियों में से एक को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को भागने की कोशिश करते समय बर्धमान रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पीड़िता की ओर से हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पीड़िता ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात एक जन्मदिन की पार्टी में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हरिदेवपुर घटना के एक मुख्य आरोपी को बुधवार सुबह बर्धमान स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरा फरार है। हम उसकी तलाश कर रहे हैं।' शुरुआती जांच से पता चला है कि पीड़िता की गिरफ्तार आरोपी से एक साझा दोस्त के जरिए जान-पहचान हुई थी। अधिकारी ने बताया, 'इस व्यक्ति ने खुद को दक्षिण कोलकाता की एक प्रमुख दुर्गा पूजा समिति का प्रमुख सदस्य बताया था।

उसके जरिए उसकी मुलाकात दीप नाम के एक और युवक से हुई। दोनों ने उसे समिति से जोड़ने का वादा किया। वे अक्सर बातें करते थे। 5 सितंबर को उसके जन्मदिन पर दोनों कथित तौर पर उसे रीजेंट पार्क इलाके के एक फ्लैट में जश्न मनाने के लिए ले गए और वहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया।'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार, 11 सितंबर, 2025

सुविचार: संसार में समस्यायें बढेंगी इसलिए मुझे समस्याओं का सामना करने की अपनी क्षमता को बढाना चाहिए

चाकली ऐलम्मा उत्पीड़न के विरुद्ध एक अवज्ञा ध्वज थीं : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज चाकली ऐलम्मा को उत्पीड़न और दमन के विरुद्ध "अवज्ञा ध्वज" बताया। नई दिल्ली में उनकी जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, "ऐलम्मा एक योद्धा थीं जिन्होंने लगभग 80 वर्ष पहले तेलंगाना में कुलीन अहंकार और अत्याचार के विरुद्ध बिगुल बजाया था।" उन्होंने याद दिलाया कि 'तेलंगाना तल्ली' प्रतिमा का निर्माण सम्मक्का, सरक्का और चाकली ऐलम्मा से प्रेरणा लेकर किया गया था।

कांग्रेस सांसद पोरिका बलराम नायक, चामला किरण कुमार रेड्डी और पार्टी नेता रोहिन रेड्डी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसी प्रकार सड़क एवं भवन तथा छायांकन मंत्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी ने चकाली ऐलम्मा को एक बहादुर महिला बताया जिन्होंने भूमि, स्वतंत्रता और गरीबों की मुक्ति के लिए तेलंगाना के सशस्त्र संघर्ष को प्रेरित किया। उन्होंने नलगोंडा के सागर रोड स्थित राजाका भवन के सामने ऐलम्मा की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनकी वीरता को याद करते हुए, वेंकट रेड्डी ने कहा कि ऐलम्मा एक निडर योद्धा थीं जिन्होंने नवाबों का डटकर सामना किया और रजाकारों को खदेड़ दिया। उन्होंने कहा, "धनुष-बाण के ज़माने में वह सिंह की तरह दहाड़ती थीं। जब उनकी घंटी बजती थी, तो कुलीन वर्ग की पूँछ बंध जाती थी। जब वह अपनी दरांती चलाती थीं, तो उत्पीड़ितों में शक्ति भर जाती थी। वह प्रतिरोध का लाल झंडा बन गईं और गरीबों के संघर्षों में आशा का संचार किया।" उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने उनकी स्मृति में 'वीरनारी चकाली ऐलम्मा महिला विश्वविद्यालय' की स्थापना की है और इस बात की पुष्टि की है कि उनकी सरकार उनके आदर्शों के अनुरूप काम कर रही है। इस अवसर पर मिर्यालगुडा विधायक बथुला लक्ष्मा रेड्डी, नलगोंडा नगर कांग्रेस अध्यक्ष गुम्मुला मोहन रेड्डी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बुर्री श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व उपाध्यक्ष अब्बागोनी रमेश गौड़ और राजाका संगम के नेता उपस्थित थे।

आदिलाबाद में किसानों का अनोखा विरोध

यूरिया संकट के बीच घर-घर जाकर मांगी भीख

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के एचोडा मंडल के मुखरा (के) गांव में बुधवार को किसानों ने एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। यूरिया की कमी से परेशान किसानों का एक समूह घर-घर जाकर भिक्षा मांगता रहा। उनका कहना था कि खाद न मिलने की वजह से वे मजबूर होकर ऐसा करने पर उतारू हुए हैं। किसानों ने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में उन्हें आसानी से यूरिया मिल जाया करता था, यहां तक कि पैसे ऑटो-रिक्शा चालक के जरिए भेजकर भी वे खाद प्राप्त कर लेते थे। लेकिन अब, कांग्रेस शासन में वे खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं और भीख मांगने तक की नौबत आ गई है।

तुम्मिडीहट्टी में गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से जल परिवहन संभव नहीं - विनोद

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व बीआरएस सांसद बी विनोद कुमार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि तुम्मिडीहट्टी कालेश्वरम परियोजना का हिस्सा है। उसके गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से जल परिवहन संभव नहीं है और लिफ्ट सिंचाई ही एकमात्र विकल्प है। तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, विनोद कुमार, पूर्व विधायक विनय भास्कर और पूर्व निगम अध्यक्ष के. वासुदेव रेड्डी और सतीश रेड्डी ने सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा बरसात के बाद मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिला बैराजों की मरम्मत के 'फैसले' की सराहना की और कहा कि 'केवल मेदिगड्डा की मरम्मत की आवश्यकता है। अन्नाराम और सुंदिला संरचनात्मक रूप से ठीक हैं' और इस बात पर ज़ोर दिया कि तुम्मिडीहट्टी से पानी खींचने के लिए दो बिंदुओं पर लिफ्ट आवश्यक हैं। अंतरराज्यीय विवाद का उल्लेख करते हुए, बीआरएस नेता ने बताया कि महाराष्ट्र गोदावरी के पानी को 152 मीटर की ऊँचाई पर ले जाने के लिए सहमत नहीं होगा। उन्होंने कहा, "जब केंद्र में, महाराष्ट्र और संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, तब भी इस मुद्दे का समाधान नहीं हो सका। अब जब फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं, तो मंजूरी मिलने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि इससे बाढ़ की स्थिति और बिगड़ जाएगी।" उन्होंने आगे कहा कि "अगर तुम्मिडीहट्टी से येल्लमपल्ली तक पानी लाना है, तो लिफ्ट ज़रूरी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का यह दावा कि लिफ्ट की ज़रूरत नहीं है, अव्यावहारिक है। 152 मीटर की ऊँचाई पर यह परियोजना असंभव है।" उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह करीमनगर, मेडक, वारंगल और निज़ामाबाद ज़िलों के किसानों के लिए यासांगी फ़सल की सिंचाई सुनिश्चित करने के लिए तीनों बैराजों की मरम्मत को प्राथमिकता दे। जहाँ मेदिगड्डा बैराज की लागत 3,500 करोड़ रुपये है, वहीं तीन क्षतिग्रस्त खंभों की लागत केवल 300 करोड़ रुपये है - जो कुल कालेश्वरम परियोजना व्यय का केवल 6% है। उन्होंने आगाह किया कि पिछले यासांगी सीज़न के दौरान मेदिगड्डा का उपयोग न होने के कारण किसानों को पहले ही नुकसान उठाना पड़ा है, और ऐसी चूक दोबारा नहीं होनी चाहिए।

रेलवे और संबद्ध एजेंसियां त्योहारों की भीड़ से निपटने के लिए तैयार

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी दशहरा, दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान त्योहारी सीज़न में यात्रियों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद के मद्देनजर, रेलवे और संबद्ध एजेंसियों ने सिकंदराबाद, हैदराबाद (नामपल्ली), चेर्लापल्ली-, लिंगमपल्ली और काचीगुडा स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक संयुक्त कार्य योजना तैयार की है।

बुधवार को संचालन भवन में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. गोपालकृष्णन आर. और हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा ने भाग लिया। मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) अलकुंटा नवीन कुमार द्वारा समन्वित इस बैठक में रेलवे, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), स्थानीय पुलिस, यातायात पुलिस और आरटीसी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा बैठक में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें छीना-झपटी, जेबकतरी, अनधिकृत प्रवेश और फुट ओवरब्रिज, प्रतीक्षालय और यातायात क्षेत्रों में भीड़भाड़ जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने भगदड़ जैसी स्थितियों से निपटने के लिए एहतियाती उपाय करने पर भी ज़ोर दिया। अंतिम रूप दिए गए प्रमुख उपायों में शामिल हैं: आरपीएफ और जीआरपी गश्त, तलाशी और तोड़फोड़-रोधी जाँच बढ़ाएँगे; स्थानीय पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता करेगी; यातायात पुलिस सख्ती से नो-पार्किंग लागू करेगी, वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करेगी और ऑटो, कैब और बसों के लिए समर्पित लेन बनाएगी, खासकर सिकंदराबाद प्लेटफ़ॉर्म-10, चेर्लापल्ली-प्लेटफ़ॉर्म-1 प्रवेश मार्ग और काचीगुडा मंदिर पहुँच मार्ग जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर। आरटीसी व्यस्त और देर रात के समय अतिरिक्त बस सेवाएँ प्रदान करेगी, बस स्टैंड पर कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी और बसों का रूट कम भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बदला जाएगा।

सभी एजेंसियों ने त्योहारों की भीड़ के दौरान यात्रियों के लिए सुरक्षित और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए घनिष्ठ समन्वय का संकल्प लिया।

निज़ामाबाद की सानवी ने दुबई में कुचिपुड़ी प्रदर्शन के लिए हासिल की प्रशंसा

दुबई, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। विदेशी धरती पर संस्कृति को संजोए रखना प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) समुदाय के लिए, खासकर युवाओं के लिए, कोई आसान काम नहीं है। फिर भी, खाड़ी देशों में कई तेलुगु प्रवासी भारतीय परंपराओं को जीवित रखते हुए, विरासत को समकालीन अभिव्यक्ति के साथ मिलाते रहते हैं। इनमें निज़ामाबाद की 15 वर्षीय सान्वी बंगारी भी शामिल हैं , जो दुबई में अपनी कुचिपुड़ी प्रस्तुतियों से सबका दिल जीत रही हैं। यह युवा नृत्यांगना मंच पर अपनी छाप छोड़ रही हैं और अपनी खूबसूरती और कलात्मकता से दर्शकों को शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में ले जा रही हैं। भारत के आठ मान्यता प्राप्त शास्त्रीय नृत्य रूपों में से एक कुचिपुड़ी, अपनी सुंदर चाल, जटिल पदचाप, भावपूर्ण हाव-भाव और हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित नाटकीय कहानी कहने के लिए जाना जाता है। निज़ामाबाद में जन्मी सान्वी बचपन में ही अपने माता-पिता स्वप्ना और शंकर के साथ दुबई आ गई थी।

फ़्लाई ऐश संप में मिला कारीगर का शव

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भूपालपल्ली जिले के गणपुरम मंडल के चेलपुर स्थित काकतीय थर्मल पावर प्रोजेक्ट (केटीपीपी) में बुधवार को एक कारीगर मृत पाया गया। मृतक की पहचान कोम्पेली निवासी टी. सुरेश के रूप में हुई है, जो 500 मेगावाट क्षमता वाले केटीपीपी के पहले चरण में काम कर रहे थे। माना जा रहा है कि मंगलवार को ड्यूटी के दौरान दुर्घटनावश सुरेश नाले में गिर गए थे। अगले दिन उनका शव फ़्लाई ऐश संप में तैरता हुआ मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्र संघों पर प्रतिबंध के विरोध में प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र संघ के नेताओं ने बुधवार को संघों के विघटन को लेकर अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए परिसर में एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। हैदराबाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले कुछ छात्र संघों को भंग कर दिया था और एक नया चुनाव आयोग गठित किया था। इसके जवाब में, छात्र संघ के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलने का इरादा किया; हालाँकि, प्रशासन ने इसकी आशंका जताते हुए, उनके प्रवेश को रोकने के लिए विश्वविद्यालय के सभी प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया। परिणामस्वरूप, छात्र संगठन के नेता प्रत्येक द्वार पर जमा हो गए, जिससे तनावपूर्ण माहौल बन गया।

संघ नेताओं ने हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रशासन पर विश्वविद्यालय की आम सभा बुलाने के लिए स्थापित नियमों का पालन किए बिना जल्दबाजी में छात्र संघ को भंग करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि प्रशासन ने बिना किसी कारण के कार्य समय के दौरान द्वार बंद कर दिए, जिससे छात्रों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

बीआरएस जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए मगंती सुनीता को नामांकित करने के लिए तैयार

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने जुबली हिल्स उपचुनाव के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रिपोर्टों से पता चलता है कि दिवंगत मगंती गोपीनाथ की पत्नी सुनीता को आगामी चुनाव के लिए पार्टी का उम्मीदवार चुना जा सकता है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और सुनीता ने बुधवार को तेलंगाना भवन में जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के रहमत नगर मंडल के कार्यकर्ताओं की एक बैठक में भाग लिया।

इस बैठक के दौरान, उन्होंने पार्टी सदस्यों को उपचुनाव में उनकी संभावित उम्मीदवारी के बारे में सूक्ष्म रूप से संकेत दिया। इस संदर्भ में, उनका नामांकन अधिक संभावना वाला प्रतीत होता है। बीआरएस ने जुबली हिल्स उपचुनाव की देखरेख के लिए पहले ही लोगों की नियुक्ति कर दी है, और केटीआर संबंधित कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

पुलिस ने मरकज़ी मिलाद जुलूस समिति के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मिलाद-उन-नबी उत्सव-2025 के मद्देनजर 10.09.2025 को मरकज़ी मिलाद जुलूस समिति के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय मिलाद जुलूस समिति के अध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, सदस्यों और अन्य प्रमुख आयोजकों के साथ-साथ दक्षिण क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सुश्री स्नेहा मेहरा, पुलिस उपायुक्त दक्षिण क्षेत्र ने कहा कि सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वे सभी आयोजकों से मक्का मस्जिद में ज़ोहर की नमाज़ के दौरान मुख्य जुलूस में शामिल होने की अपील करें। डीजे सिस्टम के उपयोग के परिणामों के बारे में बताया गया। समिति को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि किसी भी उल्लंघन पर बीएनएस, हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम और ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सदस्यों ने आश्वासन दिया कि जुलूस के दौरान डीजे की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी डीजे को अनुमति नहीं दी जाएगी और सभी को इस आदेश का कड़ाई से पालन करना होगा। सदस्यों को बाइक स्टंट जैसी उपद्रवकारी गतिविधियों को रोकने और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले साइलेंसर हटाने के लिए आयोजकों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही समिति को मिलाद-उन-नबी जुलूस के लिए निर्धारित मार्ग का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आयोजकों को यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए सड़क के एक तरफ से ही आगे बढ़ने की सलाह दी गई। समिति ने बताया कि जुलूस की निगरानी के लिए स्वयंसेवकों को तैनात किया जाएगा। आसान पहचान के लिए, डीसीपी की उपस्थिति में स्वयंसेवकों को टोपी और टी-शर्ट वितरित की गईं।

पेद्दापल्ली में किसानों ने अवैध यूरिया बिक्री रोकी

दुकान मालिक की 22 बोरियों को दूसरी जगह ले जाने की कोशिश नाकाम

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली जिले के धर्माराम मंडल के कटिकानपल्ली में मंगलवार रात किसानों ने एक उर्वरक दुकान के मालिक द्वारा अवैध रूप से यूरिया बेचने के प्रयास को रोक दिया। आर्गोस खाद की दुकान पर लगभग 220 बोरी यूरिया पहुँची थी, जिसे बुधवार को कृषि विस्तार अधिकारी की निगरानी में किसानों में वितरित किया जाना था।

यूरिया वितरण प्रक्रिया के अनुसार, आधार और पासबुक के सत्यापन के बाद ही स्टॉक किसानों को दिया जाता है और विवरण मोबाइल एप्लीकेशन में दर्ज किया जाता है। हालांकि, दुकान मालिक ने कथित तौर पर ट्रैक्टर और ऑटोरिक्शा की मदद से 22 बोरियों को दूसरी जगह ले जाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही किसान मौके पर पहुंचे और दुकानदार से पूछताछ की। पुलिस भी शीघ्र ही पहुँची, माल जब्त किया और बैगों को पुनः गोदाम में रखवा दिया।

विधायक राजा सिंह ने केंद्रीय मंत्री को इस्तीफा देकर निर्दलीय चुनाव लड़ने की चुनौती दी

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधायक राजा सिंह ने कहा कि वह किसी भी हालत में विधायक पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें बुलाया गया तो वह भाजपा आलाकमान से मिलने को तैयार हैं और अगर कहा गया तो पार्टी में फिर से शामिल हो जाएँगे। आज यहाँ पत्रकारों से बात करते हुए, राजा सिंह ने सवाल किया कि अगर वह विधायक पद छोड़ने से इनकार करते हैं तो पार्टी नेतृत्व क्या कर सकता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद किशन रेड्डी को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि अगर रेड्डी अपने पद से इस्तीफा देते हैं, तो वह भी विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे।

उन्होंने किशन रेड्डी को उनके खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने की चुनौती दी। गोशामहल विधायक ने मौजूदा भाजपा प्रदेश नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए पार्टी अध्यक्ष रामचंदर राव को 'रबर स्टैम्प' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि नई भाजपा समिति के सभी प्रमुख नेता हैदराबाद से हैं और इस बात पर संदेह जताया कि समिति का गठन रामचंदर राव ने किया है या किशन रेड्डी ने।राजा सिंह ने घोषणा की कि अगर मौजूदा समिति के नेतृत्व में भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि वह पार्टी के भीतर की गलतियों के खिलाफ आवाज़ उठाते रहेंगे और किसी भी हालत में पीछे नहीं हटेंगे।

ग्रुप-1 के उम्मीदवारों ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च न्यायालय के फैसले से उत्साहित ग्रुप-1 के उम्मीदवारों ने आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव से उनके तरनाका स्थित आवास पर मुलाकात की और उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रुप-1 के उम्मीदवारों ने उच्च न्यायालय के फैसले पर पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की और स्पष्ट किया कि यह भाजपा के निरंतर संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी का समर्थन देने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का विशेष आभार व्यक्त किया। राव ने कहा कि अदालत का फैसला भाजपा के संघर्ष का परिणाम है और उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी ग्रुप-I के उम्मीदवारों के उचित हितों की रक्षा के लिए उनका समर्थन जारी रखेगी।

वाहन की टक्कर से महिला की मौत

संगारेड्डी, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के पटनचेरु मंडल के अंतर्गत मुथांगी निकास पर आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। पुलिस ने उसकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी थानों में शव की तस्वीरें भेज दी हैं और सीसीटीवी फुटेज की जाँच कर रही है ताकि उस वाहन का पता लगाया जा सके जिसने उसे टक्कर मारी थी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, HAV RASU KANNAN R, R/O: PUDUR, ORATHANADU, ORATH ANADU, THANJAVUR, TAMILNADU – 614625 have changed my son's name from SAI GANESH to SAI GANESH R vide Affidavit dt.10-09-2025.

I, No. 17005453N, CFN, B Ramulu, R/o, Mahabubnagar Dist, Telangana, changed my Daughter's name from B Mokshita to Buduru Mokshita vide Affidavit dt 09.09.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.17005453N, CFN, B Ramulu, R/o, Dist Mahabubnagar, Telangana, changed my Daughter's name from B Nipeksha to Buduru Nipeksha vide Affidavit dt 09.09.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं. eT-BR-WAT-12-2025, दिनांक : 04.09.2025

कार्य का नाम : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता/ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन पलासा-विजयनगरम मेन लाइन, लड्डा-विजयनगरम RV लाइन एवं नौपाड़ा-गुणुपुर NG लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/विजयनगरम के सेक्शन के अधीन ब्रिज कार्यों के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (स्टील कार्य) ठेका।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 92,27,782.00, EMD : ₹ 1,84,600/-

(2) सूचना सं. eT-BR-WAT-13-2025, दिनांक : 04.09.2025

कार्य का नाम : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता/ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरुकोंडा-विशाखापट्टनम-दुव्वाडा मेन लाइन एवं MYD यार्ड लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/वाल्टियर के सेक्शन के अधीन ब्रिज कार्यों के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (स्टील कार्य) ठेका।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 64,57,236.38, EMD : ₹ 1,29,200/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (सभी निविदाओं के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 26.09.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही वह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता (ब्रिज), वाल्टियर

PR-577/Q/25-26

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
संतोष नगर हैदराबाद - 500059

विज्ञापन सं.19/2025/केवीके

वाक् इन इण्टरव्यू द्वारा दि. 26/09/2025 के 10.00 बजे युवा पेशेवर I (5 पद) के पदो को अस्थाई तौर पर भरा जायेगा I अधिक जानकारी हेतु http//www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

सीएम योगी का सख्त आदेश

गरीबों की जमीन कब्जा करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

गोरखपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जामुक्त कराने के साथ दबंगों को कानूनी सबक सिखाया जाए। किसी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ विधि सम्मत कड़ा एक्शन लिया जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे।

मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बेटे की फोटो लेकर बिलख पड़ी मां प्रेमिका के भाइयों ने शरीर पर उड़ेल दिया था तेजाब

बलिया, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बलिया के बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव में तेजाब से झुलसे राजकुमार की बीती रात इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरे दिन मौत से आहत महिलाओं ने आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी वह मुआवजा की मांग की। तेजाब के हमले से झुलस राजकुमार, किसी तरह वहां से जान बचाकर भागा और अपने घर पहुंचा। घर पहुंचने पर राजकुमार की दर्दनाक हालत देखकर परिवार और पड़ोसी सदमे में आ गए। चिकित्सक ने हालत गंभीर देख वाराणसी रेफर कर दिया। इलाज के दौरान मौत हो गई। दादी की तहरीर पर पुलिस ने चार पर मुकदमा दर्ज किया था। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक राकेश उपाध्याय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस बल तैनात है।

रुई के बोरों का बढ़ गया था वजन एक-एक कर पुलिस ने खोला तो निकली 900 कार्टन शराब

गोपालगंज, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले में विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई की है। जिले में ये कार्रवाई शराब के अवैध कारोबार पर की गई है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में एक ट्रक से 900 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गई है। ये 900 कार्टन विदेशी शराब कुचायकोट थाना क्षेत्र के बल्थरी चेकपोस्ट पर बरामद की गई है। बरामद की गई विदेशी शराब की कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इस दौरान मुर्शिदाबाद निवासी एक तस्कर दाऊद नबी को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक शराब की ये भारी खेप उत्तर प्रदेश से बिहार के मुजफ्फरपुर भेजी जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि ड्राइवर ने बताया कि ट्रक में रुई लदी है। लेकिन ट्रक को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे कि उसमें कोई वजनदार सामान हो। इसी शक में ट्रक की तलाशी ली गई तो अंदर से शराब के कार्टन बरामद हुए।

'बहू तो लड़के जैसी दिखती है' सास ने मारा ताना, पति ने दिया तीन तलाक, समझौते के बदले की ये डिमांड

आगरा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक विवाहिता ने अपने पति और ससुरालियों पर दहेज के लिए टॉर्चर करने साथ ही उसके शारीरिक अंगों पर भद्दे कमेंट मारने का केस दर्ज करवाया है। विवाहिता ने आरोप लगाया- सास रोज-रोज कहती थी कि अपने घर से और दहेज लेकर आ। वो ये भी कहती थी कि मैं लड़की नहीं लगती। मेरा शरीर लड़कों जैसा है। पति ने फिर इसी बात पर मुझे तीन तलाक दे दिया। अब मुझे वापस रखने की ऐवज में स्कॉर्पियो कार की डिमांड कर रहे हैं। विवाहिता ने कहा- जब मैंने ससुरालियों से कहा कि मेरे पिता इतना पैसा कहां से लाएंगे तो उन्होंने गुस्से में बंधक बनाकर मुझे खूब पीटा। मेरे घर वालों को जब ये बात पता चली तो वो मुझे ससुरालियों के चंगुल से छुड़ाकर मायके ले आए।

प्रेमी जोड़े की हत्या में तीन लोगों को उम्रकैद की सजा

बदायूं, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले की एक स्थानीय अदालत ने इस साल की शुरुआत में एक प्रेमी जोड़े की हत्या के मामले में लड़की के माता-पिता और दादा को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) फराह मतलूब की अदालत ने महेश, उसकी पत्नी भगवती और पिता राम अवतार को नीतू (19) और उसके प्रेमी जयपाल (20) की हत्या का दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

गांव परौली निवासी महेश अपनी बेटी नीतू के जयपाल के साथ संबंधों से नाराज था। इसी साल दो जनवरी को महेश ने अपनी पत्नी और पिता के साथ मिलकर नीतू और जयपाल की हत्या कर दी।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना

1.13 करोड़ लाभार्थियों को मिली बढ़ी हुई राशि सीएम नीतीश कुमार ने किया डीबीटी ट्रांसफर

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संकल्प कक्ष से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि जारी किया। योजना के अंतर्गत राज्य के 1 करोड़ 13 लाख से अधिक लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे (डीबीटी) के माध्यम से 1263.95 करोड़ की राशि हस्तांतरित की गई।

बुधवार को किए गए ट्रांसफर के तहत सितंबर माह की पेंशन राशि लाभुकों के खाते में जमा की गई है। जून माह से ही राज्य सरकार ने पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 प्रतिमाह कर दी है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों

को निर्देश दिया कि कोई भी पात्र पेंशनधारी योजना से वंचित न रह जाए। यदि कोई योग्य व्यक्ति अब तक छूट गया है तो उसे शीघ्र लाभ दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री मदन सहनी समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार ने हाल ही में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि में वृद्धि की है। पहले यह राशि मात्र 400 प्रति माह थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 1100 कर दिया गया है। इस फैसले से बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों को सीधा लाभ मिलेगा।

'सौ में साठ हमारा, बाकी में बंटवारा'

यूपी से निकला बिहार चुनाव के लिए बीजेपी का नारा!

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार चुनाव के लिए बड़ा बयान दिया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणामों का जिक्र करते हुए एक ओर जहां उन्होंने इंडिया अलायंस पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने का अप्रत्यक्ष आरोप लगाया तो वहीं दूसरी ओर बिहार चुनाव का जिक्र किया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा- इंडी गठबंधन को धता बताकर राजग गठबंधन ने उपराष्ट्रपति का चुनाव 60 फीसदी से अधिक मतों से जीता है। दुर्भाग्य है कि इंडी गठबंधन ने इस चुनाव में उस नक्सलवाद को अपना मोहरा बनाया था, जिसे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने लगभग ठिकाने लगा दिया है।

उन्होंने लिखा कि अब बारी बिहार की। वहां विधानसभा चुनाव में एनडीए का नारा होगा- 'सौ में साठ हमारा, बाकी में बंटवारा।' जनता को मोदी जी की डबल इंजन की सरकार इसलिए भाती है क्योंकि वह सबके जीवन में 'रोशनी' लाती है। बता दें इस वर्ष अक्टूबर-नवंबर 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

ऐसे में भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर जनता दल यूनाइटेड के साथ अलायंस में सत्ता में वापसी की तैयारी कर रही है। हालांकि अभी तक जदयू, बीजेपी और उसके अन्य सहयोगियों में सीट शेयरिंग पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

'बाढ़ में डूबा राघोपुर और तेजस्वी मरीन ड्राइव पर बना रहे रील'

श्रेयसी ने तेज प्रताप पर भी साधा निशाना

जमुई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जमुई से बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा है। यह बयान तब आया जब तेजस्वी के बड़े भाई तेजप्रताप यादव ने राघोपुर में बाढ़ राहत सामग्री बांटते हुए तेजस्वी पर अपने विधानसभा क्षेत्र से दूर रहने का आरोप लगाया।

श्रेयसी सिंह ने तेजप्रताप यादव के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि यह सच है कि तेजस्वी का विधानसभा क्षेत्र राघोपुर बाढ़ में डूबा हुआ है, और वह मरीन ड्राइव पर रील बनाने में व्यस्त हैं। श्रेयसी ने कहा कि वह तेजप्रताप की इस बात से सहमत हैं कि तेजस्वी यादव को अपने क्षेत्र में रहना चाहिए और जनता की सेवा करनी चाहिए। हालांकि, श्रेयसी ने तेजप्रताप यादव पर भी कटाक्ष किया और कहा कि वह भी कई ऐसी हरकतें कर चुके हैं जो शोभा नहीं देतीं। उन्होंने दोनों भाइयों पर निशाना साधते हुए कहा, "इन दोनों भाइयों में तालमेल नहीं है और न ही इनमें कोई संस्कार है।"

जयंत चौधरी ने क्रिप्टो में किया है भारी निवेश

ऐसा करने वाले मोदी सरकार के पहले मंत्री

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और उनकी पत्नी चारु सिंह ने अपनी वार्षिक संपत्ति के खुलासे में क्रिप्टोकरेंसी में किए गए निवेश की जानकारी शेयर की है। ऐसा पहली बार हुआ है जब लगातार दूसरी बार किसी केंद्रीय मंत्री ने क्रिप्टो में निवेश की जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च तक जयंत चौधरी ने लगभग 21 लाख और उनकी पत्नी चारु ने लगभग 22 लाख रुपये क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किए हैं। केंद्रीय मंत्री और उनकी पत्नी ने क्रिप्टोकरेंसी में किए गए निवेश को अपनी व्यक्तिगत बचत बताई है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने किस तरह की क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय की वेबसाइट पर हर साल एक वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट जारी होती है, जिसमें केंद्रीय मंत्रिपरिषद की संपत्ति और देनदारियों का लेखा-जोखा होता है। इस वेबसाइट पर मिली जानकारी के अनुसार, पिछले साल जून 2024 में जयंत चौधरी और उनकी पत्नी ने क्रिप्टो निवेश की सूचना दी थी। उस समय जयंत ने 17.9 लाख रुपये और उनकी पत्नी ने 19 लाख रुपये निवेश की जानकारी दी थी, जो तब से 19% और 18% बढ़ चुके हैं। एक समाचार पत्र को बताते हुए चौधरी कहते हैं कि क्रिप्टो में मेरा निवेश पुराना है, जिसे बस आगे बढ़ाया गया है।

उन्होंने कहा कि जब मैंने इसमें निवेश किया था तो यह मेरी संपत्ति का केवल 2 से 3 प्रतिशत था और बहुत ही जोखिम भरा था। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने अपनी कुल चल और अचल संपत्ति के बारे में खुलासा किया। मार्च 2025 तक जयंत ने अपनी कुल अचल संपत्ति 33.23 करोड़ रुपये और चल संपत्ति 14.51 करोड़ रुपये बताई है, जबकि उनकी पत्नी चारू सिंह के पास 2.15 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और 9.54 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है।

बरेली की महिला और गृह मंत्रालय में काम करने वाले उसके पति के केस में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

बरेली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली की एक महिला और उसके पति का घरेलू विवाद अब सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंचा है। मजे की बात ये है कि इस विवाद पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से जवाब मांग लिया है। गृह मंत्रालय के एक कर्मचारी पर आरोप है कि उसने 2018 से अपनी ही पत्नी और बच्चे को बिना भरण-पोषण की राशि दिए गांव में छोड़ दिया है। इसको लेकर दाखिल महिला की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब देने को कहा।जस्टिस बी वी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये मामला सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के पास भेज दिया है। दरअसल बरेली की रहने वाली एक महिला ने सुप्रीम कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से याचिका दाखिल कर दावा किया है कि उसका पति मंत्रालय का कर्मचारी है और वह राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र में काम करता है।

उसने 2018 से ही उसे और उसके बच्चों को गांव में बिना भरण-पोषण दिए छोड़ रखा है। याचिकाकर्ता महिला ने कोर्ट को यह भी बताया कि उसने जनवरी में सुप्रीम कोर्ट विधिक सेवा समिति से संपर्क किया था लेकिन उन्होंने उसका मामला इसलिए नहीं लिया क्योंकि उसका भरण-पोषण का मामला राज्य परिवार न्यायालय में लंबित है। हालांकि उसने कोर्ट को यह भी बताया कि उसने जिले की बाल कल्याण समिति के समक्ष एक आवेदन दिया था क्योंकि उसके ससुराल वाले बच्चों को स्कूल नहीं जाने देते थे। अब ये देखना होगा कि यूपी का यह घरेलू विवाद आखिर किस न्यायिक अंजाम तक पहुंचता है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बड़ा कदम, 42 करोड़ की लागत से बनेगा 12 एमएलडी का नया एसटीपी

ग्रेटर नोएडा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। स्वच्छ जल और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने आईटी सिटी में 12 एमएलडी क्षमता वाले अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण को मंजूरी दे दी है। सीवर विभाग ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। लगभग 42 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह एसटीपी अगले 12 माह में तैयार कर लिया जाएगा।

प्राधिकरण का उद्देश्य है कि शहर से निकलने वाले सीवेज का शत-प्रतिशत शोधन कर उसे पुनः उपयोग योग्य बनाया जाए। इसके लिए नए एसटीपी में ट्रसरी ट्रीटमेंट तकनीक का

इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पानी और अधिक स्वच्छ होगा। यह कदम राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के उन निर्देशों के अनुरूप है, जिनमें शोधित पानी की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है। फिलहाल ग्रेटर नोएडा में चार एसटीपी संचालित हैं- बादलपुर (2 एमएलडी), कासना (137 एमएलडी), ईकोटेक-2 (15 एमएलडी) और ईकोटेक-3 (20 एमएलडी)। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-1 में 45 एमएलडी क्षमता वाला एक और एसटीपी निर्माणाधीन है। मौजूदा समय में शोधित पानी में फिकल की मात्रा लगभग 230 मिलीग्राम प्रति लीटर पाई जाती है, जिसे एनजीटी ने 100 से नीचे लाने का निर्देश दिया है।

इस नए एसटीपी से बीओडी, सीओडी और टीडीएस स्तर भी काफी हद तक कम होंगे, जिससे जल प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ प्रेरणा सिंह ने कहा कि एनजीटी के निर्देशों का पालन करते हुए प्राधिकरण शहर में जरूरत के अनुसार नए एसटीपी का निर्माण कर रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

एमपी पप्पू यादव-एनएचएआई अधिकारी का कथित ऑडियो वायरल

नौकरी की पैरवी को लेकर नोकझोंक, पूर्णिया सांसद बोले- 2 मिनट में लतखोरी खत्म कर दूंगा

पूर्णिया, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजद विधायक भाई वीरेंद्र और पंचायत सचिव संदीप कुमार की बीच हुई बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ था। इसके बाद अब पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और एनएचएआई के एक अधिकारी के बीच हुई कथित बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इस ऑडियो में दोनों के बीच एक एम्बुलेंस ड्राइवर की नौकरी को लेकर लंबी बहस होती है। बातचीत के दौरान सांसद का लहजा आक्रामक होता जाता है। जबकि अधिकारी लगातार संयम बनाए रखते हैं। पूरा मामला एम्बुलेंस ड्राइवर मनीष की नियुक्ति से जुड़ा है। ऑडियो की शुरुआत पप्पू यादव की टीम के फोन कॉल से होती है। टीम के सदस्य पहले अफसर से औपचारिक बातचीत करते हैं। फिर फोन सांसद को थमा देते हैं। पप्पू यादव सीधे मुद्दे पर आते हुए मनीष को नौकरी पर रखने की पैरवी करने लगते हैं। ऑडियो में सांसद बार-बार कहते हैं कि मनीष को नौकरी पर रख लिया जाए। अफसर जवाब देते हैं कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इस पर पप्पू यादव गुस्से में कहते हैं कि इतना ढीला मत रहिए, अभी फैसला लीजिए। सांसद अफसर पर आरोप लगाते हैं कि वे पैसे के लिए मामले को लटकाते रहते हैं।

ईडी की अनिल मिठास के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

घर खरीदारों और निवेशकों से जुड़ी 126 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट कारोबारी अनिल मिठास के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने एक अरब रुपये से अधिक की संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई है। ईडी लखनऊ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई नोएडा के सेक्टर 119 में स्थित परियोजना उन्नति द अरण्य के लिए घर खरीदारों, निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से एकत्रित धन के हेर-फेर से संबंधित है। इस मामले में यूएएफएचएल के प्रमोटर अनिल मिथास एचयूएफ से जुड़ी संपत्तियां कुर्क की गई हैं। मेसर्स उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड पर आरोप है कि नोएडा के सेक्टर-119 स्थित इस परियोजना में कंपनी और

उसके निदेशकों ने घर खरीदारों, निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए धन का दुरुपयोग किया। पैसे के हेरफेर और परियोजना अधूरी रहने से न केवल हजारों घर खरीदारों को नुकसान हुआ बल्कि वित्तीय संस्थानों को भी भारी क्षति उठानी पड़ी। अब तक इस प्रकरण में कुल 126 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। अनिल मिठास उन्नति फॉर्च्यून ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। यह ग्रुप नोएडा और एनसीआर में रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और आईटी सेक्टर में सक्रिय है। द अरण्य और द एलीट एड्रेस इसके प्रमुख प्रोजेक्ट्स हैं। साल 2018 में भी यूपी रेरा के आदेशों का पालन न करने पर अनिल मिठास को गिरफ्तार किया गया था। ग्रुप की सहयोगी कंपनियों, जैसे कि आईबीआर प्राइम आईटी सेज, पर भी वित्तीय संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यूपी में बिल्डर्स पर ईडी की कार्रवाई से हड़कम्प मचा हुआ है, सूत्रों के मुताबी नोएडा एनसीआर में कई और बिल्डर भी एजेंसियों के निशाने पर हैं। उधर अभी तक इस मामले में अनिल मिठास या उनकी कम्पनी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

हिंसा की आग में जल रहा नेपाल

बिहार के 6 जिलों के बॉर्डर सील, पर्यटकों की एंट्री बैन

पूर्वी चंपारण, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में युवाओं का आंदोलन अब उग्र हो गया है। इंटरनेट मीडिया पर पाबंदी के बाद भी आंदोलन समाप्त होता नहीं दिख रहा है। नेपाल में उग्र प्रदर्शनों के बीच बिहार हाई अलर्ट पर है। बिहार के छह जिले जो नेपाल से सटे हैं वहां पुलिस के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। नेपाल से सटे बिहार के छह जिलों पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल और किशनगंज की अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील कर दिया गया है। ये कदम बिहार पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर उठाया गया है। पर्यटकों की आवाजाही पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्थानीय लोगों की भी गहन जांच-पड़ताल की जा रही है, उसको बाद ही उनको आने-जाने की इजाजत मिल रही है। सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), अन्य सुरक्षा एजेंसियां और असूचना इकाइयां गृह मंत्रालय के निर्देश पर अलर्ट पर रखी गई हैं। पुलिस मुख्यालय ने सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को अलर्ट किया है। साथ ही उनको निर्देश दिया है कि वो पड़ोसी जिलों के साथ तालमेल बनाकर काम करें।

पुलिस और एसएसबी की सीमा चौकियों और गांवों के आसपास गश्त चल रही है। सीमा क्षेत्र के आसपास नेपाल में जो भी घटनाएं हो रही हैं, उन पर खुफिया इकाइयों की कड़ी नजर है। पुलिस और एसएसबी के जवानों को आदेश दिया गया है कि वो किसी भी अप्रिय हालात से निपटने के लिए सतर्क रहें। सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों से लगातार पुलिस मुख्यालय का कंट्रोल रूम रिपोर्ट ले रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कोई भारतीय नेपाल सीमा क्षेत्र में फंसा होगा तो उसको निकाला जाएगा। एडीजी (विधि-व्यवस्था) पंकज कुमार दराद ने बताया कि जब तक नेपाल में हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील कर दिया गया है। पर्यटकों के आने-जाने पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

एक घर में मिलीं 4 लाशें, 3 बेटियों का गला घोंटा

फिर खुद फांसी लगा दी जान; मां ने क्यों उठाया ये खौफनाक कदम?

बागपत, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां ने अपने तीन मासूम बेटियों की हत्या कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस बात की जानकारी होते पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से ही मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बागपत जिले के दोघट थाना क्षेत्र के टीकरी गांव में रात पारिवारिक कलह के चलते मां ने अपने तीन बच्चों की गला घोंटकर हत्या कर दी।

इसके बाद उसने खुद भी फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतका तेज कुमारी (29) बस चालक विकास की पत्नी थी। उसने अपनी सात साल की बेटी गुंजन, दो साल की किट्टू और पांच माह की बेटी मीरा की चुनरी से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद भी फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और मानसिक तनाव ने भयावह रूप ले लिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह, मानसिक दबाव और आर्थिक संकट को घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है।

फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि पूरे मामले की तह तक पहुंचा जा सके। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहा था। इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने कहा कि पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दलित महिला से छेड़छाड़ में आप विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा दोषी करार

तरनतारन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन की अदालत ने 2013 के छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में आम आदमी पार्टी विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा को दोषी करार दिया है। ये मामला एक विवाह समारोह में एक महिला के साथ हुई छेड़छाड़ से जुड़ा है। अदालत ने विधायक को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। विवाह समारोह में भाग लेने आई अनुसूचित जाति से संबंधित परिवार की लड़की के साथ छेड़छाड़ व मारपीट के 2013 के मामले पर एडिशनल सेशन जज तरनतारन प्रेम कुमार की अदालत द्वारा मुख्य आरोपी के तौर पर खडूर साहिब के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा समेत अन्य को दोषी करार दे दिया है।

सजा का ऐलान 12 सितंबर को होगा। साल 2013 में जब महिला से छेड़छाड़ हुई थी, तो यह मामला देश की संसद तक में सुनाई दिया था। मामला 4 मार्च 2013 का है, जब दलित महिला अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में पहुंची थी। यहां कुछ टैक्सी ड्राइवरों ने उनसे छेड़छाड़ की थी। जब परिवार ने विरोध किया, तो इन्हें बुरी तरह पीटा गया था। इसके बाद पुलिस से भी परिवार को इंसाफ नहीं मिला। इस घटना का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें पुलिस पीड़ित परिवार को बीच सड़क पर पीटते हुए नजर आ रही है। इस वायरल वीडियो पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए, पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने का निर्देश दिया था।

इसके बाद मामले ने तब मोड़ ले लिया, जब छेड़छाड़ करने वाले टैक्सी ड्राइवरों में से एक मनजिंदर सिंह लालपुरा आम आदमी पार्टी की टिकट से जीत विधायक बन गए। पिछले 12 साल से ये मामला चल रहा है आखिरकार अब जाकर कोर्ट ने मनजिंदर सिंह लालपुरा और उनके साथियों को दोषी करार दिया है।

कैब ड्राइवर की घिनौनी हरकत, छात्रा के सामने किया अश्लील काम, महिला सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। एक बार फिर दिल्ली में एक शर्मनाक घटना घटी है, जिससे महिला सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े होते हैं। दिल्ली पुलिस ने एक कैब ड्राइवर को छात्रा के सामने हस्तमैथुन करने के आरोप में हिरासत में ले लिया है। कैब ड्राइवर की पहचान लोम शंकर के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने नई दिल्ली के मॉरिस नगर क्षेत्र में एक छात्रा यात्री की मौजूदगी में गाड़ी चलाते समय हस्तमैथुन किया। पीड़िता के मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, छात्रा की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गई और कार को जब्त कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने कहा, 'लोम शंकर नाम का एक कैब ड्राइवर छात्रा यात्री की मौजूदगी में गाड़ी चलाते समय कथित तौर पर हस्तमैथुन करने के लिए गिरफ्तार किया गया है।

कौन हैं पंजाब पुलिस के जांबाज डीएसपी बिक्रमजीत सिंह बराड़

जिन्हें गैंगस्टरों ने दी जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स के अधिकारी और डेराबस्सी के डीएसपी बिक्रमजीत सिंह बराड़ को एक बार फिर गैंगस्टरों ने जान से मारने की धमकी दी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर खुद को विदेश में बैठे कुख्यात मन घनश्यामपुरिया गैंग का सदस्य बताने वाले युवकों ने यह धमकी दी है। वीडियो में आरोप लगाया गया है कि डीएसपी बराड़ फर्जी एनकाउंटर करते हैं। गैंग के सदस्यों ने कहा कि वे 2018 में हुए कुख्यात गैंगस्टर विक्की गौंडर और उसके साथियों के एनकाउंटर का बदला लेंगे।

धमकी देने वालों का दावा है कि मन घनश्यामपुरिया जल्द ही पंजाब लौटेगा और हिसाब चुकता करेगा। डीएसपी बराड़ पंजाब पुलिस का एक जाना माना नाम है।

उन्होंने अपने करियर में कई हाई-प्रोफाइल एनकाउंटर किए हैं। इनमें सबसे चर्चित एनकाउंटर विकी गोंडर का था, जो 2016 के नाभा जेलब्रेक मामले में फरार हुआ था। बराड़ की कड़ी कार्रवाई और ऑपरेशनों की वजह से संगठित अपराध से जुड़े नेटवर्क लगातार उन पर गुस्सा निकालते रहे हैं। डीएसपी बराड़ को उनकी बहादुरी के लिए पांच बार राष्ट्रपति वीरता पदक मिल चुका है। इसके बावजूद वे लगातार गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। पुलिस का मानना है कि यह धमकी गैंगस्टर नेटवर्क की बौखलाहट को दर्शाती है क्योंकि पुलिस की लगातार कार्रवाई से उनका नेटवर्क कमजोर हो रहा है।

महिला की संदिग्ध मौत, पिता ने दामाद पर लगाया हत्या का आरोप

मऊगंज, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मऊगंज जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बीहड़ा गांव में मंगलवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका सीता बाई साकेत (32) के परिजनों ने उसके पति और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार, सीता बाई का विवाह वर्ष 2010 में बीहड़ा गांव निवासी साकेत परिवार में हुआ था। सोमवार दोपहर करीब 4 बजे सीता ने अपने पिता राजमनोहर साकेत को फोन कर बताया कि पति और परिजन उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। बातचीत के दौरान अचानक कॉल कट गया और बाद में उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। करीब दो घंटे बाद शाम 6 बजे गांव के ही एक व्यक्ति ने फोन कर सीता की मौत की सूचना दी।

घटना की खबर मिलते ही मायके पक्ष में कोहराम मच गया। पिता राजमनोहर साकेत का कहना है कि शादी के बाद से ही बेटी के साथ उसका पति और ससुराल पक्ष दुर्व्यवहार कर रहे थे। अब उन्होंने बेटी की जान ले ली। उसके शव पर कई जगह चोटों के निशान दिखाई दे रहे हैं, जिससे यह मामला हत्या का प्रतीत होता है। राजमनोहर ने दामाद और अन्य परिजनों पर जान से मारने का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है।

महिला सरपंच 15 साल से कर रही थी चोरियां

अब बस में वारदात को दिया अंजाम

तिरुपत्तूर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुपत्तूर जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक गांव की सरपंच को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद से हर कोई हैरान है। लोगों का कहना है कि जिस सरपंच को बेहद जिम्मेदार होना चाहिए वो इस तरह का अपराध में कैसे शामिल हो सकता है। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब बस में यात्रा के दौरान एक महिला के द्वारा रखे आभूषण उसकी बैंग से गायब हो गए। मामला पुलिस तक पहुंचा। जब सीसीटीवी फुटेज देखी गई, तो सरपंच का हाथ देखकर दंग रह गया। जब इसको लेकर जब उससे पूछताछ की गई, तो उसने कहा कि अगर आप चोरी करेंगे तो आपको भी मजा आएगा। मामला में तमिलनाडु के नारियमबट्टू की रहने वाली वरलक्ष्मी (50) नाम की महिला कांचीपुरम में एक शादी में शामिल होने गई थी। जब वह बस से अपने गृहनगर कोयम्बेडु लौट रही थीं, तभी उनकी 5 तोले की सोने की चेन चोरी हो गई। उन्होंने अपने हैंडबैग में सोने की चेन, अंगूठी और गिलास जैसे 5 सोने के गहने रखे थे।

हालांकि, जब वह कोयम्बेडु में उतरी और अपना बैग चेक किया, तो वे गायब थे। पीड़िता ने कोयम्बेडु पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। मामले में पुलिस ने पुलिस ने कई लोगों से पूछताछ की। जिस स्टैंड से महिला बैठी थी वहां तस्वीर दिखाकर पूछताछ की। मुखबिरों को भी इस काम में लगाया गया। मामले में जांच पड़ताल के बाद आखिरकार उस महिला की पहचान हो गयी। संदिग्ध की पहचान तिरुपत्तूर जिले की नारियमबट्टू पंचायत की अध्यक्ष भारती के रूप में हुई।

कैचमेंट में बारिश से खुले तवा डैम के 3 गेट

भोपाल, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ का सिस्टम कमजोर हो गया है। इस वजह से कुछ ही जिलों में बारिश का दौर है, बाकी जिलों में धूप निकल रही है। ऐसा मौसम 15 सितंबर तक रहेगा। इसके बाद स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से पूरे प्रदेश के भीगने का अनुमान है। भोपाल में सुबह से धूप खिली है। डिंडौरी में सुबह साढ़े दस बजे मूसलाधार बारिश हुई। नर्मदापुरम के पिपरिया और आसपास के इलाके में रुक-रुककर पानी गिर रहा है।

मौसम विभाग ने बुधवार को मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि मानसून ट्रफ प्रदेश के ऊपर से गुजर रही है।

वहीं, अन्य सिस्टम प्रदेश से काफी दूर हैं। इस वजह से कुछ जिलों में बारिश का दौर बना हुआ है। इटारसी में कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण तवा डैम का जलस्तर 1165.80 फीट तक पहुंच गया है। इसके मद्देनजर बुधवार सुबह 7:30 बजे से बांध के तीन गेट 5-5 फीट खोले गए हैं। इनसे 26,034 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

नेता को पुलिस हिरासत से 'छुड़ा ले गए' भाजपाई

महिलाओं को पिस्टल से धमकाने का वीडियो देख पकड़ा था, बोले- पिस्टल नकली थी

इंदौर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर में पुलिस जब भाजपा नेता को थाने ले गई तो 50 से ज्यादा लोग भी पहुंच गए। इनमें पार्षद राकेश जैन भी शामिल थे। वे पुलिस पर भाजपा नेता को छोड़ने का दबाव बनाकर छुड़ा ले आए। घटना द्वारकापुरी में 5 सितंबर की है। भाजपा पार्षद राकेश जैन के समर्थक सूरज शर्मा का एक वीडियो सामने आने पर पुलिस उसे 10 सितंबर मंगलवार देर रात थाने ले गई थी। सूरज ने पड़ोस में रहने वाली महिलाओं को पिस्टल दिखाकर धमकाया था। पूछताछ में उसने दावा किया कि वह असली पिस्टल नहीं, बल्कि लाइटर था। थाने में पूछताछ चल ही रही थी कि बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पार्षद राकेश जैन के साथ पहुंच गए।

वे टीआई सुशील पटेल पर सूरज को छोड़ने का दबाव बनाने लगे। इस बीच विधायक मालिनी गौड़ के हस्तक्षेप के बाद बिना किसी कानूनी कार्रवाई के सूरज को रात करीब 1 बजे छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, पार्षद राकेश जैन के वार्ड 85 में गोपाल पाल ने एक पोस्टर लगाया था। इस पोस्टर में वार्ड 82 के पार्षद शानू शर्मा का फोटो था। पोस्टर सूरज शर्मा के घर के पास लगा था, जिस पर खुद का फोटो नहीं होने पर उसने विवाद किया। सूरज ने धमकी दी और अगले दिन पार्षद शानू शर्मा की तस्वीर वाला बैनर हटवाकर दूसरा बैनर लगवा दिया। इसके बाद गोपाल के पिता से सूरज की कहासुनी हो गई।

सूरज पिस्टल लेकर मौके पर पहुंच गया। मामला बाद में क्षेत्रीय विधायक तक पहुंचा। करीब दो घंटे थाने में बैठने के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं के दबाव में एफआईआर दर्ज नहीं की गई। पीड़ित हरिबाई ने बताया, 5 सितंबर को घर पर गोपाल के पिता थे। बेटे बाहर गए थे। मैंने डर के मारे उन्हें घर के अंदर कर लिया। सूरज ने मेरे साथ झूमाझटकी की। अपशब्द कहे। बंदूक दिखाकर कहा कि पति को बाहर भेजो। इस बीच उसने मेरे कपड़े भी खींचे। हम शिकायत करने थाने पहुंचे थे, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई।

लावणी डांसर के चक्कर में गई युवक की जान

सिर में गोली लगी, लाश कार में मिली

सोलापुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर-बार्शी तहसील के सासुरे गांव में सोमवार की रात एक दर्दनाक घटना में 38 वर्षीय गोविंद जगन्नाथ बर्गे नामक एक युवक की गोलीबारी में मौत हो गई है। गोविंद कार में मृत अवस्था में मिला था, और उसके सिर में गोली लगी हुई थी तथा कार में एक पिस्तौल भी मिली। पुलिस ने शुरुआत में इसे आत्महत्या बताया, लेकिन उन्हें कुछ संदेहास्पद बातें मिलने के कारण हत्या या आत्महत्या इस मुद्देपर जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोविंद बर्गे मूल रूप से बीड-गेवराई के दैठण का रहने वाला था और प्लॉटिंग का व्यवसाय करता था। उसे पारगाव कला केंद्र की लावणी डांसर पूजा गायकवाड से प्यार हुआ। आपको बता दें कि लावणी महाराष्ट्र की फोक आर्ट है, जो नेता, कार्यकर्ता और रईस लोगों का शौक है।

नेपाल में फंसा परिवार, खुद कोलकाता में

क्यों छटपटा रहीं सोनागाछी की 200 से ज्यादा सेक्स वर्कर्स

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में फैली अशांति की लहरें लगभग 800 किलोमीटर दक्षिण में स्थित एशिया के सबसे बड़े रेड-लाइट जिले कोलकाता के सोनागाछी तक पहुंच गई हैं। यहां पर नेपाली मूल की यौनकर्मी अपने देश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण अपने परिवारों से संपर्क नहीं कर पा रही हैं। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को छात्रों के नेतृत्व में हुए उग्र विद्रोह के दबाव में अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिसने नेपाल को राजनीतिक रूप से आग में झोंक दिया है। प्रदर्शनकारियों ने वरिष्ठ नेताओं के घरों में आग लगा दी, पार्टी कार्यालयों पर धावा बोल दिया, संसद में तोड़फोड़ की और सत्तारूढ़ दलों को हिलाकर रख दिया। इसकी शुरुआत ओली सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर लगाए गए विवादास्पद प्रतिबंध से हुई, जिसने बड़े पैमाने पर जनाक्रोश को जन्म दिया। एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस गोलीबारी में 19 लोगों की जान चली गई थी, जिससे सड़कों पर गुस्सा और भड़क गया था। इस घटनाक्रम का कोलकाता में खासकर सोनागाछी में प्रभाव पड़ा है, जहां नेपाली महिलाओं का एक वर्ग अब भी देह व्यापार से जुड़ा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में उनकी संख्या में कमी आई है।

कालीघाट से लेकर हावड़ा और हुगली के छोटे वेश्यालयों तक, कभी सेक्स वर्कर्स में नेपाली लोगों की बड़ी संख्या थी और सोनागाछी में अब भी उनमें से कई मौजूद हैं। इस परिस्थिति में अब वे खुद को अनिश्चितता में फंसा हुआ पाती हैं, जो अपने परिवारों से संपर्क करने या घर पैसे भेजने में असमर्थ हैं। नेपाल के हवाई अड्डे बंद हैं, अंतरराष्ट्रीय सीमाएं सील हैं और संचार नेटवर्क पूरी तरह से ठप हो गया है।

चोर ने पुलिस से बचने के लिए तालाब में लगाई छलांग, घंटों तक चला नाटक

पुरी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में एक अनोखी घटना सामने आई है। शहर के अठर-नला इलाके में एक चोर ने पुलिस से बचने के लिए सड़क किनारे मौजूद एक पुराने तालाब में छलांग लगा दी। यह पूरी घटना स्थानीय लोगों के बीच कौतूहल का विषय बन गई है। पुरी के अठर-नला इलाके में एक व्यक्ति सड़क से गुजर रहा था, तभी कथित तौर पर एक युवक ने उसके पास से जबरन पैसे छीन लिए और वहां से भाग निकला। पीड़ित ने तत्काल सदर थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आस-पास छानबीन शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस की नजर पास ही छिपे उस चोर पर पड़ी, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस ने दौड़ लगाई। पुलिस को करीब आते देख चोर घबरा गया और भागते-भागते चंडी मंदिर के पास स्थित एक पुराने तालाब में छलांग लगा दी।

तालाब में चोर को देखकर मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। कुछ लोगों ने यह दृश्य अपने मोबाइल में रिकॉर्ड भी किया। पुलिसकर्मियों ने चोर को बाहर निकालने के लिए काफी देर तक समझाया-बुझाया। आखिरकार काफी मान-मनौव्वल के बाद चोर तालाब से बाहर आया और पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान खंडियाबंध इलाके के निवासी के रूप में हुई है।

8 से 10 हजार वेतन पाने वाले कुक को आयकर विभाग ने भेजा 46 करोड़ का नोटिस

ग्वालियर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। यहां एक साधारण कुक हेल्पर को आयकर विभाग ने 46 करोड़ रुपए का नोटिस थमा दिया। नोटिस मिलने के बाद कुक की हालत खराब है। उसका कहना है कि उसकी सैलरी तो सिर्फ 8 से 10 हजार रुपए है, लेकिन उसके नाम पर पीएफ अकाउंट खुलवाकर फर्जीवाड़ा किया गया है। फरियाद कहीं नहीं सुनी गई, तो अब पीड़ित ने ग्वालियर हाईकोर्ट की शरण ली है। भिंड का रहने वाला रविंद्र सिंह चौहान, पुणे के एक होटल में कुक हेल्पर का काम करता है।

हाल ही में उसे आयकर विभाग से नोटिस मिला कि उसके अकाउंट से 46 करोड़ का ट्रांजेक्शन हुआ है। साधारण पढ़ाई करने वाले रविंद्र और उसका परिवार, नोटिस देखकर घबरा गया। उसकी सालाना आमदनी तो तीन लाख भी नहीं है। रविंद्र ने जांच की तो सामने आया कि सात साल पहले टोल कंपनी में नौकरी के दौरान, उसके दस्तावेज पीएफ खाते के नाम पर लिए गए और दिल्ली में उसके नाम से फर्जी खाता खुलवाया गया। इसी खाते से करोड़ों का खेल चला। पीड़ित के वकील प्रद्युम्न भदौरिया का कहना है कि 2017 में ही यह फर्जीवाड़ा शुरू हो गया था। अब मामला हाईकोर्ट में ले जाया गया है, ताकि बेगुनाह कुक को राहत मिल सके। पड़ताल में साफ हुआ कि रविंद्र के नाम पर दो खाते खुले हैं। एक भिंड में और दूसरा दिल्ली में।

दिल्ली वाले खाते से शौर्या ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर 46 करोड़ का लेनदेन हुआ है, जबकि रविंद्र की आय मुश्किल से हजारों में है। बता दें, एक अन्य मामले में इंदौर की एक प्राइवेट कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और एक अन्य व्यक्ति को सीबीआई ने 183 करोड़ रुपए के फर्जी बैंक गारंटी घोटाले में गिरफ्तार किया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर संजय राउत का बड़ा दावा 14 वोट अवैध क्यों किए गए

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत को सीपी राधाकृष्णन के रूप में 15वें उपराष्ट्रपति मिल गए हैं। एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी दल इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग के जरिए इंडिया गठबंधन के साथ गद्दारी किसने की, यह चर्चा का विषय बन गया है। अब इसपर उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत का बयान आया है।

क्रॉस वोटिंग की बात पर संजय राउत का दावा

जब संजय राउत से सवाल किया गया कि विपक्ष के कुछ नेताओंने क्रॉस वोटिंग की है या नहीं? तो उन्होंने जवाब में कहा, देखिए क्रॉस वोटिंग की बात कौन कर रहा है। यह एनडीए के कुछ लोग कर रहे हैं। पूरा विपक्ष मिलाकर हमारे जो वोट थे वो 300 थे। हमें हमारे सारे वोट मिले हैं। जितने वोट थे वह आंकड़ा हमारे पास आ गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए संजय राउत ने कहा, यह आंकड़ा 314-315 का था। 300 वोट सुदर्शन रेड्डी को मिले और बाकी 14-15 वोट अवैध बताए गए। उन सभी मतों पर सुदर्शन रेड्डी को ही वोट दिया गया। फिर भी कुछ कारण से उन मतों को अवैध ठहरा दिया गया। इसकी वजह मुझे नहीं पता है।

अकाली दल पर संजय राउत का निशाना

वहीं, संजय राउत ने चुनाव से वॉकआउट करने वाले अकाली दल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, यह वही हैं जो हर बार संसद में बीजेपी के साथ खड़े रहते हैं, लेकिन इन्होंने आपको वोट नहीं दिया। अकाली दल और केसीआर की पार्टी ने वोट नहीं दिया। ये लोग तो हर चर्चा में, हर बिल पर आपके साथ खड़े रहते हैं, लेकिन इस दूर रहे यह भी बड़ी बात है।

सुदर्शन रेड्डी को वोट करने की अपील की थी

उप राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले संजय राउत ने विपक्ष के सभी सहयोगी दलों के सांसदों से अपील की थी कि अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर सुदर्शन रेड्डी को ही वोट दें। उन्होंने कहा था बीजेपी के पास बहुमत नहीं है। राष्ट्रपति पद संवैधानिक पद है। यह मतदान राष्ट्र के हित के लिए और संविधान बचाने के लिए होना चाहिए। देश की आत्मा और हमारी अंतरात्मा की आवाज सुनकर ही सांसदों को मतदान करना चाहिए।

सपा नेता आजम खान को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, डुंगरपुर केस में जमानत मंजूर

प्रयागराज, 10 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली। चर्चित डुंगरपुर केस में एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान 10 साल की सजा सुनाई थी। सपा नेता ने इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की थी। अपील लंबित रहने तक जमानत की गुहार कोर्ट से लाई थी। 12 अगस्त को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को कोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने की। जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की याचिका पर फैसला सुनाते बुधवार को उनकी जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद 12 अगस्त को फैसला सुरक्षित कर लिया था। रामपुर के चर्चित डूंगरपुर केस से जुड़े एक मामले में आजम खान ने रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट से मिली दस साल की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की है। इस मामले में ठेकेदार बरकत अली ने भी सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की है। दोनों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील के लंबित रहने तक जमानत देने की कोर्ट से मांग की थी। इस मामले में ठेकेदार बरकत अली की जमानत अर्जी भी हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली है। दोनों की क्रिमिनल अपील पर एक साथ हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। 30 मई 2024 को रामपुर एमपी- एमएलए कोर्ट ने आजम खान को दस साल की सजा सुनाई थी। एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा को आज़म खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वहीं इस मामले में बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई गई थी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 11 सितंबर- 2025

मोदी की मणिपुर यात्रा से शांति बहाली की आशा जगी

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को मणिपुर की यात्रा कर सकते हैं। भले ही अभी उनकी यात्रा की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों ने जानकारी दी है कि यात्रा से लेकर सभी तैयारियां की गई हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने संकेत दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी कुछ घंटों के लिए दौरे पर आ सकते हैं। मई 2023 में मैतेई और कुकी जनजाति के बीच हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का मणिपुर का यह पहला दौरा होगा।ऐसे में इंफाल और चुराचांदपुर में हलचल तेज हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री मिजोरम में नई बैराबी-सैरांग रेलवे का उद्घाटन करने के बाद चॉपर से मणिपुर के चुराचांदपुर जिले आएंगे। चुराचांदपुर पीस ग्राउंड में उनके भाषण देने के बाद उम्मीद है कि वह आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के साथ कुछ देर बातचीत करेंगे।यदि प्रधान मंत्री यात्रा करते हैं, तो मई 2023 में जातीय हिंसा फैलने के बाद पहली बार राज्य में आएंगे। इस यात्रा से उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी यहां कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 13 सितंबर के दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है। भाजपा के एक विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे, जहां वे जातीय हिंसा में विस्थापित हुए लोगों से मिलेंगे। इसके बाद वे इंफाल के ऐतिहासिक कांगला किले में लगभग 15,000 लोगों की एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मणिपुर पुलिस मुख्यालय और सिविल सचिवालय जैसे अहम ढांचागत परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर सकते हैं।

बता दें कि विपक्ष अक्सर प्रधानमंत्री मोदी पर मणिपुर न जाने को लेकर सवाल उठाता रहा है। देश में विपक्षी दलों की समस्या यही है कि वे कहीं भी कुछ अच्छा नहीं देखना चाहते हैं। इसके मुताबिक मणिपुर में अशांति तब हुई जब देश में काफी शांति थी और विपक्षी दल, खासकर राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साध रहे थे। उन्होंने चुनाव के बाद भी मणिपुर का दौरा नहीं किया और इसी वजह से मोदी ने पूर्वोत्तर का अपमान किया है। विपक्ष का ऐसा लहजा था। लेकिन मोदी ने अब 13 तारीख को मणिपुर जाने का फैसला किया है और उनका शेड्यूल तय हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि इससे विपक्ष के पेट दर्द पर रोक लगेगी। यह सच है कि पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर 2023 से कुकी और मैतेई जाति की हिंसा से कहर बरपा रहा है और वहां की सरकार को इस्तीफा देना पड़ा जिसके कारण मुख्यमंत्री एन। बीरेंद्र सिंह को इस्तीफा देना पड़ा, तब से राज्य में केंद्रीय शासन है, लेकिन कोई नहीं जानता था कि मैतेई और कुकी विद्रोहियों के बीच संघर्ष को कैसे नियंत्रित किया जाए। मणिपुर संघर्ष के कारण बहुस्तरीय हैं, जिसमें मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के लिए मणिपुर उच्च न्यायालय की सिफारिश भी शामिल है। इससे कुकी समुदाय में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई, जो अपेक्षाकृत अल्पसंख्यक है। इस संघर्ष के कारण मैतेई और कुकी जो समुदायों के बीच भूमि विवाद पैदा हुआ और इसके परिणामस्वरूप तबाही मच गई। नतीजतन, मणिपुर, जो पूर्वोत्तर में इतने लंबे समय तक शांतिपूर्ण था, संसाधनों पर ऐतिहासिक विवादों, नशीली दवाओं के विवाद और राजनीति के कारण चरम संघर्ष की स्थिति में उलझ हुआ था, जिसे संघर्ष की जड़ माना जाता है। कुकी जो समुदाय के अल्पसंख्यक कुकी जो समुदाय के भेदभाव का आबादी में अपने अधिकार और स्थान खोने का डर था। संसाधनों को लेकर विवाद और आवंटन को लेकर टकराव ने दोनों जनजातियों के बीच एक विवाद को जन्म दिया और अब पीछे हटने की स्थिति में नहीं है।यह एक सर्वविदित तथ्य है कि इस संघर्ष में बड़े राजनेताओं और कॉरपोरेट्स के हित शामिल हैं, मणिपुर में जातीय संघर्ष पुराना है और इसकी पृष्ठभूमि विभिन्न समुदायों के बीच भूमि अधिकारों की लड़ाई है। यह कि प्रधानमंत्री केवल तीन घंटे के लिए राज्य का दौरा करेंगे, जल्दबाजी में किया गया दौरा है और मणिपुर के लोगों ने लंबे समय तक इंतजार किया है, लेकिन विपक्ष सिर्फ आलोचना के लिए आलोचना कर रहे थे। मूल रूप से, प्रधानमंत्री की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब जातीय मुद्दे, मैतेई और कुकी जो जनजातियों के बीच वास्तविक अलगाव को हल करने का समय आ गया है। विद्रोही समूह और सेना की गतिविधियों को बिना किसी बाधा के रोकने के लिए जो त्रिपक्षीय समझौता हुआ था, वह अनिवार्य था, लेकिन पहल पहले दिन ही ध्वस्त हो गई। संघर्ष छिड़ गया। जब संघर्ष शुरू हुआ, तो सरकार ने भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के अपने फैसले की घोषणा की और नागा परिषद ने इसके खिलाफ व्यापार प्रतिबंध की घोषणा की। यह त्रिपक्षीय समझौता राजनीतिक संवाद का आधार बने रहे और मणिपुर को मिलिशिया संचालित राजनीतिकरण से मुक्त करे। और राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 02 जिसे सेनापति जिले में नागा जनजातियों का वर्चस्व है, को फिर से खोला जाना चाहिए। भारत में अन्य राज्य हैं और मणिपुर भी भारत में है। इसलिए हमें इस अवस्था से दूर नहीं जाना चाहिए। कांग्रेस चाहे जो भी कहो, मोदी का मणिपुर दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब लंबे समय से लंबित इस मुद्दे के सुलझने की संभावना है।

अब राष्ट्रीय राजमार्ग को फिर से खोलने के कुकियों के फैसले के साथ-साथ दोनों जनजातियों के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू होने की संभावना ने लंबे समय से लंबित जातीय संघर्ष के मुद्दे के समाधान का मार्ग प्रशस्त किया है। यह मोदी की मणिपुर यात्रा का ध्येय है। मोदी के दौरे के मौके पर एसओओ और केंद्र सरकार और कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट के बीच समझौता होने की संभावना है। इसलिए, माना जा रहा है कि मोदी के दौरे से प्रदेश कई महीनों से चल रही हिंसा से मुक्त होगा और राज्य में शांति बहाल होगी। मणिपुर में पिछले दो साल से चल रही अशांति और हिंसा अब खत्म हो जाएगी। उम्मीद है कि मोदी की यात्रा फलदायी होगी। बीच की अवधि में राज्य और केंद्र ने कई प्रयास किए, लेकिन शुरू हुई हिंसा को कोई नहीं रोक सका। सरकार ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ चर्चा की लेकिन कुछ भी नहीं निकला। अब ऐसा लग रहा है कि ऐसा ही होगा।

गौरतलब है कि मैतेई और कुकी लोगों के बीच शुरू हुए संघर्ष में 250 से ज्यादा लोग मारे गए और 57,000 से ज़्यादा लोग विस्थापित हुए। इस साल 13 फ़रवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है और अपेक्षाकृत सामान्य स्थिति बनी हुई है।

राज्य में प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हैं। कई लोग इसे "बहुत देर से" आने वाला बता रहे हैं, लेकिन कुकी ज़ो काउंसिल के प्रवक्ता गिंजा वुअलज़ोंग ने उम्मीद जताई कि मोदी समुदाय के प्रतिनिधियों और नेताओं से मिलेंगे। मणिपुर की भाजपा सरकार के दौरान हिंसा हुई थी उसे मैतेई समर्थक के तौर पर देखा जाता रहा है।वुअलज़ोंग ने कहा कि अगर वह हमारी मुश्किलें समझने और हमारे मुद्दों का समाधान करने के लिए मणिपुर आ रहे हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा। हम उम्मीद करते हैं कि वह हमारे नेताओं के साथ बैठकर हमारी स्थिति और मांगों को समझेंगे। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि वह राहत शिविरों का दौरा करेंगे और देखेंगे कि हमारे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) को कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।इम्फाल स्थित कोकोमी के सलाहकार जीतेन्द्र निंगोम्बा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मोदी की यात्रा समाधान या शांति की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम लाएगी। हाल के महीनों में, एनडीए विधायकों के बीच मणिपुर में राष्ट्रपति शासन समाप्त करने और एक लोकप्रिय सरकार की बहाली की मांग बढ़ती जा रही है। इसकी मांग करने वाले नेताओं में पूर्व भाजपा मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनके करीबी विधायक, साथ ही मैतेई नेता के कट्टर विरोधी भी शामिल हैं जो राज्य में संकट के लिए उन्हें ज़िम्मेदार मानते हैं।

रक्षा निर्यात में भारत बुलंदी पर

रक्षा निर्यात के क्षेत्र में दुनिया भर में भारत का डंका बजने जा रहा है। दुनिया के सैकड़ों देश भारत से सैन्य हथियार और उपकरण खरीदने के लिए कतार में खड़े हैं। आश्चर्य तो यह है कि इस लाइन में अमेरिका,रूस और फ्रांस जैसे देश भी शामिल हैं। फाइटर एयरक्राफ्ट के कल-पुर्जों से लेकर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का भी सप्लायर भारत बन चुका है। बाते एक दशक में रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत ने कायपलट दी है। यही वजह है कि आज की तारीख में 100 से ज्यादा देश भारत के क्लाइंट बन चुके हैं, जो छोटे-मोटे रक्षा उत्पादों से लेकर बड़ी-बड़ी मिसाइलें भारत से आयात कर रहे हैं। भारत के क्लाइंट में अमेरिका,फ्रांस और रूस जैसे वैश्विक ताकतवर देश शामिल हैं, तो इटली जैसे कई समृद्ध यूरोपीय देश भी अपने यहां के रक्षा उत्पादों को खरीदने में दिलचस्पी ले रहे हैं। देखा जाए तो रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत को यह बुलंदियां इस क्षेत्र की सार्वजनिक और निजी कंपनियों की जुगलबंदी से मिली है। भारत में बने कुछ रक्षा उपकरण और हथियार दुनिया के देशों की सेनाओं के बीच काफी पसंदीदा बनते जा रहे हैं। भारत जिन देशों को रक्षा उपकरण और हथियारों की सप्लाई कर रहा है, उनमें अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया सबसे आगे हैं। भारत से अमेरिका जिन रक्षा उत्पादों की खरीद करता है, उनमें विमानों और हेलीकॉप्टरों की बॉडी विंग्स और अन्य हिस्से शामिल हैं। इन चीजों की खरीदारी दुनिया की हथियार बनाने वाली बड़ी कंपनी लॉकहीड मार्टिन और बोइंग करती हैं। फ्रांस, भारत से जो रक्षा उत्पादों का सामान मंगवाता है, उनमें वहां के डिफेंस सेक्टर के लिए कई तरह के सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रोनिक उपकरण शामिल हैं। माना जा रहा है कि ये उपकरण अत्याधुनिक फाइटर जेट और अन्य रक्षा उत्पादों में इस्तेमाल किए जाते हैं। भारत में बनने वाले रक्षा उत्पादों की बढ़ती डिमांड की वजह से ही सिर्फ 9 वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात 15 गुना तक बढ़ चुका है। वित्त वर्ष 24-25 में यह 23,622 करोड़ रुपये हो चुका है। सरकार का लक्ष्य है कि रक्षा निर्यात को 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया जाए। भारत के जो हथियार और सैन्य उपकरण विश्व भर की सेनाओं की पसंदीदा बन चुके हैं उनमें हथियारों, गोला-बारूद और फ्यूज की बड़ी श्रृंखला है। लेकिन, पूरी तरह से निर्मित सैन्य साजो-सामान के ऑर्डर भी जबरदस्त तरीके से बढ़ते जा रहे हैं। इनमें निम्नलिखित हथियार और सैन्य उकरण शामिल हैं-ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल आर्टिलरी गन, ड्रोनियर-228 एयरक्राफ्ट, चेतक हेलीकॉप्टर, रडार,आकाश एयर डिफेंस मिसाइल, पिनाका रॉकेट, बख्तरबंद वाहन, बुलेटप्रूफ जैकेट, कॉम्बैट बूट, इंटरसेप्टर बोट एवं टॉरपीडो। यह सब मुमकिन इसलिए हो रहा है कि देश में हालिया वर्षों में रक्षा उत्पादन में काफी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें निजी कंपनियों का भी बहुत बड़ा योगदान माना जा रहा है। वित्त वर्ष 24-25 में यह उसके एक साल पहले के मुकाबले 18 प्रतिशत बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। बीते वित्त वर्ष में रक्षा मंत्रालय ने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा निर्माण का ठेका दिया है, जिनमें से 81 प्रतिशत का ठेका स्वदेशी रक्षा कंपनियों को मिला है। मतलब, देश आज रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में जिस तरह से आत्मनिर्भर होने की कोशिश में है, उसी तरह से सैन्य हथियारों के वैश्विक बाजार में 'मेड इन इंडिया' की भी धूम मची हुई है। इसे बुलंद भारत की तस्वीर नहीं तो और क्या कहेंगे?

सामाजिक विषमताएं बनाम देश का आर्थिक विकास

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक, आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में विषमताओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए है। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमा चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की हैं। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है।

प्रकृति के प्रहरी: जिनके बलिदान से सांसें ज़िंदा हैं

आरके जैन

वृक्ष केवल लकड़ी का ढांचा नहीं, बल्कि हमारी साँसों का आधार हैं। उनकी जड़ों में धरती का धैर्य, पत्तियों में ऋतुओं का गीत और छाँव में पीढ़ियों का आलिंगन समाया है। जब इन पर आरी चली, तो कुछ नायकों ने अपनी जान हथेली पर रखकर प्रकृति की रक्षा की। उनके लिए वृक्ष सिर्फ़ पेड़ नहीं, जीवन का पर्याय थे।

यही वह आस्था थी, जिसने 1730 के खेजड़ली कांड को जन्म दिया और 11 सितंबर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस का प्रतीक बनाया। यह दिन उन अनाम बलिदानियों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने भारत के जंगलों, वन्यजीवों और पर्यावरण के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए।

खेजड़ली कांड सिर्फ़ इतिहास की घटना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की अमर प्रेरणा है। 1730 में राजस्थान के जोधपुर में महाराजा अभय सिंह के आदेश पर खेजड़ी पेड़ों को काटने का हुक्म हुआ। इन पेड़ों को बचाने के लिए अमृता देवी बिश्नोई ने अपने समुदाय के साथ प्रतिरोध किया। एक-एक कर 363 बिश्नोई ग्रामवासियों ने पेड़ों को अपनी ढाल बनाया और अपने प्राणों की आहुति दी।

यह बलिदान विश्व का पहला दर्ज पर्यावरण आंदोलन माना जाता है, जिसने प्रकृति और मानव के अटूट रिश्ते को रेखांकित किया। आज राष्ट्रीय वन शहीद दिवस उसी बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है, जो 2013 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया। राष्ट्रीय वन शहीद दिवस केवल खेजड़ली के बलिदान की स्मृति तक सीमित नहीं है; यह उन अनगिनत वन रक्षकों, वनपालों और कर्मचारियों की अनकही वीरगाथा है, जो जंगलों की रक्षा में अपनी जान जोखिम में डालते हैं। भारत में हर साल दर्जनों वन रक्षक अवैध कटाई, शिकार और तस्करी रोकते हुए शहीद हो जाते हैं। पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि बीते दो दशकों में सैकड़ों वन कर्मियों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि जंगल महज पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है, जो जीवन का आधार है। भारत के जंगल 7.13 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले हैं, जो देश के 21.71% भौगोलिक क्षेत्र को कवर करते हैं (भारत वन स्थिति रिपोर्ट, 2021)। ये जंगल ऑक्सीजन देते हैं, जलवायु को नियंत्रित करते हैं, मिट्टी का कटाव रोकते हैं और असंख्य प्रजातियों को आश्रय प्रदान करते हैं।

फिर भी, अवैध कटाई और शहरीकरण के कारण भारत हर साल हजारों हेक्टेयर जंगल खो रहा है। 2019-2021 के बीच 1,582 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र का नुकसान हुआ (आईएसएफआर, 2021)। इस क्षति का सबसे गहरा प्रभाव उन आदिवासी समुदायों पर पड़ता है, जिनका जीवन और संस्कृति जंगलों से अटूट रूप से जुड़ी है।

आदिवासी समुदायों की बात करें तो, बिश्नोई समुदाय की तरह गोंड, संथाल, मुंडा और अन्य जनजातियाँ जंगलों को न केवल अपनी आजीविका का आधार मानती हैं, बल्कि इन्हें अपनी संस्कृति और आध्यात्मिकता का पवित्र केंद्र भी मानती हैं। ये समुदाय जंगलों को मंदिर की तरह पूजते हैं, उनके साथ एक अटूट रिश्ता साझा करते हैं। फिर भी, विकास के नाम पर—चाहे वह खनन हो, बांध निर्माण हो या सड़क विस्तार—उनकी पुश्तैनी जमीनें और जंगल बेरहमी से छीने जा रहे हैं।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस हमें इन समुदायों की अनसुनी पुकार को सुनने और उनकी लड़ाई में साथ देने का सशक्त आह्वान करता है।

यह दिवस हमारी शिक्षा व्यवस्था पर भी गहरे सवाल उठाता है। पर्यावरण शिक्षा को स्कूलों में अक्सर एक औपचारिकता तक सीमित कर दिया जाता है। क्या हमारे बच्चे यह जानते हैं कि एक पेड़ प्रतिवर्ष 20-30 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है? क्या उन्हें पता है कि भारत के जंगल 6,000 से अधिक पौधों और 90,000 से अधिक जीवों की प्रजातियों का आश्रय हैं? राष्ट्रीय वन शहीद दिवस को स्कूलों में केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक प्रेरणा के रूप में मनाया जाना चाहिए। बच्चों को अमृता देवी के बलिदान की कहानी सुनाने के साथ-साथ यह सिखाना होगा कि पर्यावरण की रक्षा उनकी विरासत और जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस को सच्ची श्रद्धांजलि तब मिलेगी, जब हम अपने जीवन में ठोस बदलाव लाएँ। प्लास्टिक का उपयोग घटाना, ऊर्जा की बर्बादी रोकना और पेड़ लगाने जैसे छोटे कदम बड़े परिवर्तन की नींव रख सकते हैं। सरकार भी इस दिशा में कदम उठा रही है—"हरित भारत मिशन" के तहत 2014 से लाखों पेड़ लगाए गए हैं, और 2030 तक 33% भू-भाग को वनाच्छादित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। मगर यह सपना तभी साकार होगा, जब व्यक्ति, समाज और सरकार कंधे से कंधा मिलाकर जुटें।

11 सितंबर को जब हम वन शहीदों को याद करते हैं, तो यह भी आत्ममंथन करें कि उनकी लड़ाई आज भी अधूरी है। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और प्रदूषण आज भी उतने ही भयावह खतरे हैं। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में वायु प्रदूषण हर साल 1.2 मिलियन लोगों की असमय मृत्यु का कारण बन रहा है। ऐसे में, राष्ट्रीय वन शहीद दिवस केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि एक प्रबल संकल्प है—प्रकृति को बचाने का, और उन बलिदानों को सार्थक करने का।

यह दिवस हमें दो रास्ते दिखाता है: एक, जहाँ हम अपनी सुविधाओं के लिए जंगलों को नष्ट करते जाएँ; दूसरा, जहाँ हम अमृता देवी और उनके साथियों की तरह पेड़ों को गले लगाएँ, उनकी रक्षा करें। पहला रास्ता हमें विनाश की ओर ले जाता है, दूसरा जीवन और आशा की ओर। हम वह रास्ता चुनें जो न केवल हमारे लिए, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों के लिए भी स्वच्छ हवा और हरे-भरे जंगलों की गारंटी दे। राष्ट्रीय वन शहीद दिवस यही प्रेरणा देता है—प्रकृति के लिए जिएँ, प्रकृति के लिए लड़ें, क्योंकि प्रकृति ही हमारा सच्चा आश्रय है।

लवर से लोवर तक: लीवर

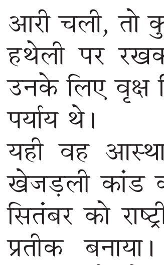

डॉ. सुरेश कुमार

किसी को जिगर की बातें करना जितना आसान लगता है, उतना ही मुश्किल है लीवर से संवाद स्थापित करना। लीवर, यानी शरीर का भूला हुआ नौकर, जिसकी याद तभी आती है जब मेडिकल रिपोर्ट रंगीन हो जाए। मानो सरकार की छुपी फाइलें, जिनका अस्तित्व तभी उजागर होता है, जब कोई घोटाला हो जाए। रोज़ हम दिल पर हाथ रखकर इश्क जताते हैं, दिमाग को कोसते हैं, लेकिन जिगर—माफ़ कीजिए, लीवर को पेशाब के रंग में छोड़ देते हैं। बचपन में माँ ने सिखाया था—'दिल बड़ा रखो', डॉक्टर ने बताया—'लीवर साफ रखो!' लेकिन दोनों में फर्क? दिल के लिए, समाज तालियाँ पीटता है, लेकिन लीवर के लिए खोमचेवाले के झूठन जैसी उपेक्षा! आजकल तो लोग इतने जागरूक हैं कि फेफड़े के लिए धुआँ छोड़ दें, मगर लीवर का ध्यान रखने का पाप कौन करे? लीवर बेचारा दिन-रात शरीर की साफ-सफाई करता है, शराब के प्याले में डूबते समाज को बचाने की कोशिश करता है, फिर भी सबसे ज़्यादा ताने उसी को पड़ते हैं—'लीवर में सूजन है, लीवर बढ़ गया, लीवर सूख गया।' लीवर सोचता है, 'काश! मैं भी दिल होता, तो इश्क के गीत लिखवा लेता।'

शरीर के लोकतंत्र में लीवर की असली नौकरशाही है—काम सबसे ज़्यादा, क्रेडिट सबसे कम। हर जिगरबाज़ खानदानी पर 'लीवरवाला' होने का इल्जाम लगता है, जैसे समाज के सारे गुनाह वह खुद ही करता है। नेताओं की तरह हर बीमारी का ठीकरा लीवर पर, 'ओह! तुम्हारा चेहरा पीला है, लीवर खराब होगा', जैसे कोई प्राचीन ऋषि पीला रंग देखकर ही भविष्यवाणी कर जाए। डॉक्टरों को भी जहाँ किसी रोग का कारण न दिखे, वहीं मरीज से दयाभाव के साथ पूछते हैं—'क्या लीवर टेस्ट कराया?' कभी किसी ने पूछा, 'प्यारे लीवर साहब, ज़िंदगी कैसी है?' अरे नहीं, लीवर तो वही जीता है जो उलझनों की सफाई में मर जाता है। सबको चौकलेट चाहिए, तेल चाहिए, मिठाइयाँ चाहिए—पर लीवर? लीवर का हाजमा कितना है, यही पूछते हैं। महंगाई बढ़ी, लोग कहें 'पेट कटा', बीमारी बढ़ी, लोग बोले 'लीवर फेल'। न दिमाग का इलाज है, न दिल का, दोनों को तो सिर्फ लीवर की दया और शुचिता चाहिए। लीवर सोचता है, 'मुझे भी कभी सुर्खियों में लाओ, न्यूज चैनल पर बहस कराओ!' लीवर की किस्मत देखो—त्योहार आए, सब पकवानों में लीवर का टेस्ट स्वयं ले रहे हैं। मनुष्य की भोग-लिप्सा का संतुलन बचाए रखने की सबसे गंदी ड्यूटी उसी की, और पारितोषिक? गैस, जलन, कभी सूखने का भय, कभी बढ़ने का। जब तक लीवर शांतिपूर्वक अपना काम करता रहे, सब उसका मज़ाक उड़ाते हैं; जैसे देश के ईमानदार कर्मचारी, जिनकी ज़रूरत सबको हो, लेकिन सम्मान किसी को न मिले। शराबियों का पुजारी तो लीवर ही बना, लेकिन भजन किसी और के हिस्से। शराबी बोले—'लीवर में दम है!' लीवर का लवर तो शराब है, वही आगे चलकर लीवर को लोवर बना देता है। पंडित बोले—'यज्ञ करना हो तो लीवर चमकदार चाहिए।'

बड़ी तकदीर लेकर पैदा हुआ लीवर, हर खाने-पीने वालों की आस्था का केंद्र, और गलती से किसी दिन बीमार पड़ जाए तो, सारे शोक-संदेश उसी के नाम। लीवर सोचता है, 'काश, मेरी जगह दिल होता तो हर दर्द कविता बन जाता, पर यहाँ तो जिगर सिर्फ़ कबाब में ढूंढा जा रहा है!' सब कुछ पचाकर भी लीवर अपनी जगह चुप रहता है, पर उसकी त्रासदी कोई नहीं समझता। लीवर की ज़िंदगी का यही विडंबना है—समाजसेवक की तरह काम और बदनामी मुफ्त में।

युवाओं के दबे आक्रोश का विस्फोट है नेपाल में बगावत ?

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में एकाएक जो राजनीतिक भूकम्प आया है उसने बेहद आश्चर्यचकित कर दिया है। वहां कुछ दिन पहले बात सोशल मीडिया प्लेटफार्मो पर सरकार द्वारा प्रतिबन्ध लगाए जाने से शुरू हुई थी। इसके विरोध में भारी संख्या में युवक राजधानी काठमांडू की सड़कों पर उतर आए। उन्होंने राजनीतिक नेताओं के घरों पर हमले शुरू कर दिए। ताजा जानकारी के अनुसार आन्दोलनकारियों द्वारा एक पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खानाल की पत्नी राजिल-लक्ष्मी चित्रकार को आग लगाकर जला दिया गया। एक और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के घर में दाखिल होकर आन्दोलनकारियों ने उनकी और उनकी पत्नी से मारपीट की। संसद भवन और कई अन्य इमारतों को आग लगा दी गई। सरकार को सेना बुलानी पड़ी। पुलिस और सेना की गोली से लगभग 22 व्यक्ति मारे गए और 400 से भी अधिक घायल हो गए। इन घटनाओं ने लगी आग को लपटों में बदल दिया, जिस कारण वहां राजनीति अस्थिरता चरम सीमा पर पहुंच गई है। आखिर प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली को त्याग-पत्र देने के लिए विवश होना पड़ा और वह देश छोड़ कर किसी सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। ओली ने भी त्याग-पत्र देते हुए सेना को स्थिति सम्भालने के लिए कहा था।

आपको बता दें कि नेपाल का मौजूदा घटनाक्रम बहुत ही खतरनाक मोड़ पर है। एक तरफ वहां की भीड़ का गुस्सा लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली को लेकर है उधर दूसरी ओर मीडिया का एक धड़ा नेपाल में राजशाही की वापसी या हिन्दू राष्ट्र की वापसी का राग अलापने में लगा है। जरूरत इस समय मौजूदा घटनाक्रम पर सतर्क निगाह रखने की है। कहीं ऐसा तो नहीं कोई बड़ी ताकत इस घटनाक्रम का फायदा उठाकर नेपाल को अपने नियंत्रण में ले ले। भारत के प्रधानमंत्री की चिंता इसी ओर इशारा करती है। जिसे मीडिया नजरअंदाज कर रहा है। नेपाल में जो कुछ भी चल रहा है उसके पीछे की वजह तलाशना बहुत जरूरी है। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और सोशल मीडिया पर पाबंदियों के ख़िलाफ़ तथाकथित जेन-ज़ी द्वारा संचालित नेतृत्वहीन विरोध प्रदर्शनों ने अब अराजकता का रूप ले लिया है। नेपाल अनुपातन एक छोटा-सा देश है। इसकी जनसंख्या लगभग 3 करोड़ है, परन्तु आश्चर्यजनक बात यह है कि गरीब कहे जाते इस देश के 90 प्रतिशत लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इसी साधन द्वारा विरोधियों की ओर से सरकारी भ्रष्टाचार को उजागर किया जाता रहा है और यह भी कि वहां रिश्वत का बोलबाला है। लगभग 17 वर्ष पहले वर्ष 2008 में नेपालियों ने हिम्मत दिखाते हुए सैकड़ों वर्ष से चली आ रही राजशाही का अंत कर दिया था। इसमें वामपंथी पार्टियों का बड़ा योगदान था। के.पी. शर्मा ओली भी लड़े गए इस संघर्ष में शामिल थे। उनके साथ-साथ नेपाल में मार्सी नेता पुष्प कमल दहल (प्रचंड) का भी उभार हुआ था। लगभग 10 वर्ष के लम्बे संघर्ष के बाद राजशाही का अंत हो गया था। उसके बाद चाहे वामपंथी पार्टियों का प्रभाव बढ़ गया था परन्तु वहां की राजशाही के समय से ही नेपाली कांग्रेस ने अपनी पूरी पैठ बनाए रखी थी। इस पूरी कशमकश में नया संविधान बनाने के लिए लम्बा समय लगा था। मार्सी नेता पुष्प कमल दहल भी प्रधानमंत्री बने। के.सी. शर्मा ओली (जो कि हमेशा से ही चीन पक्षीय रहे थे और अब भी वह चीन का ही दम भरते रहे हैं) भी प्रधानमंत्री बनते रहे, परन्तु वहां समय-समय पर होते रहे चुनावों में कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत लेकर सरकार बनाने में असमर्थ रही। इसीलिए अब तक भी वहां मिलीजुली सरकार ही चलती रही है। निःसंदेह ओली इसके प्रधानमंत्री रहे हैं परन्तु इसके बावजूद बहुसंख्या में सदस्य नेपाल कांग्रेस के ही रहे हैं, परन्तु इस समय में ही ओली पर तानाशाही ढंग से सरकार चलाने का आरोप भी लगता रहा। पिछले कुछ समय में जनरेशन जैड के बैनर तले हामी नेपाल नामक एक संगठन सामने आया जिसने देश में फैली ग़रीबी और भ्रष्टाचार को अपना मुख्य लक्ष्य बनाकर लोगों को अपने साथ जोड़ने का यत्न किया।

लम्बी अवधि से बन रहे संकटमय हालात के दृष्टिगत इस संगठन को भारी समर्थन मिला, परन्तु अब इस संगठन का आन्दोलन हिंसक रूप धारण कर गया है। आज हुई इस बड़ी उथल-पुथल के बाद नेपाल में अनिश्चितता बनी दिखाई देती है। सेना की ओर से कमान सम्भाले जाने की आशंका है परन्तु इसके साथ ही जनरेशन जैड काठमांडू के मेयर बलेन शाह जो कलाकार और इंजीनियर भी हैं और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं, को यह नया संगठन अंतरिम प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। ऐसे अनिश्चित और गड़बड़ वाले हालात में नेपाल के निकट भविष्य के हालात किस तरह के होंगे यह कहना मौजूदा समय में कठिन है परन्तु भारत के लिए नजदीकी पड़ोसी होने के कारण ये हालात चिन्ताजनक ज़रूर हैं।

बच्चों में कितने अलग होते हैं डेंगू के लक्षण और इसकी गंभीरता?

पिछले एक महीने के दौरान अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है, हालांकि ज्यादातर लोग आसानी से ठीक होकर घर वापस लौट रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, राजधानी दिल्ली में इस बार डेंगू के सबसे संक्रामक स्ट्रेन DEN-2 के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जिसके कारण रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं सभी लोगों को मच्छरों के काटने से बचाव के लिए उपाय करते रहने की आवश्यकता है, डेंगू का खतरा सभी उम्र के लोगों में हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू वैसे तो सभी लोगों के लिए गंभीर हो सकता है पर बच्चों को इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। सभी माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को मच्छरों के काटने से सुरक्षित रखें। आइए जानते हैं कि बच्चों में डेंगू के किस प्रकार के लक्षण हो सकते हैं और यह किस प्रकार की जटिलताओं का कारण बन सकता है?

डेंगू के कारण होने वाली समस्याएं

डॉक्टर बताते हैं, डेंगू के मच्छर अक्सर दिन के समय में ज्यादा काटते हैं, इस दौरान बचाव के लिए उपाय करना बहुत आवश्यक हो जाता है। डेंगू संक्रमण की स्थिति में तेज बुखार की समस्या के साथ सिरदर्द, शारीरिक में दर्द-थकावट और पेट में दर्द की समस्या होने का जोखिम रहता है। डेंगू के हल्के से मध्यम लक्षणों में फ्लू जैसी बीमारी होती है हालांकि इसकी गंभीर स्थिति में डेंगू शॉक सिंड्रोम और रक्तस्रावी बुखार विकसित होने का खतरा रहता है।

डेंगू के गंभीर मामलों में तेजी से ब्लड प्लेटलेट्स भी कम होने लगते हैं।

बच्चों में डेंगू के जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों में डेंगू के लक्षण हल्के या गंभीर दोनों हो सकते है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें यह बीमारी पहली बार हो रही है या वह इसके पहले भी डेंगू के शिकार रहे हैं। हालांकि वयस्कों की तुलना में बच्चों में डेंगू के लक्षण थोड़े अलग हो सकते हैं। बच्चों में उल्टी और पेटीसिया की शिकायत होती है जबकि वयस्कों में मतली और आंखों के पीछे दर्द जैसे लक्षण अधिक आम हैं।

हालांकि डेंगू की गंभीर स्थिति में प्लेटलेट्स कम होने या रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा दोनों में अधिक होता है।

जानलेवा भी हो सकता है ये संक्रमण

डॉक्टर बताते हैं, डेंगू के कुछ मामले गंभीर लक्षणों वाले और जानलेवा भी हो सकते हैं, बच्चों में इसके गंभीर मामलों को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। ब्लड प्लेटलेट्स की मात्रा कम होने की स्थिति में गंभीर रोग का खतरा अधिक होता है। ये स्थिति इंटरनल ब्लीडिंग और यहां तक की मौत का भी कारण बन सकती है।

बच्चों में अगर तीन दिनों से अधिक समय तक बुखार की दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपचार के माध्यम से इसमें आराम नहीं मिल रहा है तो इसकी समय रहते जांच और इलाज कराया जाना जरूरी हो जाता है।

संक्रमण से बचाव की करें उपाय

बच्चों में डेंगू के गंभीर लक्षणों की समय रहते पहचान की जानी चाहिए। बुखार के साथ पेट में तेज दर्द, दवाओं का असर न होना और शरीर में पानी जमा होना (पेट और पैरों में सूजन) संकेत है कि बच्चे को तुरंत आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता है।

ध्यान देने वाली बात ये है कि डेंगू बुखार का अब तक कोई ज्ञात इलाज नहीं है। इसमें लक्षणों को कम करने वाले तरीकों को प्रयोग में लाया जाता है। यही कारण है कि निरंतर मच्छरों के काटने से बचाव करें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और घर के आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

चीनी की जगह खाएं फायदेमंद गुड़, पाचन की समस्या से लेकर इम्युनिटी बढ़ाने में होगा लाभ

चीनी के अधिक सेवन को स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता है, इससे न सिर्फ ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने का खतरा रहता है साथ ही वजन बढ़ने, मेटाबॉलिज्म की सेहत और हृदय रोगों का भी इससे खतरा हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी लोगों को कम से कम मात्रा में चीनी का सेवन करने की सलाह देते हैं। अगर आप चीनी को पूरी तरह से छोड़ देते हैं, तो यह सेहत को ठीक रखने के लिए सबसे बेहतर माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपकी भी मीठा खाने की आदत रही है और लाख कोशिशों के बाद भी मीठा नहीं छोड़ पा रहे हैं, तो आपको चीनी के स्वस्थ विकल्पों की तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है। गुड़ खाना इसमें आपके लिए सबसे लाभकारी हो सकता है। कई अध्ययनों में विशेषज्ञों ने पाया कि गुड़ न सिर्फ आपको मीठा स्वाद देता है साथ ही इससे कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी हो सकते हैं।

गुड़ खाने के फायदे

अध्यनकर्ताओं ने पाया कि चीनी की जगह गुड़ खाना अच्छा विकल्प हो सकता है, इससे आप कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी पा सकते हैं। साल 2015 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, परिष्कृत सफेद चीनी की तुलना में गुड़ अधिक पौष्टिक विकल्प है। गुड़ के सेवन से शरीर के लिए प्रोटीन और पोटेशियम जैसी चीजों की भी पूर्ति की जा सकती है, जिसकी हमारे शरीर को आवश्यकता होती है। इसके अलावा डायबिटीज रोगियों के लिए भी यह अच्छा विकल्प माना जाता है।

डायबिटीज रोगी खा सकते हैं गुड़?

डायबिटीज में गुड़ खाना चाहिए या नहीं, यह लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गुड़ का सेवन चीनी से बेहतर है, डायबिटीज की स्थिति में इसका कम मात्रा में सेवन किया जा सकता है। चीनी की तरह इसके दुष्प्रभाव नहीं हैं, साथ ही यह पाचन और इम्युनिटी को ठीक रखने में भी आपके लिए मददगार है, जो डायबिटीज रोगियों के लिए हमेशा से बड़ी समस्या रही है। हालांकि गुड़ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक (84) होता है ऐसे में इसका अधिक मात्रा में सेवन करना सेहत के लिए कई प्रकार से दुष्प्रभावों वाला हो सकता है।

बेहतर पाचन में मिलती है मदद

गुड़ खाना आपके पाचन स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना है कि यह पाचन में मदद करता है और मल त्याग को भी बढ़ावा दे सकता है। कब्ज को रोकने के लिए इसे एक अच्छे विकल्प के तौर पर भी जाना जाता है। भारतीय खाद्य परंपरा में पाचन को बढ़ावा देने के लिए सभी लोगों को भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में गुड़ खाने की सलाह दी जाती है।

एनीमिया की रोकथाम में भी इसके लाभ

एनीमिया गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। भारत में महिलाओं में इसका जोखिम अधिक देखा जाता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि गुड़ खाना आपको एनीमिया के खतरे से बचाने में मददगार हो सकता है।

गुड़ में प्रति 100 ग्राम में लगभग 11 मिलीग्राम आयरन होता है, हालांकि हमेशा ध्यान रखें बहुत अधिक मात्रा में गुड़ का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। आयरन के साथ-साथ गुड़ खाना शरीर के लिए और भी कई प्रकार के पोषक तत्वों की पूर्ति करने में सहायक है, ऐसे में इसे सेहत के लिए बेहतर विकल्प माना जा सकता है।

लंबे समय तक बैठे रहने से सर्वाइकल की हो सकती है समस्या

घंटों तक लैपटॉप के सामने बैठकर काम करना, मोबाइल पर झुककर स्क्रॉल करना और बिना ब्रेक के लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठे रहना हमारी सेहत पर गहरा असर डालता है. इसका सबसे बड़ा शिकार हमारी गर्दन और रीढ़ की हड्डी बनती है, जिससे धीरे-धीरेसर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस की समस्या सामने आती है. यह दर्द और अकड़न न केवल काम को प्रभावित करती है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी कम कर देती है.

डॉ. बताते हैं कि सर्वाइकल की समस्या आज सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही, बल्कि 25 से 40 वर्ष की उम्र के युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है.

लंबे समय तक बैठना क्यों है खतरनाक?

जब हम लगातार लंबे समय तक बैठे रहते हैं, तो हमारी रीढ़ की हड्डी और गर्दन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है.

खराब पोश्चर और बिना हिले-डुले बैठना मांसपेशियों को कठोर बना देता है. यही आदत समय के साथ सर्वाइकल पेन, गर्दन में अकड़न, सिरदर्द और हाथों में झनझनाहट जैसी समस्याओं का कारण बनती है.

सर्वाइकल से बचने के आसान उपाय

हर 30 मिनट में ब्रेक लें – काम के बीच खड़े होकर 2 मिनट टहलें या हल्की स्ट्रेचिंग करें.

सही पोश्चर अपनाएं – कुर्सी पर सीधे बैठें और लैपटॉप/कंप्यूटर को आंखों की लेवल पर रखें.

गर्दन की स्ट्रेचिंग करें – दिन में 2 बार गर्दन को धीरे-धीरे दाएं-बाएं और ऊपर-नीचे घुमाएं.

योगासन और प्राणायाम – भुजंगासन, ताड़ासन, गोमुखासन और अनुलोम-विलोम बहुत लाभकारी माने जाते हैं.

गर्म पानी की सिंकाई – सर्वाइकल पेन होने पर गर्म पानी की बोतल या तौलिये से सिकाई करना राहत देता है.

खानपान में रखें ध्यान

सही आहार भी सर्वाइकल दर्द से बचाने में मददगार है.

हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम और विटामिन D युक्त आहार लें.

दूध, पनीर, हरी सब्जियां और सूरज की रोशनी इसके बेहतरीन स्रोत हैं.

ओमेगा-3 फैटी एसिड (अलसी, अखरोट, मछली) भी सूजन और दर्द को कम करने में मदद करता है.

लाइफस्टाइल में बदलाव

मोबाइल इस्तेमाल करते समय उसे आंखों की लेवल पर रखें.

लंबे समय तक लगातार गाड़ी न चलाएं.

ऑफिस में एर्गोनॉमिक चेयर का इस्तेमाल करें.

रोजाना 20 मिनट वॉक या हल्की एक्सरसाइज जरूर करें.

लिवर को डिटॉक्स करके शुगर को कंट्रोल रखने का रामबाण तरीका

हमारे घरों में कई ऐसी चीजें आसानी से उपलब्ध होती हैं, जिन्हें वर्षों से सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। घरेलू उपायों वाली ऐसी कई चीजों को मेडिकल साइंस ने भी प्रमाणित किया है।

नीम की पत्ती ऐसी ही एक अत्यंत फायदेमंद औषधि है जिसे संक्रामक रोगों से बचाव के लिए प्रयोग में लाया जाता रहा है। तमाम अध्ययनों में भी शोधकर्ताओं ने प्रमाणित किया है कि अगर रोजाना नीम की कुछ पत्तियों का सेवन किया जाए तो इससे पूरे शरीर को कई प्रकार से लाभ हो सकता है।

हम अक्सर अपने माता-पिता और दादा-दादी को इन पत्तियों के औषधीय गुणों के बारे में बात करते हुए सुनते आ रहे हैं, पर क्या आप जानते हैं कि यह किस-किस प्रकार से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है?

आइए खाली पेट नीम की पत्तियों के सेवन से जुड़े स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानते हैं।

त्वचा की बीमारियां होती हैं दूर

नीम की पत्तियों में कई ऐसे औषधीय गुणों के बारे में पता चलता है जो इसे त्वचा की बीमारियों और संक्रमण को कम करने में कारगर बनाती है।

नीम में एंटी-इंफ्लामेटरी, जीवाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो इसे त्वचा की विभिन्न समस्याओं जैसे मुंहासे से राहत दिलाने और त्वचा में इंफ्लामेशन को कम करने के लिए प्रभावी बनाते हैं।

नीम के तेल में त्वचा की लोच और चमक बनाए रखने के लिए एंटी-रिंकल और एंटी-एजिंग प्रभाव वाले आवश्यक फैटी एसिड और विटामिन भी होते हैं।

संक्रामक रोगों से मिलती है सुरक्षा

नीम का एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय उपयोग रक्त शोधक के रूप में है। यह फ्री रेडिकल्स को खत्म करने, हार्मोन को नियंत्रित करने और प्रतिरक्षा को बढ़ाकर समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए भी कारगर पाया गया है। नीम का उपयोग विभिन्न हर्बल फॉर्मूलेशन में रक्त प्रवाह से विषाक्त पदार्थों को हटाने और लिवर को ठीक रखने के लिए भी किया जाता रहा है। नीम बार-बार होने वाले संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकती है।

लिवर और किडनी के लिए लाभ

नीम में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण भी होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में आपके लिए लाभकारी है, इससे लिवर और किडनी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। लिवर की विषाक्तता को कम करने और इससे संबंधित संक्रमण और बीमारियों के जोखिमों से बचाव के लिए भी नीम की पत्तियों के सेवन को शोधकर्ताओं ने लाभकारी पाया है।

नीम का सेवन करने वाले लोगों में लिवर डैमेज का खतरा भी कम हो सकता है।

डायबिटीज रहता है कंट्रोल

अगर आपका अक्सर ब्लड शुगर बढ़ा हुआ रहता है तो आप नीम के सेवन से लाभ पा सकते हैं। पशुओं पर किए गए अध्ययनों से संकेत मिलता है कि नीम की पत्ती का अर्क मधुमेह की नई दवाओं के लिए एक भी एक नया अवयव हो सकता है। नीम का अर्क उन कोशिकाओं को पुनर्जीवित करने में मददगार पाया गया है जो इंसुलिन का उत्पादन करती हैं। हालांकि मानवों पर इसके अध्ययन का अभाव है।

मुंह में दिख रहे हैं ये 6 लक्षण तो जान लें शरीर में कई चीजों की कमी

हम अक्सर अपने चेहरे की चमक, बालों की खूबसूरती और त्वचा की सेहत पर ध्यान देते हैं, लेकिन मुंह के अंदर झांकना भूल जाते हैं. जबकि सच यह है कि हमारा मुंह शरीर का आईना होता है. यहां होने वाले छोटे-छोटे बदलाव हमारी सेहतके बारे में बहुत कुछ कह देते हैं. डॉ. का मानना है कि मुंह में दिखने वाले बदलाव शरीर की पोषण स्थिति और कई बार गंभीर बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकते हैं.

होंठों के कोनों पर दरारें

अगर आपके होंठों के किनारे बार-बार फटते हैं तो यह विटामिन बी2की कमी होने की संभावना है. इसके अलावा आयरन और जिंक की कमी भी इस समस्या का कारण हो सकती है.

मसूड़ों से खून आना

ब्रश करते समय या खाना खाते समय मसूड़ों से खून आना सामान्य नहीं है. यह अक्सर विटामिन सी की कमी का लक्षण हो सकता है. इसके अलावा दांतों की सही सफाई न करना और बैक्टीरिया का जमाव भी इस समस्या को बढ़ा सकता है. ऐसे में आंवला, नींबू और संतरा जैसे फलों का सेवन फायदेमंद होता है.

मुंह में बार-बार छाले

अगर आपके मुंह में बार-बार छाले होते हैं तो यह केवल गरम चीजें खाने या एसिडिटी की वजह से नहीं है. यह विटामिन बी12 की कमी, आयरन की कमी की वजह से हो सकता है. समय रहते इस पर ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि लगातार छाले पाचन से जुड़ी गड़बड़ी का भी संकेत हो सकते हैं.

मुंह में जलन

मुंह या जीभ में जलन होना आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया और विटामिन बी कॉम्प्लेक्स की कमी से जुड़ा हो सकता है. ज्यादातर महिलाओं में यह समस्या देखने को मिलती है. अगर लगातार जलन हो रही है तो इसे हल्के में न लें और तुरंत जांच कराएं.

कैविटी की समस्या

दांतों में कैविटी केवल ज्यादा मिठाई या चॉकलेट खाने से नहीं होती. यह शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी का नतीजा भी हो सकती है. अगर हड्डियों और दांतों को मजबूत रखना है तो दूध, दही और धूप का सेवन जरूर करें.

दांत में दर्द और कमजोरी

लगातार दांत दर्द, दांतों का कमजोर होना या दांत टूटना यह संकेत देता है कि शरीर में खनिज खनिज की कमी है. खासकर कैल्शियम, फॉस्फोरस और विटामिन डी की कमी इस परेशानी का कारण बनते हैं.

यूथ में कितने अलग होते हैं हार्ट अटैक के लक्षण? बच्चों और पैरेंट्स को जरूर पता होनी चाहिए ये बात

आजकल हार्ट अटैक का पैटर्न काफी बदल गया है. पहले यह बड़ी उम्र के लोगों इसका खतरा रहता था लेकिन आज इसकी चपेट में हर उम्र के लोग शामिल हो चुके हैं. आपको बताते हैं कि बच्चों में इसका लक्षण कैसे होते हैं?

हार्ट अटैक आमतौर पर बड़े उम्र के लोगों में होता है, लेकिन खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी खाना, एक्सरसाइज की कमी, धूम्रपान, ड्रग्स का इस्तेमाल और अधिक तनाव किशोरों में भी हार्ट प्रॉब्लम बढ़ा सकते हैं. यह समय से पहले दिल की बीमारियों और हार्ट अटैक का कारण बन सकता है. चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं.

किशोरों में हार्ट अटैक के लक्षण अक्सर वयस्कों से थोड़े अलग या हल्के हो सकते हैं. इसलिए माता-पिता और बच्चे को जागरूक होना बहुत जरूरी है.

छाती में दर्द या असहजता सबसे सामान्य लक्षण है. किशोरों को चेस्ट में दबाव, कसाव, भारीपन या सिकुड़न महसूस हो सकती है. यह दर्द कुछ मिनटों के लिए हो सकता है या बार-बार आ-जा सकता है.

सांस लेने में कठिनाई या हवा की कमी महसूस होना भी चेतावनी है. यह अचानक या धीरे-धीरे बढ़ सकता है और दिल की समस्या का संकेत दे सकता है.

दर्द शरीर के अन्य हिस्सों में फैल सकता है जैसे कि हाथ (अक्सर बायां हाथ), पीठ, गर्दन, जबड़ा या पेट. अक्सर इसे मांसपेशियों की खिंचाव या एसिडिटी समझ लिया जाता है, लेकिन समय रहते पहचानना जरूरी है.

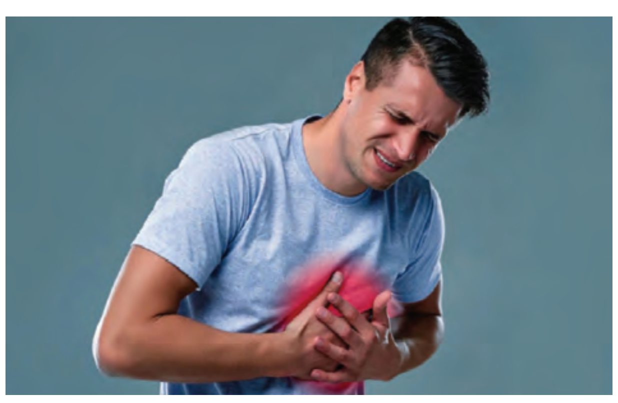

चक्कर आना या हल्का महसूस होना भी गंभीर संकेत है. तेज़ या अनियमित धड़कन, धुंधली दृष्टि, अचानक थकान के साथ यह लक्षण हार्ट प्रॉब्लम का इशारा कर सकते हैं.

चक्कर आना या हल्का महसूस होना भी गंभीर संकेत है. तेज़ या अनियमित धड़कन, धुंधली दृष्टि, अचानक थकान के साथ यह लक्षण हार्ट प्रॉब्लम का इशारा कर सकते हैं.

कुछ किशोरों को मतली, उल्टी या अचानक पसीना आना भी हो सकता है. इसे अक्सर फ्लू या चिंता समझ लिया जाता है, जिससे समय पर इलाज नहीं होता और जोखिम बढ़ जाता है.

अगर इन लक्षणों में से कोई दिखाई दे, खासकर छाती में दर्द या सांस लेने में कठिनाई, तो तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें. समय पर इलाज से गंभीर दिक्कतों और हार्ट डैमेज को रोका जा सकता है.

डायबिटीज होने पर इन 7 चीजों का करें सेवन कंट्रोल करने में मिलेगी सहायता

डायबिटीज मरीजों के लिए ब्लड शुगर कंट्रोल करने वाले प्राकृतिक खाद्य पदार्थ, जो दवाइयों के साथ संतुलित खानपान में मददगार हैं.

डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे जरूरी है ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखना. हालांकि दवाइयां और नियमित व्यायाम इसमें मदद करते हैं, लेकिन सही खानपान को अपनाना भी उतना ही जरूरी है. प्रकृति ने हमें ऐसे कई खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनका

सेवन करके शुगर लेवल को प्राकृतिक रूप से कंट्रोल किया जा सकता है.

मेथी के दाने: मेथी के दाने डायबिटीज कंट्रोल करने का सबसे आसान घरेलू नुस्खा माने जाते हैं. इसमें घुलनशील फाइबर

पाया जाता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. रातभर भिगोकर सुबह खाली पेट इसका सेवन करना बेहद फायदेमंद है.

दालचीनी: दालचीनी शुगर लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करती है. इसमें मौजूद बायोएक्टिव यौगिक (bioactive compounds) इंसुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ाते हैं और ब्लड शुगर को बैलेंस करते हैं.

करेला: करेला भले ही कड़वा हो, लेकिन डायबिटीज़ के मरीजों के लिए यह किसी औषधि से कम नहीं है. इसमें ₹पोलिपेप्टाइड₹ पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर कम करने में मदद करते हैं.

ओट्स: नाश्ते में ओट्स का सेवन डायबिटीज़ के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है. इसमें मौजूद फाइबर और बीटा-ग्लूकन पाचन को धीमा करते हैं और ब्लड शुगर स्पाइक होने से रोकते हैं.

ग्रीन टी: ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स और पॉलीफेनॉल्स होते हैं, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं. नियमित रूप से इसका सेवन डायबिटीज़ के खतरे को भी कम करता है.

अमरूद: अमरूद में फाइबर और विटामिन C प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. यह पाचन सुधारने के साथ-साथ शुगर लेवल को भी

नियंत्रित करने में मदद करता है. शुगर के मरीजों के लिए अमरूद खाना बेहद हेल्दी माना जाता है.

अलसी के बीज: अलसी के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं. यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने के साथ-साथ हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद हैं.

फ्रांस में मुसलमानों के खिलाफ नफरत

पेरिस में 9 मस्जिदों के बाहर फेंके गए सूअर के सिर, मैक्रों का लिखा था नाम

पेरिस, 10 सितंबर (एजेंसियां)। फ्रांस मेंमुसलमानों के खिलाफ नफरत का अनोखा मामला सामने आया है, जहां राजधानी पेरिस और उसके आसपास के इलाकों में कम से 9 मस्जिदों के बाहर सूअर के सिर फेंके गए। इनमें से पांच पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का नाम लिखा था।

घटना के पीछे कौन है, यह पता नहीं चला है लेकिन अधिकारियों ने बढ़ती इस्लाम विरोधी भावना के बीच फ्रांस की मुस्लिम आबादी के प्रति समर्थन का वादा किया। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी है, जो कि 60 लाख से ज्यादा है। मुसलमानों के लिए सूअर का मांस खाना या इससे संपर्क रखना मना है।

विदेशी हस्तक्षेप की तरफ इशारा

फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलो ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं चाहता हूं कि हमारे मुस्लिम

देशवासी शांति से अपने धर्म का पालन कर सकें।' पेरिस पुलिस चीफ लॉरेंट नुनेज ने कहा कि इसके पीछे विदेशी हस्तक्षेप की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, जो फ्रांस को अस्थिर करने की कोशिश हो सकती है। फ्रांस इस समय वित्तीय संकट से जूझ रहा है, जिसके चलते फ्रांस्वा बायरू की सरकार को जाना पड़ा था।

क्या रूस पर आरोप लगा रहा फ्रांस?

पुलिस चीफ ने कोई और जानकारी नहीं दी, लेकिन फ्रांस ने पूर्व में रूस पर मतभेद पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इसके पहले मई में एक यहूदी प्रार्थना स्थल और एक होलोकॉस्ट मेमोरियल को हरे रंग से रंगने के बाद विदेशी ताकत से संबंध रखने के आरोप में तीन सर्बियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था।

घटना से मुसलमानों के अंदर डर

पेरिस अभियोजक कार्यालय ने बताया कि पेरिस की मस्जिदों के बाहर 4 और राजधानी के बाहरी इलाके में 5 सूअर के सिर बरामद किए गए हैं। पेरिस पुलिस की एक यूनिट घटना की जांच कर रही है। घटना को कथित तौर पर नफरत फैलाने और भेदभाव को बढ़ावा देने वाले प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। पेरिस में एक मस्जिद, जिसके सामने सूअर का सिर मिला था, के अध्यक्ष ने कहा कि 'ऐसी घटनाएं देखना भयाहव और निराशाजनक है। अगर वे ऐसा कर सकते हैं, तो और क्या कर सकते हैं?'

फ्रांस के मानवाधिकार आयोग की 2024 की रिपोर्ट में नस्लवाद बढ़ने की जानकारी दी गई है। जनवरी और जून 2025 के बीच गृह मंत्रालय ने 181 मुसलमान विरोधी घटनाएं दर्ज की गईं, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 81 फीसदी अधिक हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने समूह अद्दम के प्रमुख बसिरू कैमारा के हवाले से बताया कि मस्जिद में जाने वाले लोग लगातार डरे हुए हैं, क्योंकि असुरक्षा बढ़ रही है। यह समूह मुसलमानों के खिलाफ होने वाले भेदभाव से लड़ता है।

सऊदी अरब और यूएई को जमीन बेचने जा रहा कंगाल मुस्लिम देश मिस्र

18 .5 अरब डॉलर का समझौता, भारत का है दोस्त

काहिरा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पिरामिडों का देश मिस्र इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। आलम यह है कि अब मिस्र को अपनी जमीन तक बेचनी पड़ रही है। मिस्र ने सऊदी अरब और यूएई के साथ 18.5 अरब डॉलर का समझौता किया है। इसके तहत यूएई और सऊदी अरब की कंपनियां लाल सागर के तट पर एक विशाल एकीकृत टूरिज्म परिसर का निर्माण करेंगी। मिस्र की नई राजधानी में इस समझौते पर प्रधानमंत्री मुस्तफा की मौजूदगी में हस्ताक्षर किया गया। यूएई की कंपनी एम्मार प्रापर्टी सऊदी अरब की कंपनी सिटी स्टार ग्रुप के साथ मिलकर 'मरासी रेड सी' प्रोजेक्ट में 900 अरब मिस्र के पाउंड का निवेश करेगी। अफ्रीकी मिस्र पिछले एक दशक से भारी कर्ज में डूबा हुआ है और इस संकट से निकल नहीं पा रहा है। मिस्र के राष्ट्रपति अल सीसी ने भारत की यात्रा के दौरान मोदी सरकार से भी मदद मांगी थी।

यूएई और सऊदी अरब ने पहले मिस्र को काफी कर्ज दिया लेकिन इससे उसकी स्थिति नहीं सुधरी तो अब उन्होंने कर्ज देने के बदले जमीन और प्रोजेक्ट मांगना शुरू कर दिया है। इसी वजह से मिस्र को अब टूरिज्म, कृषि और बंदरगाह को यूएई और सऊदी अरब को बेचना पड़ रहा है। मिस्र की सरकार दावा है कि इस प्रोजेक्ट से 1,70,000 नौकरियां पैदा होंगी। मिस्र के पीएम ने कहा कि सरकार टूरिज्म और शहरी विकास पर फोकस कर रही है। यूएई की कंपनी एम्मार ने मिस्र में बहुत बड़े पैमाने पर निवेश किया है। उसका इरादा मिस्र में 20 अरब डॉलर के निवेश का है।

मिस्र की स्वेज नहर से कमाई पर हूती संकट

मिस्र सरकार की कोशिश है कि खाड़ी देशों से 42 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जुटाया जाए। मिस्र चाहता है कि साल 2028 तक देश में 3 करोड़ टूरिस्ट आएं। मिस्र सरकार जिसे निवेश बता रही है, उसे कई एक्सपर्ट उसकी मजबूरी बता रहे हैं। मिस्र इस समय विदेशी मुद्रा के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यूएई की सरकार मिस्र के रास अल हिकमा के प्रायद्वीप को विकसित कर रही है जो 50 किमी में फैला सफेद बालू वाला समुद्री कनिारा है। इसे लग्जरी टूरिस्ट और वित्तीय केंद्र बनाने की तैयारी है।

मिस्र पर इस समय 160 अरब डॉलर का कर्ज है। लाल सागर के आसपास हिंसा बढ़ गई है जिससे मिस्र की स्वेज नहर से होने वाली कमाई भी बहुत कम हो गई है। लाल सागर में हूती विद्रोही हमले कर रहे हैं। मिस्र सरकार के सऊदी और यूएई को जमीन बेचने के फैसले की देश में कड़ी आलोचना भी हो रही है। उनका कहना है कि मिस्र के तटीय इलाके बहुत ही मूल्यवान हैं और इसे स्थानीय निवेशकों द्वारा ही विकसित किया जाना चाहिए।

ढाका विश्वविद्यालय चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन ने मारी बाजी

ढाका, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन जमात-ए-इस्लामी के छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबीर (आईसीएस) ने जोरदार जीत हासिल की है। मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हुए। यह 1971 के बाद पहली बार है जब कोई इस्लामी छात्र संगठन इतनी बड़ी जीत दर्ज कर पाया है। इस चुनाव में आईसीएस ने कुल 12 पदों में से 9 पर कब्जा किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आईसीएस के सदिक कायम को वाइस प्रेसिडेंट और एसएम फरहाद को जनरल सेक्रेटरी घोषित किया। अध्यक्ष का पद विश्वविद्यालय के उपकुलपति के लिए रिजर्व रखा गया है।

बीएनपी ने चुनाव परिणाम मानने से किया इनकार

हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के समर्थक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र संगठन जतियाताबादी छात्र दल (जेसीडी) ने चुनाव परिणामों को मानने से इनकार किया है। उन्होंने परिणामों को हेराफेरी बताते हुए मजाक बताया है। जेसीडी के उपाध्यक्ष उम्मीदवार मोहम्मद अबिदुल इस्लाम ने फेसबुक पर कहा कि वे चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं करते।

अधिकारी ने चुनाव को बताया 'मॉडल चुनाव'

वहीं दूसरी ओर चुनाव अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद जसिम उद्दीन ने चुनाव को मॉडल चुनाव बताया। साथ ही कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि जब भी देश संकट में होता है, ढाका विश्वविद्यालय नेतृत्व करता है। साथ ही राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के नेता हसनात अब्दुल्लाह ने कहा कि ये चुनाव बांग्लादेश के राजनीतिक भविष्य को आकार देंगे और सभी पार्टियों से अपील की कि वे परिणामों का सम्मान करें।

गौरतलब है कि चुनाव में लगभग 78 प्रतिशत वोटर पहुंचे और मतदान शांतिपूर्ण था, हालांकि कुछ जगहों पर अनियमितताओं और पक्षपात की शिकायतें भी आईं। मतदान सुबह आठ बजे शुरू होकर शाम चार बजे तक चला। मतगणना के दौरान आईसीएस ने बढ़त बनाई।

कतर पर इजरायली हमले से खाड़ी देशों में खलबली

अमेरिका से टूटा भरोसा, चीन की शरण में जा सकते हैं देश

वॉशिंगटन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कतर पर इजरायली हमले ने खाड़ी देशों में अमेरिकी दबदबे को हिलाकर रख दिया है। इस इलाके में अब कोई भी ऐसा देश नहीं है, जो अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका सिर्फ अमेरिका पर निर्भर है। इजरायली हमले ने मध्य पूर्व में विश्वसनीय सुरक्षा गारंटर के रूप में अमेरिकी की भूमिका को लगभग खत्म ही कर दिया है। कभी अमेरिका के इशारों पर चलने वाले ये देश अब अपनी विदेश नीति को नए सिरे से परिभाषित करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में इन देशों को चीन में एक नई आशा दिख रही है। चीन भी मध्य पूर्व में अमेरिका की जगह भरने के लिए बेताब है। अगर अमेरिका ने जल्द कोई कदम नहीं उठाया तो इन देशों के पूरी तरह से चीन के साथ जाने का खतरा है।

मध्य पूर्व में गरीबी और अमीरी की खाई साफ तौर पर दिखाई देती है। एक तरफ लेबनान, यमन और सीरिया जैसे गरीब देश हैं। जहां अस्थिरता, विदेशी आक्रमण, गृह युद्ध, गरीबी में सीधे-सीधे अमेरिका की भूमिका है। वहीं, दूसरी ओर अमीर देश हैं, जैसे सऊदी अरब, कतर, यूएई, जो न सिर्फ अमेरिकी सैन्य ठिकानों की

मेजबानी करते हैं, बल्कि अधिकतर समय वॉशिंगटन से आए निर्देशों का पालन करते दिखते हैं। ये देश अपनी सुरक्षा के लिए काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर भी हैं।

मिडिल ईस्ट आई ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि ट्रंप प्रशासन ने गाजा पर अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एकजुट हुए हमास के राजनीतिक नेताओं पर इजरायली हमले की मंजूरी दी थी। हालांकि, हमले के तुरंत बाद इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय, व्हाइट हाउस, खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सफाई देते घूम रहे हैं कि इस हमले में अमेरिका का कोई हाथ नहीं है और उसने ऐसे किसी भी हमले की मंजूरी नहीं दी है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने अपने शुरुआती बयानों में यह जरूर कहा था कि ट्रंप ने अपने विशेष दूत के जरिए हमले के तुरंत पहले कतर को संदेश भेजा था। लेकिन, कतर ने ऐसी किसी भी सूचना मिलने से इनकार किया है।

कतर पर इजरायल के हमले में सुरक्षाबलों के एक सदस्य समेत कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। इसमें हमास के कई नेता भी शामिल हैं। हालांकि ऐसा बताया जा रहा है कि इन हमलों में हमास के किसी शीर्ष नेता की मौत नहीं हुई है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि यह हमला इसलिए विफल रहा क्योंकि इजरायल ने हमास के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के नजदीक एक इमारत पर बमबारी की, लेकिन वह सटीक स्थान का पता लगाने में नाकाम रहा। एक सूत्र ने मिडिल ईस्ट आई को बताया कि असली बैठक स्थल को सुरक्षा उपायों के नाम पर छिपा दिया गया था।

इजरायली मीडिया ने बताया है कि हमले में लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया था। इस बीच जॉर्डन ने सफाई दी है कि इजरायल ने उसके हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया। इस गर्मी की शुरुआत में ईरान पर हमला करते समय इजरायल ने सीरियाई और इराकी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया था।

कतर अमेरिका का एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी है। इजरायल ने दोहा में जिस इमारत पर बमबारी की थी, वहां से लगभग 30 किलोमीटर दूर एक अमेरिकी सैन्य अड्डा है। हमले वाली जगह के पड़ोस में ही अमेरिकी राजदूत का आवास है। कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि दोहा में स्थित अमेरिकी ऑपरेशन सेंटर, जो कतर के आसमान पर भी नजर रखता है, वह पूरी तरह से खामोश रहा।

गाजा में हमलों पर इजरायल के खिलाफ यूरोपीय संघ

लेयेन ने की प्रतिबंध लगाने और व्यापार बंद करने की मांग

तेल अवीव, 10 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर यूरोपीय संघ के इजरायल के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी की है। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि वह गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल पर प्रतिबंध लगाने और आंशिक व्यापार निलंबन की मांग करने की योजना बना रही हैं।

लेयेन ने कहा कि यूरोपीय संघ अगले महीने एक फलस्तीनी दानदाता समूह का गठन करेगा। इसका एक हिस्सा गाजा के भविष्य के पुनर्निर्माण पर केंद्रित होगा। गाजा की घटनाओं और बच्चों व परिवारों की पीड़ा ने दुनिया की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि मानव निर्मित अकाल कभी भी युद्ध का हथियार नहीं हो सकता। बच्चों की खातिर, मानवता की खातिर इसे रोकना होगा। हालांकि 27 देशों वाले यूरोपीय संघ में इस्राइल और फलस्तीनियों के प्रति अलग-अलग दृष्टिकोण है।

वॉन डेर लेयेन की यह टिप्पणी उस दिन आई है जब इस्राइल की सेना ने गाजा के निवासियों को चेतावनी दी थी कि वे उस जगह को खाली कर दें, जहां इस्राइल हमास का सफाया कर रहा है। साथ ही लाखों लोग अकाल की स्थिति में हैं। वहीं मंगलवार को कतर में हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए जाने वाले इस्राइल ने हमला किया था।

गाजा में युद्ध तब शुरू हुआ जब हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने सात अक्तूबर 2023 को 251 लोगों का अपहरण कर लिया और लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें ज़्यादातर इस्राइली नागरिक थे। गाजा में अभी भी 48 बंधक हैं, जिनमें से लगभग 20 के जीवित होने की संभावना है।

गाजा में जारी संघर्ष के बीच फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मौत का आंकड़ा 64,000 को पार कर गया है। लगातार हो रही हिंसा और हवाई हमलों से हालात बेहद खराब हैं। इस्राइल और हमास दोनों अपने-अपने कड़े रुख पर कायम हैं और किसी समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं। गाजा के कई इलाकों में मलबे के नीचे लोगों को खोजने का काम जारी है, जबकि अस्पतालों में घायलों की भीड़ बढ़ती जा रही है।

दो दिन बाद फिर खुला काठमांडू एयरपोर्ट

बड़ी संख्या में पर्यटक फंसे हैं, सेना ने जारी किए निर्देश

काठमांडू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में बड़े पैमाने पर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सैकड़ों विदेशी नागरिक फंसे हुए हैं। हिंसक प्रदर्शन के कारण दो दिनों तक बंद रहने के बाद त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) बुधवार को आधिकारिक तौर पर फिर से खोल दिया गया है। मंगलवार को हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद जब प्रदर्शनकारियों ने हवाई अड्डे के परिसर में घुसने की कोशिश की, तो प्रशासन ने हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं आंशिक रूप से निलंबित कर दी थीं।

टीआईए नागरिक उड्डयन कार्यालय द्वारा बुधवार को जारी एक सार्वजनिक सूचना के अनुसार, हवाई अड्डे की सुरक्षा समिति की बुधवार को हुई बैठक

के बाद परिचालन फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया। 9 सितंबर से निलंबित सभी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को अब परिचालन की अनुमति दे दी गई है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइनों से उड़ान कार्यक्रम की जानकारी लें और टिकट व सामान की व्यवस्था की पुष्टि कर लें।

नेपाल सेना ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन की आड़ में संभावित हिंसा को रोकने के लिए देशव्यापी प्रतिबंधात्मक आदेश और उसके बाद कर्फ्यू लगा दिया है। हवाई अड्डे के बंद होने से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों उड़ानें प्रभावित हुई हैं। जिससे सैकड़ों यात्री फंस गए हैं। एयरलाइनों ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपडेट के लिए अपनी संबंधित एयरलाइन कंपनियों के संपर्क में रहें। नेपाल सेना ने एक बयान में कहा है कि मौजूदा कठिन परिस्थितियों के कारण फंसे विदेशी नागरिक अपने बचाव या किसी अन्य मदद के लिए नजदीकी सुरक्षा चौकी या सुरक्षाकर्मियों से संपर्क करें। इसने होटलों, पर्यटन उद्यमियों और संबंधित एजेंसियों से भी जरूरतमंद विदेशी नागरिकों को जरूरी मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया है।

होटल एसोसिएशन नेपाल (एचएएन) ने बुधवार को सभी हितधारकों से पर्यटकों की आवाजाही के लिए एक पर्यटक-अनुकूल माहौल बनाने में मदद करने का आग्रह किया। एचएएन ने एक बयान में कहा, चूँकि देश एक कठिन परिस्थिति से गुजर रहा है और हवाई अड्डा बंद है, इसलिए फंसे हुए पर्यटकों का प्रबंधन करना जरूरी है।

कौन हैं सुशीला कार्की?

जो बन सकती हैं ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री

काठमांडू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ हिंसक आंदोलन के बाद केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे चुके हैं। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वह इस संकट के समय में देश का नेतृत्व करेंगी, जब तक नए चुनाव नहीं हो जाते।

देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकीं सुशीला कार्की

सुशीला कार्की का नाम आज सुबह जेन-जेड आंदोलन के सदस्यों की एक वर्चुअल बैठक में तय किया गया। कार्की का जन्म सात जून 1952 को विराटनगर में हुआ था। उन्होंने राजनीति शास्त्र और कानून की पढ़ाई की और उसके बाद वकालत और कानूनी सुधारों के क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत की। सुप्रीम कोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई ऐतिहासिक मामलों की सुनवाई की, जिनमें चुनावी विवाद भी शामिल थे। उनके फैसलों ने यह साबित किया कि न्यायपालिका लोकतंत्र की रक्षा करने वाली एक अहम संस्था है।

कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति को लेकर बड़ी बैठक

नेपाल प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरिम प्रधानमंत्री की नियुक्ति को लेकर एक बैठक में गंभीर चर्चा हुई। इस बैठक में पांच हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। इनमें सबसे ज्यादा लोगों ने नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया। काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालने शाह जेन-जेड पीढ़ी के बीच सबसे लोकप्रिय माने जाते हैं। लेकिन एक जेन-जेड प्रतिनिधि ने कहा कि अब वह (बालेन) हमारी बातों का जवाब नहीं दे रहे हैं। प्रतिनिधि ने कहा, जब उन्होंने फोन नहीं उठाया, तब अन्य नामों पर चर्चा शुरू हुई। सुशीला कार्की के नाम को सबसे ज्यादा समर्थन मिला।

सुशीला कार्की को पहले ही जेन-जेड आंदोलनकारियों की ओर से कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव दिया जा चुका था। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने इसके लिए 1,000 लिखित हस्ताक्षरों की मांग की थी। लेकिन उन्हें 2,500 से भी ज्यादा हस्ताक्षर दिए गए, जो उनकी मांग से कहीं ज्यादा थे।

बैठक में इन नामों का भी हुआ जिक्र

कार्यवाहक प्रधानमंत्री पद के लिए कुलमैन घिसिंग, सागर ढकाल और हर्क साम्पांग जैसे नामों का जिक्र भी हुआ। इसी तरह 'रैंडम नेपाली' नाम के एक यूट्यूबर को भी अच्छा-खासा समर्थन मिला। लेकिन उन्होंने कहा कि वह तभी आगे बढ़ेंगे जब कोई और तैयार नहीं होगा। 'रैंडम नेपाली' का असली नाम राष्ट्रबिमोचन तिमालसिना है। वह एक वकील हैं। इससे पहले वह नेशनल लॉ कॉलेज में कार्यवाहक प्राचार्य भी रह चुके हैं।

नेपाल का नया संविधान, प्रतिनिधि सभा भंग हो

ओली सरकार गिराने के बाद सामने आई जेन-जेड प्रदर्शनकारियों की मांग

काठमांडू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में केपी शर्मा ओली की सरकार को उखाड़ फेंकने वाले जेन-जेड प्रदर्शनकारियों ने अब कई मांगे रखी हैं। इनमें शासन में व्यापक सुधार और पिछले तीन दशकों में राजनेताओं की लूटी गई संपत्तियों की जांच की मांग शामिल है। आंदोलनकारियों ने घोषणा की है कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान जान गंवाने वाले सभी लोगों को आधिकारिक शहीद का दर्जा दिया जाएगा। उनके परिवारों को राजकीय सम्मान, पहचान और सहायता दी जाएगी। इसकी सबसे प्रमुख मांगों में देश के संविधान में संशोधन या इसे नए तरीके से लिखा जाना शामिल है।

आयोजकों ने बेरोजगारी से निपटने, पलायन पर अंकुश लगाने और सामाजिक अन्याय को दूर करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का भी वादा किया है। प्रदर्शनकारियों की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, 'यह आंदोलन किसी पार्टी या व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी और राष्ट्र के भविष्य के लिए है। शांति आवश्यक है, लेकिन यह एक नई राजनीतिक व्यवस्था की नींव पर ही संभव है।' इसमें उम्मीद जताई गई है कि राष्ट्रपति और नेपाली सेना उनके प्रस्तावों को सकारात्मक रूप से लागू करेगी। प्रदर्शनकारियों की नई मांग ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले मंगलवार को हिंसक प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया था। देश में सुरक्षा की कमान सेना ने अपने हाथ में ले रखी है और सेना प्रमुख ने प्रदर्शनकारियों से संयम बरतने की अपील करते हुए बातचीत का आग्रह किया है।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग

वर्तमान प्रतिनिधि सभा (संसद का निचला सदन) को भंग किया जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उसने जनता का विश्वास खो दिया है। नागरिकों, विशेषज्ञों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से संविधान में संशोधन या उसका पूरी तरह से पुनर्लेखन किया जाए।

अंतरिम अवधि के बाद नए चुनाव आयोजित करना और यह सुनिश्चित करना कि वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रत्यक्ष जनभागीदारी पर आधारित हों। प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित कार्यकारी नेतृत्व की स्थापना। पिछले तीन दशकों में लूटी गई संपत्तियों की जांच और अवैध संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण किए जाए। पांच मूलभूत संस्थाओं-शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय, सुरक्षा और संचार का संरचनात्मक सुधार और पुनर्गठन किया जाए।

पीटर नवारो ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर

अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही दिखा दिया आईना, समझ पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। पीटर नवारो ने कहा है कि अमेरिका को भारत के साथ 'अनुचित व्यापार' करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन भारत जरूर अमेरिकी बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए बेचैन है। पिछले कुछ हफ्तों में, पीटर नवारो ने भारत के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है। नवारो ने भारत पर रूस का तेल कम

कीमत पर खरीदकर मुनाफा कमाने का आरोप लगाया है।

पीटर नवारो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'अमेरिका को भारत के साथ अनुचित व्यापार करने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन भारत को अमेरिकी बाज़ारों तक पहुंच की सख्त जरूरत है और वह अमेरिकी नौकरियां छीनता रहेगा।' नवारो ने एक बार फिर भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'भारत रूस के यूक्रेन युद्ध को ईंधन देता है। भारत संरक्षणवादी है और उसके टैरिफ आसमान छू रहे हैं। अमेरिका का भारत के साथ भारी व्यापार घाटा है।' पीटर नवारो की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब भारत और अमेरिका के संबंध एक बार फिर से पटरी पर आते दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की है और पीएम मोदी ने भी दोनों देशों के संबंधों को खास बताया है। पीटर नवारो को अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही आईना दिखाया है। अमेरिका के ऊर्जा और भूराजनीतिक विशेषज्ञ डेविड गोल्डविन ने कहा है कि पीटर नवारो एक कम समझ वाले राजनयिक हैं।

चेकिंग में मिला 10 करोड़ का गोल्ड

पुलिसवालों ने कमीशन लेकर छोड़ा, अब एसपी के एक्शन से राजधानी तक हड़कंप

खैरागढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। तीनों पुलिसकर्मियों ने चेकिंग के दौरान कमीशन लिया था और करीब 7 करोड़ रुपये का सोना लेकर जा रही गाड़ी को छोड़ दिया था। जिले के गातापार में पुलिस चेकिंग पॉइंट पर एक कार से 7 करोड़ 20 लाख रुपए का सोना जब्त किया गया। कार्रवाई करने की जगह पुलिसकर्मियों ने कमीशन लेकर गाड़ी चालक को जाने दिया।

इस मामले की जानकारी जब एसपी को हुई तो उन्होंने फौरन एक्शन लेते हुए टीआई, एसआई समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। दरअसल, मामला शनिवार रात का है। पुलिस की टीम गातापार में वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मध्य प्रदेश से एक गाड़ी आ रही थी जिसे पुलिसकर्मियों ने रोका और उसकी चेकिंग की। चेकिंग के दौरान कार की सीट से करीब 10 किलो कच्चा सोना मिला।

कार में सवार लोगों के पास सोने के कागजात मांगे गए लेकिन उनके पास कोई संबंधित कोई दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने पूछताछ की तो जांच में पता चला कि यह सोना रायपुर के एक कारोबारी का है। पूछताछ में पता चला की यह सोना महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश के रास्ते रायपुर लाया जा रहा था। रास्ते में किसी तरह की दिक्कत नहीं हो जिस कारण से सोने को ग्रामीण इलाकों और जंगली रास्तों के लेकर आया जा रहा था।

2 हजार का चालान बनाकार छोड़ा

जांच के दौरान पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को काफी देर तक रोककर रखा। उसके बाद मामले की जानकारी सीनियर अधिकारियों को दिए बिना मात्र 2 हजार रुपए का चालान काटकर गाड़ी छोड़ दी। कहा जा रहा है कि इस दौरान पुलिसकर्मियों को अलग से कमीशन दिया गया जिसके बाद उन्होंने गाड़ी छोड़ दी।

एसपी ने किया सस्पेंड

मामले का खुलासा होने के बाद खैरागढ़ एसपी ने सख्त एक्शन लिया है। एसपी ने इस मामले में गातापार थाना प्रभारी आलोक साहू, एसआई नंदकिशोर वैष्णव और प्रधान आरक्षक तैजान ध्रुव को निलंबित कर दिया है। तीनों के खिलाफ विभागीय जांच के भी निर्देश दिए गए हैं। वहीं, इसकी भी जांच शुरू कर दी गई है कि यह सोना राजधानी रायपुर के किस कारोबारी का है। गाड़ी नंबर के आधार पर जांच शुरु कर दी गई है।

धनबाद कोयला खदान में हादसा

चापापुर ओसीपी में मलबा गिरने से 2 की मौत, 5 अन्य दबे, एक घायल

धनबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र स्थित चापापुर ओसीपी में अवैध कोयला खनन के दौरान बड़ा हादसा हुआ। कोयले का अंबार गिरने से दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को परिजन एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, अभी भी पांच से छह लोग मलबे में दबे हुए हैं। दोनों मृतक निरसा थाना क्षेत्र के तालबेडिया गांव के निवासी थे। मलबे में दबे अन्य लोग आसपास के गांवों से थे, जो रोज कोयला खनन करते थे। घटनास्थल निरसा थाने से कुछ ही दूरी पर है। यहां से बड़े पैमाने पर अवैध कोयला निकाला जाता है। इसे आसपास के कोयला भट्ठों में भेजा जाता है। पिकअप वैन से गोबिंदपुर और कालुबथान थाना क्षेत्र के भट्ठों में भी कोयला पहुंचाया जाता है।

सीएएफ जवान ने साली-चाचा ससुर की गोली मारकर हत्या की

ड्यूटी छोड़कर ससुराल पहुंचा, फिर सर्विस राइफल से दोनों पर दो-दो गोलियां दागी

कोरबा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कोरबा जिले में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के जवान ने सर्विस राइफल से अपनी साली और चाचा ससुर को गोली मार दी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद भाग रहे जवान को पकड़कर ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। घटना हरदी बाजार थाना इलाके की है।

मृतकों की पहचान साली मदालसा बिन्धराज (21) और चाचा ससुर राजेश कुमार (35) के रूप में हुई है। लड़की कॉलेज में पढ़ती थी। वजह घरेलू विवाद बताई जा रही है। पुलिस ने उसकी सर्विस इंसास राइफल भी जब्त कर ली है। आरोपी जवान से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मड़वारानी स्थित सीएएफ कैंप में जवान टेसराम बिंझवार उर्फ जगन्नाथ बिंझवार आरमोरार (बंदूक की सफाई) पद पर पदस्थ है। दो साल पहले उसकी शादी अवध बाई से हुई थी। पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते पारिवारिक बैठक कर दोनों अलग हो गए थे। बुधवार को रिजर्व बल में उसकी ड्यूटी लगी थी। लेकिन सुबह ड्यूटी छोड़कर पैदल ही महुआ-डी से अपने घर पहुंच गया। वहां से अपनी सर्विस राइफल उठाकर सीधे उमेंदी भांठागांव पहुंचा। जिसके बाद मंदिर चौक के पास घर में घुसकर उसने साली को 2 गोली मारी, फिर भागने लगा तो चाचा राजेश पकड़ने के लिए दौड़ा। इसी दौरान मेन रोड पर चाचा ससुर को भी 2 गोली मार दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, वारदात के बाद भागने की कोशिश कर रहे आरोपी जवान को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हरदी बाजार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ कर रही है। वहीं, सीएएफ कैंप के अधिकारियों को घटना की सूचना दे दी गई है। इस मामले में कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी का कहना है कि, शुरुआती जांच में घरेलू विवाद की वजह सामने आई है। लेकिन मामले की विस्तार से जांच की जाएगी, उसके बाद ही वजह स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

नदी के ऊपर बना अस्थायी पुल तेज बारिश में बहा

जामताड़ा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले में मंगलवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। देवघर-चितरा मुख्य मार्ग पर स्थित दक्षिणबहाल पुल के पास बना अस्थायी एप्रोच रोड तेज बारिश की वजह बह गई। इसी दौरान उसके ऊपर से गुजर रही एक वैगन आर कार फंस गई।

दरअसल, पुल पहले से ही क्षतिग्रस्त था और स्थानीय लोगों ने एक सप्ताह पहले अस्थायी रास्ता तैयार किया था। मंगलवार रात करीब साढ़े बारह बजे भारी बारिश से यह रास्ता धंस गया और उसी दौरान कार पानी के तेज बहाव में फंस गई।

जामताड़ा थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि कार में जामताड़ा डीटीओ कार्यालय के चालक मिथुन कुमार और आउटसोर्सिंग कर्मी वेद प्रकाश समेत कुल पांच लोग सवार थे। हादसे के दौरान चार लोग किसी तरह कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। लेकिन, वेद प्रकाश अब तक लापता हैं।

हादसे के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और प्रशासन को सूचना दी। बुधवार सुबह ट्रैक्टर और ग्रामीणों की मदद से कार को पानी से बाहर निकाला गया। वहीं, लापता युवक की तलाश के लिए प्रशासन ने देवघर से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। ग्रामीणों ने इस हादसे के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि दक्षिणबहाल पुल लंबे समय से क्षतिग्रस्त था, लेकिन इसकी मरम्मत के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया। मजबूरी में लोगों को इसी अस्थायी रास्ते का उपयोग करना पड़ रहा था।

कांग्रेस ने तेजस्वी को सीएम फेस नहीं घोषित किया

अल्लावरू ने कहा- बिहार का मुख्यमंत्री जनता चुनेगी, हम हर घर अधिकार यात्रा निकालेंगे

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में कांग्रेस के नेताओं की दो दिनों की बैठक के बाद बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि, हम फिर से जनता के बीच हर घर अधिकार यात्रा लेकर जाएंगे।

महागठबंधन में सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने तेजस्वी का नाम नहीं लिया। अल्लावरू ने कहा कि, बिहार का सीएम जनता तय करेगी।इससे पहले वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी भी महागठबंधन में सीएम फेस को सवाल को टाल गए थे।

हालांकि, राजद और मुकेश सहनी की पार्टी वीआइपी तेजस्वी को महागठबंधन का सीएम फेस प्रोजेक्ट कर चुके हैं।

सीट शेयरिंग के सवाल पर अल्लावरू ने कहा कि, हम मानते हैं कि गठबंधन में नए साथी आएंगे तो सभी को कंप्रोमाइज करना होगा, तभी नए साथी को मौका मिलेगा। हर प्रदेश में अच्छी और खराब सीटें होती हैं। बंटवारे में अच्छी और बुरी सीटों का ध्यान रखना चाहिए। सीट शेयरिंग समय पर कर ली जाएगी।

इसके साथ ही कहा कि, कांग्रेस अपना मेनिफेस्टो जारी नहीं करेगी। मेनिफेस्टो महागठबंधन का होगा। मेनिफेस्टो को लेकर हम हर घर अधिकार यात्रा निकालेंगे। इसमें लोगों को मेनिफेस्टो की जानकारी दी जाएगी। बिहार में पेपर लीक हो रहे हैं। युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। बीजेपी के राज में क्राइम बढ़ रहा है। जब तक वोट चोरी से सरकार बनती रहेगी। जनता का विकास नहीं होगा। वोटर अधिकार यात्रा से हमने लोगों को ये समझाया वो समझ गए हैं। बच्चा-बच्चा कह रहा है वोट चोर गद्दी छोड़।

वोट चोरी जनता की हर समस्या की जड़ है। बिहार के हालत बदलने के लिए सरकार बदलनी होगी। मंगलवार की बैठक में बिहार के चुनाव को लेकर काफी गहराई में चर्चा हुई। सीट, शेयरिंग, कैंडिडेट्स सिलेक्शन, मेनिफेस्टो पर मंथन हुआ। इससे पहले मंगलवार को राहुल गांधी और खड़गे की अध्यक्षता में बिहार के नेताओं के साथ 2 घंटे तक सीट शेयरिंग पर मंथन हुआ। सूत्रों की माने तो कांग्रेस बिहार में 70 सीटों पर अड़ी है। मीटिंग के बाद बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा, बिहार चुनाव को लेकर कैंपेन, मेनिफेस्टो, कैंडिडेट का चुनाव जैसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा हुई और आगे की रणनीति तैयार की गई।

धनबाद लॉ कॉलेज में छात्र संगठनों के बीच झड़प

धनबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सदर थाना क्षेत्र स्थित लॉ कॉलेज में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन के छात्रों के बीच जमकर झड़प हुई। इस घटना में दोनों संगठनों के कुल 6 छात्र घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, एबीवीपी के छात्र कॉलेज में अश्लील गानों के विरोध में प्राचार्य डॉ. कमल किशोर को आवेदन देने पहुंचे थे। इसी दौरान पहले से परिसर में मौजूद एआईएसए के छात्रों से उनकी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस हाथापाई में बदल गई और स्थिति बिगड़ गई।

झड़प में एआईएसए के जिला अध्यक्ष रितेश मिश्रा, छात्र नेता रवि चौधरी और छात्रा पल्लवी कुमारी घायल हो गए। वहीं एबीवीपी की ओर से ऋषि लाल और विशाल ओझा गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। दोनों का इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत स्थिर है लेकिन निगरानी में रखा गया है।

इधर, प्राचार्य डॉ. कमल किशोर ने बताया कि यह विवाद नया नहीं है। 8 अगस्त से ही दोनों गुटों के बीच तनातनी चल रही थी। मंगलवार को शिक्षक दिवस कार्यक्रम के दौरान स्थिति और तनावपूर्ण हो गई थी। बुधवार को एबीवीपी के छात्र जब आवेदन देने पहुंचे तो यह झगड़े का कारण बन गया। कॉलेज प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस को सूचना दी। प्राचार्य के अनुसार, एबीवीपी के छात्र जबरन कॉलेज परिसर में घुस आए, जिसके बाद स्थिति बेकाबू हो गई।

सबसे ज्यादा अचानकमार टाइगर रिजर्व में हैं बाघ

तीन सालों में दोगुनी हो गई संख्या, आंकड़े देखकर खुश हुए सीएम

रायपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या पिछले तीन वर्षों में दोगुनी हो गई है। वर्ष 2022 में जहां बाघों की संख्या 17 थी, वहीं अप्रैल 2025 के सर्वेक्षण में यह बढ़कर 35 हो गई। यह जानकारी मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में सम्पन्न छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव कल्याण बोर्ड की 15वीं बैठक में दी गई। बैठक में सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वन्य प्राणियों का संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राथमिकता है। हमारा राज्य वन संपदा और वन्य प्राणियों के मामले में अत्यंत समृद्ध है। इन्हें सुरक्षित और विकसित करने के लिए सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में बाघों की संख्या में तीन वर्षों के भीतर हुई दोगुनी वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बाघों की संख्या 17 से बढ़कर 35 होना इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में संतोषजनक कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि अब हमें अन्य वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी ठोस प्रयास करने होंगे। छत्तीसगढ़ के कई इलाके ऐसे हैं जिन्हें वन्यजीव संरक्षण के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

सीएम ने कहा- जशपुर जिले के नीमगांव में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं। यहां प्रवासी पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन हेतु आवश्यक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इसी तरह अन्य क्षेत्रों की पहचान कर उनका भी विकास किया जाना चाहिए। इससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य में बाघों की संख्या के साथ-साथ अन्य वन्य प्राणियों के संरक्षण और संवर्धन में भी वृद्धि हुई है तथा उनके रहवासों में सुधार के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में सर्वाधिक बाघ अचानकमार टाइगर रिजर्व में हैं। राज्य वन्यजीव बोर्ड की 14वीं बैठक में पारित निर्णय के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व और गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व में मध्यप्रदेश से बाघ एवं बाघिन के ट्रांसलोकेशन की अनुमति मिल चुकी है। शीघ्र ही ट्रांसलोकेशन की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी। उन्होंने बताया कि राजकीय पशु वनभैंसा की संख्या बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। असम से लाए गए वनभैंसों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इसी प्रकार राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना के संरक्षण हेतु भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। "मैना मित्र" नामक समूह का गठन किया गया है, जो मैना के संरक्षण और उनके रहवास की निगरानी करता है। राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अन्य सुविधाएं विस्तारित की जा रही हैं, जिससे समीपवर्ती ग्रामवासियों को रोजगार मिलेगा और वन्यजीव संरक्षण में भी सहयोग प्राप्त होगा।

वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करने वाले लुटेरे गिरफ्तार

पलामू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने चार हाईटेक लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से बंदूक और चार वॉकी-टॉकी बरामद किए हैं। आरोपी ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म से खरीदे गए वॉकी-टॉकी के जरिए लूट की योजना बनाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों में भिखही गांव के रंजन उरांव उर्फ मुन्ना (19), मंजीत कुमार (22), अरर गांव के विकेश कुमार उर्फ विकाश कुमार (19) और छोटु कुमार उर्फ सागर राज (22) शामिल हैं। सभी छतरपुर थानाक्षेत्र के रहने वाले हैं।

एसपी रीष्मा रमेशन के अनुसार, सूचना मिली कि छतरपुर थाना क्षेत्र के हाई स्कूल के पीछे कुछ अपराधी जमा हैं। एसडीपीओ अवध यादव के निर्देशन में थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। एक आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

रांची से आईएसआईएस का संदिग्ध गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस और एटीएस की संयुक्त कार्रवाई पलामू में युवक से की पूछताछ, फिर छोड़ा

रांची, 10 सितंबर (एजेंसियां)। रांची से बुधवार को संदिग्ध आईएसआईएस आतंकवादी अजहर दानिश को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल, झारखंड एटीएस और रांची पुलिस ने रांची के इस्लामनगर इलाके में ये कार्रवाई की है। टीम ने यहां के तबरक लॉज से संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। बीते करीब डेढ़ वर्षों से दानिश रांची के इस लॉज में रह रहा था(वह 14 जनवरी 2024 को लॉज में रहने आया था।

अजहर के खिलाफ दिल्ली में एक मामला दर्ज था। इसके आधार पर दिल्ली स्पेशल सेल उसकी तलाश कर रही थी। उससे पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक अब उसे दिल्ली ले जाया जाएगा।

छापेमारी के दौरान दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को लॉज के कमरे में कई आपत्तिजनक चीजें मिली हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार टीम ने कमरे से कुछ केमिकल, आपत्तिजनक दस्तावेज और नक्शे आदि बरामद किए गए हैं। झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा के मुताबिक दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को मिले इनपुट पर यह रेड की गई है। जो भी दस्तावेज बरामद हुई है, जांच के बाद उसके बारे में जानकारी दी जाएगी।

जांच के दौरान टीम ने पाया कि कमरा लेने से पहले अजहर ने एक बुकिंग फॉर्म भरा। इस फॉर्म में उसने अपना पता बोकारो के पेटरवार का दिया है। दानिश ने अपना आधार नंबर के साथ-साथ अपना मोबाइल नंबर भी दर्ज करवाया था। दिए गए पता के मुताबिक दानिश के पिता का नाम मजरुल हसन है। अब यह पता सही है या नहीं इसकी जांच की जा रही है। लगातार निगरानी और खुफिया इनपुट के बाद आखिरकार रांची में उसे दबोचने में सफलता मिली।

टीम ने पलामू में भी छापेमारी की है। जपला के मुस्लिम नगर के रहने वाले मुन्ना चूड़ीहारा को हिरासत में लिया। टीम ने उससे लगभग 12 घंटे पूछताछ की।

सुरक्षा एजेंसियां यह जानने की कोशिश की कि क्या वह भी अजहर दानिश के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है या नहीं। पूछताछ से कई अहम कड़ियां जुड़ने की उम्मीद जताई गई थी। पूछताछ के दौरान कई अन्य सवाल जवाब किए गए। इसके बाद टीम ने उसे छोड़ दिया।

आईएसआईएस से जुड़े मामलों में अब तक झारखंड के कई जिलों से संदिग्ध पकड़े जा चुके हैं। इस ताजा गिरफ्तारी ने एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस मिलकर इस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है।

थाने के बाहर महिला ने खुद को लगाई आग

चीखते-चिल्लाते अंदर घुसी, 5 साल पहले की थी लव-मैरिज, बहन बोली-रोज पीटता था पति

रायपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के महिला थाना परिसर में एक महिला ने खुद को आग लगा ली। आग लगाने के बाद वह चीखते-चिल्लाते हुए दौड़कर थाने के अंदर घुस गई। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह महिला के ऊपर कपड़े और पानी डालकर आग पर काबू पाया।

महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। महिला गंभीर रूप से झुलस गई है।

पति-पत्नी के आपसी विवाद के बाद महिला काउंसलिंग के लिए थाने पहुंची थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की बहन ने बताया कि पति शिवम गोस्वामी ने उसे रात को घर से बाहर निकाल दिया था। उससे मारपीट की थी। गर्दन पर लात रख दिया था। दोनों ने 5 साल पहले लव मैरिज की थी। दोनों के 2 बच्चे भी है। बहन के मुताबिक शादी के बाद से ही पति महिला को प्रताड़ित कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी के आपसी विवाद के बाद पीड़िता काउंसलिंग के लिए महिला थाने पहुंची थी।

दोपहर 12-12.30 बजे महिला बाहर बैठी हुई थी, तभी उसने अचानक खुद पर आग लगा ली और महिला थाने के अंदर घुस गई। थाने में मौजूद स्टाफ से महिला को चीखते चिल्लाते हुए देखा तो वह तत्काल उसकी तरफ भागे। उन्होंने पानी डालकर आग को बुझाई।

महिला के शरीर के कुछ कपड़े आग की चपेट में आकर जल गए हैं। वहीं, शरीर का कुछ हिस्सा भी आग में जख्मी हो गया है। इसके बाद तत्काल महिला को डीकेएस अस्पताल ले जाया गया है। जहां महिला का इलाज जारी है। महिला ने किस ज्वलनशील पदार्थ से आग लगाई है। यह साफ नहीं हो पाया है।

अस्पताल में महिला की बहन ने बताया कि साल 2020 में पीड़िता ने रायपुर के ही शिवम गोस्वामी से लव मैरिज की थी। लव मैरिज के बाद बहन को बहुत समस्या हो रही थी। शिवम बाहर जुआ खेलता है, सट्टा खेलता है। घर आकर बहन से मारपीट करता है। कहता है तेरी बहन को चाकू मार दूंगा, भाई को चाकू मार दूंगा। घर में आग लगा दूंगा।

पुलिसकर्मी के बेटे की बिजली गिरने से मौत

100 मीटर दूर में ही था चालक बच्चे के छाती पर गिरी बिजली

रायपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर में पुलिसकर्मी के बेटे की स्कूल में बिजली गिरने से मौत हो गई है। बताया जा रहा कि बच्चे शॉर्ट लंच में मैदान में खेल रहे थे। इसी दौरान एक बच्चे के छाती पर बिजली गिरी। जिस जगह पर बच्चा खड़ा था, उसे 100 मीटर में ही चर्च के टावर पर तड़ित चालक लगा हुआ था।

आशंका जताई जा रही है कि बिजली का एक हिस्सा बच्चे पर गिरा। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला राजेंद्र नगर थाना इलाके के अमलीडीह का है। मिली जानकारी के मुताबिक, सेंट जोसेफ स्कूल में प्रभात साहू कक्षा दसवीं का स्टूडेंट था। शॉर्ट लंच के टाइम पर वह अपने दोस्तों के साथ फ्रिसबी खेल रहा था।

बिलासपुर एसएसपी का एबीवीपी नेताओं को गाली देते वीडियो वायरल

रजनेश सिंह बोले-क्या मांग है, ये तरीका है बे पुलिसवालों ने छीना मोबाइल, चाकूबाजी पर बवाल

बिलासपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में चाकूबाजी की वारदातें तेजी से बढ़ रही है। बढ़ते क्राइम को लेकर एबीवीपी ने एसपी ऑफिस का घेराव कर दिया। इस दौरान एसएसपी रजनेश सिंह ने छात्र नेताओं से गाली-गलौज की, जिससे आक्रोश भड़क गया। एसएसपी ने गुस्से में कहा कि तुम्हारी क्या मांग है, ये क्या तरीका है बे।

एसएसपी के बे कहने से छात्र नेता भड़क गए। पुलिस और एबीवीपी नेताओं के बीच जमकर बहस हुई। इस दौरान वीडियो बनाता देखकर पुलिसकर्मियों ने एबीवीपी के छात्र नेताओं से मोबाइल छीन लिया। गुस्साए छात्र नेता धरने पर बैठ गए। जमकर नारेबाजी की। हालांकि बाद में मोबाइल लौटाया, जिसके बाद छात्रों ने पेड़ पर ज्ञापन चस्पा कर चले गए। दरअसल, बुधवार को पुलिस प्रशासन और चाकूबाजी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए छात्रों की भीड़ एसपी दफ्तर तक पहुंच गई। नारेबाजी कर रहे छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को एसएसपी रजनेश सिंह ने अपने रूम में बुलाया, लेकिन छात्र नेता एसएसपी को बाहर आने के लिए जिद करने लगे।

पुलिसकर्मियों ने छात्र नेताओं को समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन छात्र नेता एसएसपी को ज्ञापन देने के लिए अड़े रहे। आखिरकार, एसएसपी रजनेश सिंह उनसे मिलने आए। तब छात्र एसपी ऑफिस में ज्ञापन चस्पा करने की बात कहने लगे। हालांकि, टीआई और पुलिसकर्मियों ने उन्हें ऐसा करने से रोका। वीडियो में दिख रहा है कि छात्रों की मांग पर एसएसपी रजनेश सिंह बाहर अपने रूम से बाहर निकले। उनकी मांग सुने बिना ही एसएसपी सिंह अचानक भड़क गए।

वीडियो में दिख रहा है कि छात्रों के विरोध के तरीके को लेकर बे कहकर गाली दे दिए। इस पर छात्र नेताओं ने उनका विरोध किया। एसएसपी भड़के तब छात्र नेताओं ने उनका वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

हालांकि, छात्र नेता भी एसपी से हॉट टॉक करते दिख रहे हैं। इतने में वहां मौजूद टीआई समेत पुलिसकर्मियों ने छात्रों के हाथ से मोबाइल छीन लिया। बवाल के बीच एसएसपी रजनेश सिंह फिर अपने ऑफिस के अंदर चले गए। इस दौरान छात्र नेताओं ने अपने मोबाइल लौटाने की मांग की। पुलिस अफसर उनका नाम पता दर्ज करने के बाद मोबाइल देने की बात कहने लगे।

इसके बाद छात्र नाराज हो गए। एसपी ऑफिस के बाहर एसएसपी रजनेश सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए। छात्र नेताओं को समझाइश देने की कोशिश की गई, लेकिन छात्र नेता पेड़ पर ज्ञापन चस्पा कर चले गए। एसपी ऑफिस के बाहर बवाल के बीच एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल, एडिशनल एसपी अनुज कुमार, सीएसपी रश्मित कौर, सीएसपी निमितेश सिंह सहित तीन थानेदार और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

एफवाई26 में जीडीपी वृद्धि दर पर टैरिफ का असर 0.2-0.3% रहने का अनुमान

सीईए बोले– जीएसटी सुधारों से असर घटेगा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कोविड के बाद भारत शायद जी20 का एकमात्र ऐसा देश रहा है जिसने पिछले चार वर्षों, 2021-22 से 2024-25 तक, लगभग समान दर से विकास किया है और यह आगे भी जारी रहेगा। एआईएमए के एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने यह बात कही। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा है कि वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से अमेरिका की ओर से भारतीय माल पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के प्रभावों को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि पर टैरिफ का शुद्ध प्रभाव 0.2-0.3 प्रतिशत रहेगा।

जुलाई से सितंबर तिमाही में भी मजबूत रहेंगे वृद्धि दर के आंकड़े

उन्होंने कहा कि जुलाई और अगस्त के आंकड़ों के आधार पर, दूसरी तिमाही के शुरुआती संकेत बताते हैं कि विकास के आंकड़े जुलाई से सितंबर की दूसरी तिमाही के लिए भी अच्छे रहेंगे। यह संभव है कि हम पिछले 11 वर्षों में इस सरकार के तहत पहले ही किए गए सभी संरचनात्मक सुधारों के प्रभाव को कम करके आंक रहे हों। चाहे वह भौतिक बुनियादी ढांचे में सुधार हो, डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण हो, छोटे और मध्यम उद्यमों मजबूत करने के लिए बीते वर्षों में उठाए गए कदम हों या ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हो अपने देश में एक सजग आर्थिक माहौल बनाया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि इसके अलावा दिवाला संहिता, जीएसटी, रियल एस्टेट विनियमन अधिनियम, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकिंग का पूंजीकरण और कंसोलिडेशन जैसे संरचनात्मक सुधार और निश्चित रूप से कोविड के बाद बनी स्थिति से निपटने में लक्षित, समयबद्ध और संतुलित रहे हैं।

चार स्लैब वाले जीएसटी के ढांचे को दो स्लैब वाले ढांचे में बदला गया

उन्होंने कहा कि जीएसटी में हुए सुधार अमेरिका से जो निर्यात मांग पूरी नहीं हो पाएगी उसकी पूर्ति घरेलू मांग से करके अहम भूमिका निभाएंगे। जीएसटी परिषद ने पिछले हफ्ते कर व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की चार स्लैब वाली जीएसटी संरचना को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो स्लैब वाली संरचना में बदल दिया है।

परिषद ने 40 प्रतिशत की नई जीएसटी दर बनाई है, जो अहितकर और विलासिता की वस्तुओं पर लगाई जाएगी। 22 सितंबर को नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी में बदलाव लागू होने पर साबुन से लेकर कार, शैंपू से लेकर ट्रैक्टर और एयर कंडीशनर तक लगभग 400 उत्पादों की कीमतें कम हो जाएंगी। एआईएमए की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार घरेलू मांग पैदा करके दूसरे और तीसरे दौर के प्रभावों को कम करने में मदद करेंगे और इस प्रकार पूंजी निर्माण के रास्ते में आने वाली अनिश्चितता को दूर करेंगे।

उन्होंने कहा, हालांकि आपको यह याद रखना चाहिए कि चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में अमेरिका को वस्तुओं का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधा हो चुका है।

बुरे फंसे अनिल अंबानी! ईडी ने मनी लॉन्डरिंग के तहत दर्ज किया नया केस

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।अनिल अंबानी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। कुछ दिन पहले सेबी ने उनकी उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने यस बैंक में किए गए निवेश की जांच बंद करने की मांग की थी। खबर है कि केंद्र की जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट के तहत नया केस दर्ज किया है।

इस केस में उन पर और उनकी कंपनी पर भारतीय स्टेट बैंक को करीब 2,929 करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। यह केस सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर दर्ज किया गया है, जो 21 अगस्त को सामने आई थी। दरअसल, सीबीआई ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन पर 2,929 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड का केस बनाया था। इसके बाद 23 अगस्त को मुंबई में सीबीआई ने उनके ऑफिस और अनिल अंबानी के घर पर छापेमारी भी की थी।

अनिल अंबानी का आरोपों से साफ इंकार

इस मामले के सामने आने के बाद अनिल अंबानी की ओर से जारी बयान में आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया गया था। उनके प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले में उन्हें चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संबंधित शिकायत एसबीआई द्वारा उन मामलों पर की गई है जो लगभग दस साल पहले के हैं। बयान में कहा गया कि उस वक्त अनिल अंबानी आरकॉम के गैर-कार्यकारी निदेशक थे और कंपनी के रोज़मर्रा के प्रबंधन में उनका कोई सीधा भाग नहीं था। वहीं, सीबीआई की कार्रवाई के बाद ईडी ने भी इस मामले में मनी लॉन्डरिंग के शक के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

बैंक लोन की हो रही है पड़ताल

ईडी ने अब तक तीन अलग-अलग मामलों में अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों की कथित बैंक धोखाधड़ी में भूमिका की जांच की है। 18 अगस्त को मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया था कि ईडी ने अनिल अंबानी की रिलायंस ग्रुप की कई वरिष्ठ अधिकारियों से 17,000 करोड़ रुपए के बैंक लोन घोटाले की जांच के सिलसिले में पूछताछ की है। जांच के दौरान ईडी ने करीब 20 से ज्यादा निजी और सार्वजनिक बैंकिंग संस्थानों को पत्र लिखकर रिलायंस ग्रुप को दिए गए लोन और उनकी क्रेडिट जांच की जानकारी मांगी है।

इस मामले में ईडी ने मंगलवार को अनिल अंबानी के पूर्व करीबी सहयोगी अमिताभ झुनझुनवाला से भी पूछताछ की, जो पहले भी इस जांच के दौरान एजेंसी के सामने आ चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, इस बैंक धोखाधड़ी का पता तब चला जब एसबीआई के मुंबई ब्रांच की डीजीएम ज्योति कुमार ने 18 अगस्त को ईडी को शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर ईडी ने केस दर्ज किया है। ज्योति कुमार ने बताया कि यह मामला अक्टूबर 2020 में एक फॉरेंसिक ऑडिटर की रिपोर्ट के माध्यम से उजागर हुआ था।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 323 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के सफल समापन को लेकर नए उत्साह के बीच बुधवार को सेंसेक्स 323 अंक चढ़ गया। वहीं निफ्टी लगातार छठे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। आईटी और पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में तेजी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अगले सप्ताह ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से भी बाजारों में आशावाद बढ़ा। बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 323.83 अंक या 0.40 प्रतिशत चढ़कर 81,425.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 542.56 अंक या 0.66 प्रतिशत बढ़कर 81,643.88 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 104.50 अंक या 0.42 प्रतिशत बढ़कर 24,973.10 अंक पर पहुंच गया।सेंसेक्स की कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, टाटा मोटर्स और अल्ट्राटेक सीमेंट पिछड़ने वालों में शामिल रहे। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में आई नरमी के संकेत देते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता के किसी सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि वह आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।मंगलवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका, दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आगामी सप्ताहों में अपने बहुत अच्छे मित्र, प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे विश्वास है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में विश्वास व्यक्त किया कि चल रही वार्ता उनके बीच साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ताओं को लेकर नए सिरे से आशावाद ने बाजार की धारणा को मजबूत किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

मेष

सिंह

कर्क

04-24 बजे, 06-30 बजे, 08-36 बजे, 10-45 बजे, 12-59 बजे, 15-06 बजे, 16-56 बजे, 18-38 बजे, 20-14 बजे, 21-59 बजे, 00-00 बजे, 02-11 बजे

दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले

चतुर्थी 12-45 तक उपरान्त पंचमी

आश्विन कृष्ण ,गुरुवार 11 September

अश्विनी 13-57 तक उपरान्त भरणी

धुव्र 17-04 तक व्याघात

बालव 12-45 तक उप कौलव

पंचमी का श्राद्ध

सर्वार्थसिद्ध योग 06-25 से

राहुकाल 13-45 सें 15-16 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ 06-06 - 07-37	शुभ	अमृत 18-23 - 19-48	शुभ
रोग 07-37 - 09-09	अशुभ	चंचल 19-48 - 21-17	शुभ
उत्पात 09-09 - 10-41	अशुभ	रोग 21-17 - 22-45	अशुभ
चंचल 10-41 - 12-13	शुभ	काल 22-45 - 00-13	अशुभ
लाभ 12-13 - 13-45	शुभ	लाभ 00-13 - 01-41	शुभ
अमृत 13-45 - 15-16	शुभ	उत्पात 01-41 - 03-09	अशुभ
काल 15-16 - 16-48	अशुभ	शुभ. 03-09 - 04-32	शुभ
शुभ 16-48 - 18-23	शुभ	अमृत 04-32 - 06-06	शुभ

अर्थशास्त्र से परे बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव व रणनीतिक सवाल, भविष्य में दिखेगा असर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।बांग्लादेश में चीन की मौजूदगी अब केवल आर्थिक गलियारों और अवसंरचना वित्तपोषण तक सीमित नहीं है। यह सैन्य सहयोग, डिजिटल तकनीक और सांस्कृतिक कूटनीति तक फैल चुकी है। बीजिंग इसे 'विकास साझेदारी' कहकर पेश करता है, लेकिन गहराई से देखने पर तस्वीर और जटिल है। यह बांग्लादेश को चीन के व्यापक रणनीतिक प्रभाव क्षेत्र में गहराई से पिरोने की महत्वाकांक्षा का हिस्सा है। आने वाले समय में इसका बड़ा असर देखने को मिलेगा।चीन-बांग्लादेश के रिश्तों पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। दशकों से चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा सैन्य आपूर्तिकर्ता रहा है। पनडुब्बियों और फ्रिगेट से लेकर लड़ाकू विमानों और मिसाइल सिस्टम तक, बीजिंग ने ढाका की रक्षा क्षमताओं में गहरा प्रवेश कर लिया है। 2016 में बांग्लादेश ने चीन से मिंग-श्रेणी की दो पनडुब्बियां खरीदीं, जिन्हें चीनी ऋण से वित्त पोषित किया गया था। यह सौदा एक मोड़ साबित हुआ, जिसने बंगाल की खाड़ी में बीजिंग की बढ़ती भूमिका को लेकर नई दिल्ली की चिंता बढ़ा दी। बांग्लादेश का कहना है कि ये खरीद रक्षा आधुनिकीकरण और आत्मरक्षा की जरूरतों से प्रेरित हैं। लेकिन विश्लेषक मानते हैं कि चीनी सैन्य उपकरण केवल हार्डवेयर तक सीमित नहीं रहते, इसके साथ प्रशिक्षण, रखरखाव और खुफिया सहयोग जैसी परतें भी जुड़ी होती हैं। यह चीन को ढाका की रक्षा क्षमताओं पर दीर्घकालिक प्रभाव और पकड़ देता है। यह परिदृश्य भारत के दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग है। भारत का सैन्य सहयोग संयुक्त अभ्यास, आतंकवाद-रोधी साझेदारी और क्षमता निर्माण पर आधारित है। जहां परस्पर निर्भरता तो होती है, लेकिन उलझनभरी पकड़ या रणनीतिक बंधन नहीं।चीन का प्रभाव डिजिटल क्षेत्र तक भी गहराई से फैला है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की पहल डिजिटल सिल्क रोड के जरिए चीनी टेलीकॉम कंपनियां हुवावे और जेडटीई बांग्लादेश की डिजिटल अवसंरचना में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। 5जी नेटवर्क से लेकर निगरानी तकनीकों तक, उनका दखल लगातार बढ़ रहा है। एक ओर इससे बांग्लादेश की डिजिटल प्रगति तेज हुई है, लेकिन दूसरी ओर डेटा सुरक्षा और तकनीकी निर्भरता को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। अफ्रीका में देखे गए उदाहरणों की तरह, जहां हुवावे के उपकरणों से गुप्त डेटा ट्रांसफर की बातें सामने आईं। वैसे ही बांग्लादेश में भी निगरानी और बैकडोर एक्सेस का खतरा नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खासकर तब, जब देश में डिजिटल गवर्नेंस अभी विकसित हो ही रही है। चीनी तकनीक पर अति-निर्भरता सूचना युग में बांग्लादेश की संप्रभुता को चुनौती दे सकती है। डेटा का इस्तेमाल दबाव बनाने या मित्र देशों के खिलाफ मनचाहे तरीके से भी किया जा सकता है।बंदरगाहों और पॉवर प्लांट्स के साथ-साथ बीजिंग ने सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ाने में भी निवेश किया है। बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों में कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट्स की बढ़ोतरी, चीनी शैक्षणिक संस्थानों में छात्रवृत्ति, और राज्य-प्रायोजित सांस्कृतिक आदान-प्रदान इस दिशा में बड़े कदम हैं। लोगों का लोगों से संपर्क अपने आप में गलत नहीं, लेकिन आलोचक मानते हैं कि इस तरह की 'सॉफ्ट पॉवर' अक्सर राजनीतिक संदेशों के साथ मिल जाती है। यह चीन के को फायदा पहुंचाने वाली नीतियों को आगे बढ़ाती है और आलोचनात्मक बहस को हाशिए पर धकेल देती है। इसके विपरीत, भारत अपने साझा भाषाई, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को महत्व देता है, जो बांग्लादेशी समाज के साथ स्वाभाविक जुड़ाव पैदा करते हैं।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट

सोना 1.09 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी 626 गिरकर 1.24 लाख किलो बिक रही

देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत

शहर	10 ग्राम 24 कैरेट	10 ग्राम 22 कैरेट
जयपुर	₹1,10,660	₹1,01,450
इंदौर	₹1,10,560	₹1,01,350
पटना	₹1,10,730	₹1,01,500
लखनऊ	₹1,10,660	₹1,01,450
कानपुर	₹1,10,660	₹1,01,450
रायपुर	₹1,10,730	₹1,01,500
अहमदाबाद	₹1,10,560	₹1,01,350
हैदराबाद	₹1,10,730	₹1,01,500

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 10 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार आज सोना 66 रुपए गिरकर 1,09,409 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 1,09,475 रुपए पर था। वहीं, चांदी 626 रुपए गिरकर 1,24,144 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,24,770 रुपए थी।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,10,660 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,450

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,10,510 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,130

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,10,510 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,130

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,10,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,150

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,10,560 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350

एलन मस्क की खत्म होगी बादशाहत

इस अरबपति ने झटके में कमाए 6 लाख करोड़!

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अरबपतियों की दुनिया में एलन मस्क की बादशाहत काफी दिनों से देखने को मिल रही है. लेकिन अब मस्क की नंबर 1 की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है. दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों में शुमार ओरेकल के को-फाउंडर लैरी एलिसन एलन मस्क को बड़ी चुनौती देते हुए दिखाई दे रहे हैं. खास बात तो ये है कि दोनों की नेटवर्थ में करीब 20 अरब डॉलर का अंतर रह गया है लैरी एलिसन दुनिया के दूसरे ऐसे कारोबारी हैं, जिनकी दौलत 350 अरब डॉलर के पार पहुंच है. वास्तव में लैरी एलिसन की कुल नेटवर्थ में मंगलवार को 70 अरब डॉलर का इजाफा देखने का मिला है. वास्तव में ओरेकल के शेयरों में कारोबार के बाद के घंटों में 26 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है. ये इजाफा साल 1999 के बाद देखने को मिला है. जिसकी वजह से नेटवर्थ में बढ़ोतरी हुई है. टेक कंपनी के तिमाही नतीजे काफी शानदार रहे हैं. जिसका असर कंपनी के शेयरों में देखने को मिला है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर विदेशी मीडिया रिपोर्ट में किस तरह के आंकड़े देखने को मिले हैं.मंगलवार देर रात ओरेकल कॉर्प की शानदार तिमाही नतीजे जारी होने के बाद लैरी एलिसन दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी के रूप में एलन मस्क को पीछे छोड़ने के और करीब पहुंच गए, जिससे कंपनी के शेयरों में कारोबार के बाद के घंटों में 26 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई. कागजों पर, इस तेजी ने एलिसन की नेटवर्थ में लगभग 70 अरब डॉलर का इजाफा किया – लेकिन यह बढ़त ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स द्वारा अब तक की सबसे बड़ी एक दिन की नेटवर्थ वृद्धि तभी मानी जाएगी जब बुधवार को अमेरिकी बाजार फिर से खुलने पर यह बढ़त बरकरार रहे. 81 वर्षीय एलिसन ओरेकल के को-फाउंडर हैं, साथ ही कंपनी अध्यक्ष और सीईओ के रूप में कार्यरत हैं. उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा ओरेकल से जुड़ा है, जिसका शेयर मंगलवार की उछाल से पहले ही इस साल 45 फीसदी चढ़ चुका था. मस्क, निश्चित रूप से, टेस्ला इंक के सीईओ हैं, जिसके शेयर 2025 में काफी टूटे हैं. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, एलिसन की कुल संपत्ति अब बढ़कर 364 अरब डॉलर हो गई है, जिससे वह मस्क की 384 अरब डॉलर की संपत्ति के बेहद करीब पहुंच गए हैं. अगर बाज़ार खुलने पर भी ओरेकल की कमाई में यह बढ़ोतरी जारी रहती है, तो एलिसन मस्क से आगे निकल सकते हैं-जो ये दिखाता है कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उछाल कॉर्पोरेट मुनाफे और ग्लोबल नेटवर्थ लीडरबोर्ड, दोनों की सूरत बदल रहा है.

दूसरी तिमाही के लिए, ओरेकल के कुल रेवेन्यू ग्रोथ में 12 फीसदी से 14 फीसदी और क्लाउड रेवेन्यू ग्रोथ में 32 फीसदी से 36 फीसदी होने का अनुमान लगाया है, जिससे यह विश्वास व्यक्त होता है कि एलिसन की संपत्ति में उछाल की गति जारी रह सकती है. संपत्ति में यह नाटकीय बदलाव ओरेकल की शानदार तिमाही के कारण है. मुख्य कार्यकारी अधिकारी सफ्रा कैट्ज ने कहा कि रिमेनिंग परफॉर्मेंस ऑब्लीगेशन (आरपीओ)-कस्टमर कांट्रैक्ट जिन पर हस्ताक्षर हुए हैं लेकिन अभी तक पूरे नहीं हुए हैं— पहली तिमाही में 359% बढ़कर 455 अरब डॉलर हो गए. कैट्ज ने कहा कि हमने पहली तिमाही में तीन अलग-अलग कस्टमर्स के साथ चार अरब डॉलर के कांट्रैक्ट्स पर साइन किए. "इससे हमारे आरपीओ कांट्रैक्ट्स का बैकलॉग 359 फीसदी बढ़कर 455 अरब डॉलर हो गया.

बिना बिके स्टॉक की कीमतों में एफएमसीजी कंपनियों को मिला संशोधन का अधिकार, 31 दिसंबर तक रहेगी मंजूरी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।उपभोक्ता मामलों के विभाग ने रोजमर्रा के बचे सामानों के मूल्य को संशोधित करने की मंजूरी दे दी है। जीएसटी दरों में बदलाव के कारण यह फैसला लिया गया है। इससे कंपनियों और ग्राहकों दोनों को फायदा होगा। पहले से पैक वस्तुओं के निर्माताओं, पैकर्स व आयातकों को जीएसटी दरों में संशोधन से पहले निर्मित या आयातित बिना बिके स्टॉक पर संशोधित खुदरा बिक्री मूल्य (एमआरपी) घोषित करना होगा। विभाग ने कहा, संशोधित एमआरपी स्टिकर लगाकर या ऑनलाइन प्रिंट करके घोषित की जा सकती है। बशर्ते मूल एमआरपी प्रदर्शित रहे और संशोधित मूल्य उस पर अंकित न हो। मूल और संशोधित मूल्य के बीच का अंतर कर वृद्धि या कमी की सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए। निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को समाचार पत्रों में कम से कम दो विज्ञापन देने होंगे। डीलरों व केंद्र में विधिक माप विज्ञान निदेशक व राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में संबंधित विभाग को मूल्य में परिवर्तन की सूचना देनी होगी।यह मंजूरी 31 दिसंबर तक या स्टॉक समाप्त होने तक, जो भी पहले हो, मान्य है। जिन पैकेजिंग सामग्रियों या रैपरों का उपयोग जीएसटी संशोधन से पहले नहीं हुआ था, उनका उपयोग 31 दिसंबर तक या सामग्री समाप्त होने तक एमआरपी में सुधार करने के बाद किया जा सकता है। कंपनियों का कहना है कि गोदामों और खुदरा दुकानों में मौजूद उत्पादों के भाव मौजूदा जीएसटी के तहत तय होते हैं। इसे अब हटाया जाना है। इससे कीमतों में दोहरी इन्वेंट्री जटिलताएं पैदा होंगी।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है । ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है । पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा । आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — भावनात्मक जागरूकता आपके करियर के विकास में सहायक होती है, जबकि विवरण पर गहन ध्यान आपके प्रदर्शन को निखारता है। चुनौतियों से निपटने और आंतरिक अवरोधों को दूर करने के लिए दृढ़ संकल्प आवश्यक है। परस्पर विरोधी जिम्मेदारियाँ आपके संकल्प की परीक्षा ले सकती हैं।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,) — आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्ययहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपके कार्यालय में आपके और औरो के विचारो में भिन्नता रहेगी चाहे वह आपका सहकर्मी , उच्च अधिकारी या आपका मालिक हो चाहे वो कोई भी हो पर निष्चय ही ये आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा इसलिए आपको शांत मस्तिष्क से काम लेना है ताकि आप वाद विवाद से बचे रहे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपकी रचनात्मकता सबसे अलग है, जो आपको काम पर एक मजबूत छाप छोड़ने में मदद करती है। अपनी दिनचर्या में किसी भी व्यवधान को संतुलित करने के लिए अनुशासित और स्थिर रहें। आप आंतरिक तनाव या सख्त मानसिकता महसूस कर सकते हैं, इसलिए लचीला बने रहने पर ध्यान दें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपका करिश्मा आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपको पेशेवर रूप से अलग दिखने में मदद करता है। एक अनुशासित मानसिकता स्थिर प्रगति का समर्थन करती है, जबकि आशावाद की भावना विकास के द्वार खोलती है। रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है, इसलिए स्पष्ट और दिल से संवाद करना महत्वपूर्ण है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नारायण बलि और त्रिपिंडी श्राद्ध

त्रिपिंडी श्राद्ध की आवश्यकता

सुरेश गांधी

1. संकल्प : यजमान पवित्र होकर संकल्प करता है कि वह अपने पितरों के निमित्त त्रिपिंडी श्राद्ध करेगा। संकल्प में तीन पीढ़ियों, पिता, पितामह और प्रपितामह का स्मरण किया जाता है।

2. देवता आह्वान : ब्रह्मा, विष्णु और महेश की प्रतीकात्मक मूर्तियां (सोना, चांदी और ताम्र से निर्मित) स्थापित की जाती हैं। यह मूर्तियां त्रिगुणात्मक प्रेतबाधाओं को शांति प्रदान करने का प्रतीक हैं।

3. पिंडदान : जौ और चावल से तीन पिंड बनाए जाते हैं। इन्हें क्रमशः तीन पीढ़ियों को समर्पित किया जाता है। पहला पिंड, प्रपितामह को दूसरा पिंड, पितामह को व तीसरा पिंड पिता को, इसके अतिरिक्त यदि परिवार में कोई अकाल मृत आत्मा हो, तो उसके लिए भी विशेष पिंड समर्पित किया जाता है।

4. ध्वज स्थापन : काला, लाल और सफेद झंडे लगाए जाते हैं। काला झंडा : तामसिक प्रेतों की शांति के लिए, लाल झंडा : राजसिक प्रेतों की शांति के लिए, सफेद झंडा : सात्त्विक प्रेतों की शांति के लिए लगाया जाता है.

5. तर्पण और हवन : गंगाजल, दूध, तिल, पुष्प और खीर से तर्पण किया जाता है। तत्पश्चात हवन करके पितरों को अग्नि के माध्यम से "ॐ पितृभ्यः स्वधा नमः", आहुति दी जाती है।

6. ब्राह्मण भोजन और दान : ब्राह्मणों को भोजन और दक्षिणा दी जाती है। गौ को चारा अर्पित करना भी अनिवार्य माना गया है।

त्रिपिंडी श्राद्ध की सामग्री

इस अनुष्ठान में प्रयुक्त सामग्री अपने आप में प्रतीकात्मक है। जौ, चावल और तिल, शुद्धता और संतुष्टि के प्रतीक। गंगाजल : पवित्रता और अमरत्व का प्रतीक। सोना, चांदी और ताम्र मूर्तियां : त्रिगुणात्मक सृष्टि का द्योतक। ध्वज : प्रेतबाधाओं की शांति के संकेत। नारियल, सुपारी, पान : संपूर्णता, शुभता और मंगल का प्रतीक। खीर, पंचमेवा, गुड़, शहद : तृप्ति और मधुरता के प्रतीक। रुद्राक्ष माला, कपूर, धूप : शिवत्व और दिव्यता का आह्वान।

कौन कर सकता है त्रिपिंडी श्राद्ध?

ज्येष्ठ पुत्र, पौत्र, भ्राता या निकट संबंधी, अविवाहित पुरुष और पति-पत्नी जोड़ी, विधुर पुरुष व आवश्यक स्थिति में कन्या या पुत्री भी कर सकती है. किंतु महिलाओं द्वारा अकेले यह श्राद्ध करने की परंपरा नहीं है। यह अनुष्ठान उन परिवारों के लिए विशेष आवश्यक है जिस व्यक्ति के कुल में पितृदोष है, अथवा जिसकी वंश परंपरा में अकाल मृत्यु की घटनाएं अधिक

हुई हों, उसे जीवन में एक बार अवश्य त्रिपिंडी श्राद्ध कराना चाहिए।

त्रिपिंडी का फल

कुल में पितृदोष का शमन होता है। परिवार में संतान, स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। वंश में अकाल मृत्यु और संकट दूर होते हैं। आत्मा और पूर्वजों के बीच अदृश्य बंधन मजबूत होता है। पितरों की तृप्ति से कुल की ऊर्जा संतुलित होती है, परिवार में शांति आती है और संतान के जीवन में नई दिशाएं खुलती हैं। धर्मग्रंथों में कहा गया है कि त्रिपिंडी श्राद्ध करने वाला अपने पितरों को 'स्वर्ग मार्ग' का दीप देता है।

नारायण बलि और त्रिपिंडी श्राद्ध

यह अनुष्ठान अकाल मृत्यु या असामान्य मृत्यु (जैसे दुर्घटना, आत्महत्या, हिंसा, गर्भपात) से पीड़ित आत्माओं की शांति हेतु किया जाता है। भगवान विष्णु (नारायण) ब्रह्मा, विष्णु, महेश (त्रिगुणात्मक) को साक्षी मानकर गेहूं के आटे से कृत्रिम शरीर बनाकर उसका प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार किया जाता है। यह अनुष्ठान प्रायः काशी, त्र्यंबकेश्वर (नासिक), सिद्धपुर (गुजरात) और गया (बिहार) जैसे विशेष तीर्थों पर संपन्न होता है। यह तीन पीढ़ियों के पितरों की तृप्ति हेतु किया जाता है। इससे सम्पूर्ण वंश की तीन पीढ़ियों की आत्माओं की शांति एंव मोक्ष मिलती है। इसमें जौ-चावल के पिंड अर्पित किए जाते हैं। यह विशेष रूप से काशी के पिशाचमोचन कुंड पर करने का विधान है। नारायण बलि : व्यक्ति विशेष की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है. यह तीर्थ और प्रायश्चित पर आधारित है. जबकि त्रिपिंडी श्राद्ध नियमित पितृकर्म की परंपरा का हिस्सा है।

गया श्राद्ध की कथा

कहा जाता है कि गया में जब भगवान राम ने अपने पितृ दशरथ के लिए पिंडदान किया, तब गयाधर पर्वत ने स्वयं को आहूत किया और कहा, "यह स्थल पितरों की तृप्ति का परम स्थान होगा।" तभी से गया में किया गया श्राद्ध और विशेषकर त्रिपिंडी श्राद्ध, अक्षय फलदायी माना जाता है। किंवदंती है कि स्वयं भगवान विष्णु ने गयाधर पर आकर यमराज से कहा, "जो यहां अपने पितरों के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध करेगा, उसे स्वर्गलोक का मार्ग सुलभ होगा।"

पितृलोक और त्रिपिंडी

गर्व और मोह में डूबे मनुष्य अक्सर यह भूल जाते हैं कि उनके पीछे अनगिनत पीढ़ियां खड़ी हैं। शास्त्र कहते हैं कि पितृलोक में तीन पीढ़ियां, पितृ, पितामह और प्रपितामह अपनी संतानों से तर्पण की प्रतीक्षा करती हैं। त्रिपिंडी श्राद्ध के तीन पिंड इन्हीं के लिए होते हैं। जब ये पिंड अर्पित होते हैं, तो मानो स्वर्ग के पथ पर दीपक प्रज्वलित हो जाते हैं और पितृ संतुष्ट होकर वंशज को आशीष देते हैं।

त्रिपिंडी श्राद्ध की आवश्यकता

जब किसी परिवार में वर्षों तक श्राद्ध नहीं किया जाता, जब वंश में अचानक अवरोध या संकट दिखाई देते हैं, जब पितरों की अशांति स्वप्न या जीवन की परिस्थितियों में संकेत देने लगती है, तब त्रिपिंडी श्राद्ध करने का विधान है। यह श्राद्ध न केवल अनुष्ठानिक है, बल्कि एक नैतिक दायित्व है, पूर्वजों को स्मरण करना, उन्हें तृप्त करना और उनके आशीर्वाद से जीवन की दिशा को प्रशस्त करना।

मृत्यु और मोक्ष व पिशाचमोचन का रहस्य

वाराणसी केवल एक नगर नहीं, बल्कि वह तीर्थ है जहां जीवन और मृत्यु की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं। यहां मृत्यु कोई भय का विषय नहीं, बल्कि मुक्ति का उत्सव है। काशी में अंतिम प्राण त्यागने वाला शिव की करुणा का अधिकारी बनता है। मतलब साफ है काशी में मृत्यु स्वयं महाकालेश्वर शिव के अधीन है। यहां कालभैरव रक्षक हैं और विश्वनाथ मुक्तिदाता। स्कंद पुराण कहता है कि काशी वह भूमि है जहां मृत्यु भी मोक्षदायिनी हो जाती है। इसी काशी में एक अद्भुत स्थल है, पिशाचमोचन कुंड। यह केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि शास्त्रों में वर्णित उन दुर्लभ तीर्थों में से एक है, जहां पितरों की प्रेतबाधा और अकाल मृत्यु से पीड़ित आत्माओं की मुक्ति का उपाय मिलता है।

समाप्त

पुत्र की लंबी उम्र और परिवार की होगी रक्षा, जितिया व्रत में करें ये उपाय

जितिया व्रत 2025 कब है?

पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि 14 सितंबर 2025, रविवार की सुबह 5:04 बजे से शुरू होकर 15 सितंबर की सुबह 3:06 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर, इस साल जितिया व्रत 14 सितंबर 2025, रविवार को रखा जाएगा।

व्रत की शुरुआत और समापन

पहला दिन (नहाय-खाय): महिलाएं गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान कर सात्विक भोजन करती हैं।

दूसरा दिन (निर्जला उपवास): पूरे दिन बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास रखा जाता है और भगवान जीमूतवाहन की पूजा की जाती है।

तीसरा दिन (पारण): सूर्योदय के बाद व्रत खोला जाता है। इस दिन विशेष व्यंजन जैसे झोर, मरुवा की रोटी और नोनी का साग बनाए जाते हैं।

जितिया महापर्व मिथिलांचल का एक महत्वपूर्ण और पुण्य पर्व है, जो पुत्र की लंबी आयु और परिवार की रक्षा के लिए मनाया जाता है। इस पर्व की कठिनता प्रसिद्ध है, जिसमें व्रती महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। इस साल जितिया महापर्व 13 सितंबर से शुरू होकर 15 सितंबर की सुबह पारण के साथ पूरा होगा।

जितिया व्रत (महालक्ष्मी व्रत) मिथिलांचल में विशेष महत्व रखता है। यह पर्व संतान कल्याण और उन्नति के लिए किया जाता है, जिसमें महिला वर्ग विशेष आराधना करते हैं।

13 सितंबर: एकभुक्त का दिन

एकभुक्तः इस दिन व्रती महिलाएं मरुआ की रोटी और मछली खाती हैं। यह व्रत के पहले दिन का विशेष विधान है।

उठगनः रात में उठगन होता है, जो मिथिलांचल में दही-चूड़ा से किया जाता है। यह परंपरा पर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

14 सितंबर: निर्जला व्रत

निर्जला व्रतः इस दिन महिलाएं पूर्ण व्रत रखती हैं, जिसमें दिन-रात जल भी ग्रहण नहीं किया जाता। यह व्रत अत्यंत कठिन माना जाता है। व्रती महिलाएं पूरी तरह निर्जल रहकर व्रत का पालन करती हैं।

15 सितंबर: पारण

पारण का समयः 15 सितंबर को सुबह 6:36 के बाद व्रती महिलाएं पारण करेंगी। पारण के साथ इस कठिन व्रत का समापन होता है, जो पुत्र की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए किया जाता है।

जितिया महापर्व का सांस्कृतिक महत्व मिथिलांचल में जितिया एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक अवसर है। महिलाएं इसे श्रद्धा से मनाती हैं, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। यह मिथिला की समृद्ध परंपराओं का हिस्सा है।

ग्रहों को संतुलित करने के लिए करें ये 5 आसान उपाय

आज हम बात करेंगे कुछ आसान और प्रभावी उपायों की जो हमारे ग्रहों और राशि पर सकारात्मक असर डाल सकते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ पूजा-पाठ या ज्योतिष के नियम हैं, लेकिन असल में कुछ छोटे-छोटे काम हमारे जीवन में खुशहाली और सौभाग्य ला सकते हैं। जैसे कुछ साधारण खाद्य वस्तुएं, छोटे जीव-जंतु या पक्षियों को खिलाना, कुछ रचनात्मक और प्यारे तरीके से अपने ग्रहों को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं।

हरी मूंग की दाल से बुध मजबूत करें

बुध ग्रह का असर हमारे बुध, बुद्धि और संचार पर पड़ता है। इसे सुधारने के लिए हर बुधवार को थोड़ी सी हरी मूंग की दाल को किसी मंदिर या पवित्र जगह पर रखकर दान करना अच्छा माना जाता है। आप इसे जरूरतमंद लोगों को दे सकते हैं या किसी पक्षी को खिला सकते हैं। ऐसा करने से बुध की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मानसिक तनाव कम होता है।

5 बिस्किट से केतु को शांत करें

ज्योतिष में केतु का प्रभाव कभी-कभी अचानक परेशानियां ला सकता है। इसके लिए छोटे-छोटे बिस्किट लेकर किसी पक्षी को देना लाभकारी माना जाता है। यह केवल केतु को शांत करने का उपाय नहीं है बल्कि इससे आप अपने अंदर भी शांति महसूस करेंगे। यह उपाय किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता और बेहद सरल है।

पक्षियों और छोटे जीवों को खिलाना

पक्षियों और छोटे जीव-जंतु को खाना देना सिर्फ दान का काम नहीं है, बल्कि इससे हमारे ग्रह भी खुश होते हैं। कौवे, चील, कबूतर, या गाय को खाना देना शुभ माना जाता है। जैसे शनि और बृहस्पति को संतुलित करने के लिए थोड़ी सी गाढ़ी या मीठी चीजें देना लाभदायक है। यह छोटे कार्य हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाते हैं।

बच्चों को कुछ नमकीन खिलाएं

छोटे बच्चों को कभी-कभी नमकीन या कुछ हल्का भोजन देना भी ग्रहों की स्थिति को सुधारने में मदद करता है। यह सिर्फ शुभकामना देने का तरीका नहीं है, बल्कि इससे हमारे घर में सुख-शांति और सकारात्मक वातावरण भी बनता है। छोटे बच्चों और जरूरतमंदों को खाना देना हमेशा पुण्यकारी माना गया है।

शनि और बृहस्पति के लिए उपाय

शनि और बृहस्पति की स्थिति हमारे जीवन में स्थिरता और अवसर दोनों को प्रभावित करती है। इनके लिए भी छोटे-छोटे उपाय हैं जैसे गाय को खाना देना, किसी पंछी को दाना डालना या कुछ मीठा दान करना। यह न केवल ग्रहों को संतुलित करता है बल्कि हमारे मन को भी सुकून देता है।

छोटे उपाय, बड़ा असर

ज्योतिष में हमेशा बड़े मंत्र या जटिल पूजा की जरूरत नहीं होती। छोटे-छोटे उपाय जैसे दाल, बिस्किट, खाना देना, बच्चों को खिलाना या पक्षियों के लिए दाना डालना आपके जीवन में खुशहाली ला सकता है, ये उपाय सरल, सुरक्षित और प्रभावशाली हैं।

मन के केवल दो ही इलाज हैं- मौन और मेडिटेशन

नाकामी की तलवार सब पर लटकती है। और इसके वार से बचने के लिए हमारे हाथ में भी तलवार और साथ में ढाल भी होनी चाहिए। हमारे हाथ की तलवार परिश्रम की हो और ढाल ईमानदारी की रहे। ऐसा करते समय आपको, आपके ही भीतर का मन कमजोर कर देगा। क्योंकि मन लगातार नकारात्मक पैंतरे चलता है।

अगर मन सक्रिय है तो हम भय और संदेह में गिरेंगे ही। तो जब भी कोई बड़ा काम करें, 'माइंड साउंड' को जरूर सुनें। इसका इलाज करिए। और मन के दो ही इलाज हैं- मौन और मेडिटेशन। आज हमारे देश में 50 प्रतिशत से अधिक लोग किसी ना किसी बीमारी का इलाज ले रहे हैं।

पैरासिटामॉल नाम की दवाई तो टॉफी की तरह खाई जा रही है। ऐसे समय, आप भी एक इलाज लीजिए और वो होगा मौन और मेडिटेशन का। क्योंकि नाकामी की तलवार लटकी रहे, यही ठीक है। कहीं उसने हम पर वार किया और हमारी तैयारी नहीं हुई तो फिर उदासी, अवसाद तो आना ही है।

पितर होंगे प्रसन्न या लगेगा दोष?
1 दिन में 2 लोगों का श्राद्ध करना कितना सही!

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह 15-16 दिन की अवधि होती है, जब पितरों यानी पूर्वजों की आत्मा की शांति और मुक्ति के लिए श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल 07 सितंबर के दिन से ही पितृ पक्ष की शुरुआत होने चुकी है। इसके साथ ही इसकी समाप्ति सर्व पितृ अमावस्या यानी 21 सितंबर 2025 को होगी। अंग्रेजी कैलेंडर में तिथि समय के अनुसार चलती है, जबकि पंचांग के अनुसार सूर्य और चंद्रमा की गणना पर तिथियों का समय कम या ज्यादा होता रहता है। इसी कारण कभी-कभी एक दिन में दो श्राद्ध भी किए जाते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार जब 1 दिन में दो श्राद्ध होते हैं, तो लोगों के मन में सवाल उठता है कि क्या एक दिन में 2 श्राद्ध करने पर कोई दोष लगता है या नहीं। आइए, विस्तार से

जानते हैं...

हरिद्वार के विद्वान ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि श्राद्ध पक्ष के दिन पंचांग की गणना के अनुसार निर्धारित होते हैं। जैसे अंग्रेजी कैलेंडर की तिथियां समय के अनुसार चलती हैं, वैसे ही पंचांग की तिथियां सूर्य और चंद्रमा की चाल के अनुसार चलती हैं। इसलिए इन तिथियों का समय परिवर्तित होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार श्राद्ध पक्ष की तिथियां 24 घंटे से ज्यादा या कम हो जाती हैं, जिस कारण एक दिन में दो श्राद्ध आ जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार एक दिन में दो श्राद्ध करने पर कोई दोष नहीं लगता क्योंकि यह पितरों के शरीर त्यागने वाली तिथियां होती हैं।

कैसे करें 1 दिन में 2 लोगों का श्राद्ध?

इन तिथियों में पितरों का श्राद्ध करने पर पितरों का संपूर्ण आशीर्वाद मिलता है और जीवन में चल रही समस्याएं खत्म हो जाती हैं। साल 2025 में तृतीय और चतुर्थी श्राद्ध एक ही दिन होगा, जिसे एक समय के अंतराल में कर सकते हैं। यानी एक श्राद्ध सुबह 12:00 बजे से पहले और दूसरा श्राद्ध दोपहर को करने पर लाभ मिलता है। यह श्राद्ध 10 सितंबर, बुधवार को होगा, जबकि श्राद्ध पक्ष में सप्तमी का श्राद्ध क्षय है। इस साल 15 दिन में 16 श्राद्ध किए जाएंगे क्योंकि तृतीया और चतुर्थी श्राद्ध एक ही दिन किए जाएंगे।

संत नामदेव के धन की बराबरी करना चाहता था एक धनी सेठ

संत नामदेव की भक्ति कथाएं दूर-दूर तक प्रसिद्ध हैं। वैष्णव मत को मानने वाले संत नामदेव के मन में बचपन से ही उनके परिवार के माध्यम से भगवान विट्ठल की भक्ति की लौ जग गई थी। उनकी एक भक्ति कथा खूब कही जाती है। पंढरपुर नामक नगर में एक बड़ा धनी सेठ रहता था। उसने अपने यहां तुलादान का आयोजन करवाया। इस उत्सव में वह खुद के वजन का सोना तौलकर लोगों को दान में देता। उसके यहां दूर-दूर से लोग सोना लेने आए और उसने किसी को भी निराश नहीं किया। अंत में उसने अपने लोगों से पूछा कि नगर में कोई रह तो नहीं गया, तो कुछ लोगों ने बताया कि संत नामदेव जी आयोजन में नहीं आए। वह ईश्वर के परम भक्त हैं। इस पर सेठ ने कहा कि ऐसा हो ही नहीं सकता कि कोई उसके हाथ से सोना दान न लेना चाहे। उसने अपने लोगों को कहा कि संत नामदेव जी को सम्मानपूर्वक यहां ले आएं।

सेठ के लोग जब संत नामदेव के पास पहुंचे, तो वे सारी बात सुनकर बोले-स्वर्ण दान उनको दो, जो इसकी इच्छा करें। हमें कुछ भी नहीं चाहिए। लोग वापस लौट गए, किंतु सेठ नहीं माना और उसने उन्हें फिर भेजा। संत नामदेव ने दो बार उनका आग्रह ठुकराया, किंतु जब वे तीसरी बार उनके पास पहुंचे तो संत समझ गए कि सेठ की दान भावना नहीं, अहंकार बोल रहा है। अतः वे साथ चल दिए। वहां पहुंचकर सेठ से बोले- तुम्हें निश्चित रूप से ईश्वर से सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त हो। बताओ, मुझसे क्या चाहते हो ?सेठ ने कहा- मेरे हाथ से सोना दान लेकर मेरा कल्याण कीजिए।संत बोले- कल्याण तुम्हारा हो गया। अब जो भी मुझे देने की तुम्हारी प्रबल इच्छा है, मैं बताता हूं, उस बराबर तौल दो। सेठ हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। नामदेव जी को श्रीविष्णु की प्रिय तुलसी अतिप्रिय थी। उन्होंने तुलसी के पत्ते पर राम का सिर्फ 'रा' लिखकर सेठ को वह तुलसी पत्र पकड़ा दिया और कहा कि मुझे इसके बराबर सोना दे देना। सेठ ने सहर्ष तुलसी पत्र को तराजू में रख सोना तौलने का प्रयास किया, लेकिन तराजू तुलसी पत्र के वजन के अनुसार छोटा पड़ गया। अब सेठ ने सात-आठ मन सोना तोलने वाला तराजू मंगवाया किंतु वह भी निष्फल रहा। अंत में सेठ के पास जमा सारा सोना तराजू के एक पलड़े में आ गया लेकिन तुलसी पत्र के बराबर न हो सका।

सेठ बहुत लज्जित था। उसे नामदेव का संदेश समझ आ गया था। वह हाथ जोड़कर बोला- प्रभु मुझे क्षमा कीजिए और इतना ही सोना ले लीजिए।इस पर संत नामदेव ने उसे समझाया- मेरे पास तो रामनाम का धन है। मैं सोना लेकर क्या करूंगा। यह धन राम नाम के धन की बराबरी नहीं कर सकता। यही सबसे कल्याणकारी धन है।

तुमने तुलसी और राम नाम की महिमा आज अपनी आंखों से देख ली है। इसलिए आज से तुम इस धन को गले में हमेशा पहनना और हमेशा राम नाम जपते रहना। यह कहकर नामदेव जी ने सबके हृदय में भक्ति भाव भर दिया। सबकी बुद्धि प्रेमरस में भीग गई।

सफलता के लिए सबसे जरूरी साधन समय है

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए समय का सही इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं?

उन्नति के लिए समय सबसे जरूरी साधन है। जो लोग समय का सम्मान करते हैं, वे ही बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं। अभी तक जितने भी वैज्ञानिक, आविष्कारक, महापुरुष और विद्वान हुए हैं, सभी ने समय का सम्मान किया है। अगर हम समय का अनादर करते हैं तो लोग हमें भूल जाएंगे। कभी भी हमारी कोई चर्चा नहीं होगी। इसलिए समय का आदर करें और एक-एक पल का सही इस्तेमाल करें।

मैं बहुत 'रोमांटिक' हूं : मलायका अरोड़ा

साल की मलायका अरोड़ा ने जब से अर्जुन कपूर से ब्रेकअप किया है, तब से ही वह खबरों 51 में छाई रहती है । मलायका ने 1998 में अरबाज खान से शादी की थी। शादी के 4 साल बाद उसकी जिंदगी में बेटा अरहान खान आ गया लेकिन दोनों ने शादी के 18 साल बाद अपना रिश्ता खत्म कर लिया और 2017 में तलाक ले लिया । मलायका से अलग होने के बाद अरबाज खान ने शौरा खान से शादी कर ली जबकि मलायका दूसरी शादी के सवाल को टालती रही । अब मलायका ने एक हालिया बातचीत में बताया कि वह दूसरी शादी के विचार के खिलाफ नहीं है। उससे जब पूछा गया कि वह यदि फिर से जवानी वाले दौर में चली जाए तो खुद को क्या सलाह देगी, तो उसने जवाब दिया, शायद मैंने खुद से कहा होता - शादी से पहले खुद समय दो। यह बड़ा कमिटमेंट है और लड़कियां पता नहीं क्या करती हैं... इतनी जल्दी शादी करने की जरूरत नहीं है । थोड़ा-बहुत काम कर लो, जिंदगी के सफर को थोड़ा समझ लो और फिर शादी के लिए आगे बढ़ो। मैं काफी छोटी थी, जब मैंने शादी की।

गौरतलब है कि मलायका की अरबाज से शादी के वक्त उसकी उम्र 25 साल थी। जब उससे पूछा गया कि क्या वह दोबारा शादी करेगी तो वह बोली, कभी न मत कहो। जैसे मैंने कहा है कि मैं बहुत रोमांटिक हूं, मुझे प्यार पर विश्वास है । मुझे प्यार की हर एक चीज पर यकीन है। इसलिए, कभी मना मत करो।

अर्जुन से ब्रेकअप की वजह

अर्जुन कपूर के साथ लम्बे रोमांस के बावजूद उसका ब्रेकअप हो गया। कई लोगों ने जहां इसके पीछे की वजह अर्जुन कपूर को बताया, वहीं कुछ मलायका की बढ़ती उम्र को भी इसका एक बड़ा कारण मानते हैं।

अर्जुन अपनी लेडी लव मलायका से करीब 12 साल छोटा। कहा जाता है कि अरबाज से तलाक के बाद मलायका ने अर्जुन के साथ 'लिव इन' में रहना शुरू कर दिया था । कुछ सूत्रों की मानें तो मलायका अर्जुन के साथ शादी करके सैटल होना चाहती थी, लेकिन अर्जुन ने ऐसा करने से मना कर दिया, जिसके चलते दोनों के बीच दूरियां आ गईं।

वहीं मलायका ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी कई बातें लोगों के सामने रखी हैं। उसने अपनी बढ़ती उम्र से लेकर बहन अमृता अरोड़ा से अपने कनैक्शन पर भी बातें की हैं। मलायका ने कहा, मैं ऐसी थी कि अमृता के साथ रहना है, उसके साथ घूमना है, उसका ध्यान रखना है। ऑटोमैटिकली सबको लगने लगा कि मैं मेरी बहन के लिए 'सरोगेट मदर' जैसी थी। हां, मैं काफी 'टॉम ब्वॉय' (लड़कों जैसी) टाइप की थी । मतलब, बिल्डिंग के जो भी बच्चे थे, उनके लिए हमेशा खड़े होना, उनका ध्यान रखना यह सब करती थी। कोई उनको बुली करे या कुछ झगड़ा - लड़ाई हो जाए वहां पर, तो मैं हमेशा उनके बीच आती थी । यह शायद इसलिए था कि मैं एक 'टफ पर्सन' के तौर पर पहचानी जाने लगी थी ।

मुझे 'बुढ़िया' कह कर ट्रोल किया जाता है

मलायका ने इमोशनल होते हुए कहा,' "मुझे अक्सर सोशल मीडिया पर बुढ़िया कह कर ट्रोल किया जाता है जो कभी-कभी ट्रिगर कर जाता है। ऐसे लोग बहुत ही इनसैंसिटिव होते हैं । आप इस तरह की बातें कर कैसे सकते हैं। यह बहुत ही बुरा है क्योंकि लोग यह महसूस नहीं करते कि क्या चीज आपको ट्रिगर कर सकती है। मेरी एक शादी टूट चुकी है। मेरा एक बड़ा बेटा है। मेरा रिलेशनशिप खत्म हो चुका है । मेरी हालत कोई नहीं देख रहा ।

'आप अपना ब्रेव फेस दिखाते हैं तो उनको बस उतना ही दिखता है कि मतलब ग्लैमरस लग रही है। यह तो खुश लग रही है । उनको यह एहसास नहीं होता कि बहुत सारी ऐसी चीजें हैं जो आपको वाकई अपसैट कर सकती हैं ।

पिता संजय कपूर की 30000 करोड़ की संपत्ति में करिश्मा कपूर के बच्चों का बड़ा दावा, हाईकोर्ट में पूछा-हमारा हक कहां?

करिश्मा कपूर के पूर्व पति और सोना कॉमस्टार के पूर्व चेयरमैन दिवंगत संजय कपूर की विरासत को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। उनकी पहली पत्नी करिश्मा कपूर से जन्मे बच्चे, किआन और समायरा, दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे हैं और अपने पिता की करीब 30000 करोड़ की संपत्ति में अपनी हिस्सेदारी का दावा किया है।

किआन और समायरा ने अपनी सौतेली मां, संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिय साचदेव पर गम्भीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने प्रिय पर अपने पिता की वसीयत को फॉर्ज करने और उसमें छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। बच्चों का कहना है कि प्रिय साचदेव ने दो अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर वसीयत को सात सप्ताह से अधिक समय तक छुपाकर रखा और इसे केवल 30 जुलाई 2025 को पारिवारिक बैठक में पेश किया।

अपनी याचिका में किआन और समायरा ने लिखा है, दिए गए वसीयत को पिता द्वारा बनाया गया माना जा रहा है, लेकिन यह वैध और कानूनी दस्तावेज नहीं है। यह फर्जी और मनगढ़ंत है और इसके इर्द-गिर्द संदिग्ध परिस्थितियां हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि न तो उन्हें वसीयत की ओरीजनल कापी दिखाई गई है और न ही कोई कॉपी उपलब्ध कराई गई है।

पिता के वैध वारिस के तौर पर मान्यता दी जाए- किआन और समायरा

किआन और समायरा ने अदालत से आग्रह किया है कि उन्हें उनके पिता के वैध वारिस के तौर पर मान्यता दी जाए और उनकी संपत्ति में उचित हिस्सेदारी का आदेश दिया जाए। उन्होंने बताया कि उनके पिता अपने जीवनकाल में कई बार उन्हें वित्तीय सुरक्षा का भरोसा देते रहे, उनकी ओर से कई व्यवसायिक पहल की और ट्रस्ट में उनका नाम भी जोड़ा।

संजय कपूर के निधन के बाद बच्चों ने अंतिम संस्कार भी किया, लेकिन इसके बाद से उनकी सौतेली मां ने उनकी पहुंच संपत्ति और ट्रस्ट के दस्तावेजों तक सीमित कर दी। इसके अलावा, बच्चों का कहना है कि उन्हें कंपनी की बैठकों में बुलाकर बिना पूरी जानकारी के कागजी कार्रवाई करने को कहा गया।

बता दें कि संजय कपूर सोना कॉमस्टार के अध्यक्ष थे, जो विश्व की प्रमुख ऑटो पाट्र्स कंपनियों में से एक है। 2015 में उनके पिता डॉ. सुरिंदर कपूर के निधन के बाद उन्होंने कंपनी का नेतृत्व संभाला और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

संजय कपूर की मां ने भी लगाए गंभीर आरोप

इससे पहले संजय कपूर की मां रानी कपूर ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि शोक की इस घड़ी में उन्हें महत्वपूर्ण निर्णयों से दूर रखा गया और कुछ दस्तावेजों पर दबाव में हस्ताक्षर करने को कहा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के बोर्ड ने बिना परिवार की सहमति के प्रिय साचदेव कपूर को गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया। हालांकि, कंपनी ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हुए बताया कि रानी कपूर के पास 2019 से कोई शेयर नहीं है और सभी फैसले कानूनी और नियमों के तहत लिए गए।

फोर्ब्स के अनुसार, संजय कपूर की कुल संपत्ति लगभग 1.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 10,300 करोड़) आंकी गई है। उनकी वसीयत और ट्रस्ट के मुताबिक, उनकी पूरी संपत्ति अब उनकी पत्नी प्रिय साचदेव कपूर के प्रबंधन में है। इसका मतलब यह है कि उनके बेटे अजारियस का हिस्सा भी उनकी मां के पास ही रहेगा।

संजय कपूर की पहली पत्नी करिश्मा कपूर

संजय कपूर की पहली पत्नी करिश्मा कपूर थीं, जिनसे उन्होंने 2016 में तलाक लिया। इस जोड़े के दो बच्चे हैं-समायरा (20 वर्ष) और किआन (14 वर्ष)। दोनों बच्चों के लिए पहले से ही वित्तीय प्रबंध किए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें 14 करोड़ के बॉन्ड गिफ्ट किए गए हैं और हर महीने 10 लाख की आय मिलती है। इसके अलावा, करिश्मा कपूर को संजय कपूर के पिता के नाम पर एक संपत्ति भी मिली है, जो हिरासत समझौते का हिस्सा है।

'दोस्त से ज्यादा भाई हैं कमल और रजनीकांत एक-दूसरे का पूछते हैं हाल', भतीजी सुहासिनी का दावा

तमिल सुपरस्टार कमल हासन और रजनीकांत आखिरकार 46 साल बाद फिर से पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों कलाकारों ने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी की कई फिल्मों में साथ काम किया है। अब दोनों के लोकेश कनगराज के प्रोजेक्ट

में साथ काम करने की अफवाह है। कमल की भतीजी सुहासिनी मणिरत्नम ने दुबई में एक कार्यक्रम में दोनों सितारों के रिश्ते के बारे में बात की।

भाई जैसे हैं कमल और रजनीकांत

सुहासिनी ने बताया कि कमल और रजनीकांत का रिश्ता वर्षों पुराना है। उन्होंने कहा 'वे वाकई भाई जैसे हैं। वे एक-दूसरे का हालचाल पूछते रहते हैं। कभी-कभी अगर शूटिंग के दौरान कमल का एक्सीडेंट हो जाता है, तो रजनी सर मुझे फोन करके पूछते हैं कि क्या कमल को दर्द हो रहा है? अगर मैं हां कहती हूं, तो वे कहते हैं कि सचमुच दर्द हो रहा होगा क्योंकि कमल कभी शिकायत नहीं करता। वे इस तरह से बहुत करीब हैं।'

आधा-आधा बिस्किट से खुश होंगे

कमल हासन ने एसआईआईएमए प्रोग्राम में अफवाहों की पुष्टि करते हुए कहा 'हमें नहीं पता कि यह एक अद्भुत घटना है या नहीं, लेकिन अगर दर्शकों को यह पसंद आती है तो यह अच्छी बात है। अगर वे खुश हैं, तो हमें भी पसंद आएगी। वरना, हम कोशिश करते रहेंगे। हम अलग इसलिए हुए क्योंकि उन्होंने हम दोनों को एक-एक बिस्किट दिया था। लेकिन आधा बिस्किट हम दोनों को खुश करता है, इसलिए हम साथ आएंगे।'

कमल और रजनीकांत में प्रतिस्पर्धा नहीं

कमल ने कहा कि उनके और रजनीकांत के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। यह केवल धारणा है कि उनके बीच प्रतिस्पर्धा है। उन्होंने आगे कहा, 'यह जरूरी है कि हमें ऐसा करने का मौका मिले। वह ऐसे हैं, मैं भी ऐसा ही हूं। हम हमेशा एक-दूसरे की फिल्मों का निर्माण करना चाहते थे।' कमल और रजनीकांत ने अपूर्व रागंगल, एंथुलेनी कथा, मूंदरू मुदिचु, अवर्गल और थप्पू थलंगल में साथ काम किया है।

कांतारा : चैप्टर 1 में दिखेगी भारतीय एक्शन की ताकत स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज का बड़ा खुलासा

होम्बले फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। अब फिल्म के एक्शन-स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज ने इसके एक्शन सीक्वेंसेज़ पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म में भारतीय सिनेमा के अब तक के कुछ सबसे भव्य और महंगे स्टंट फिल्माए गए हैं, जो दर्शकों को एक नए स्तर का सिनेमाई अनुभव देंगे।

अर्जुन राज का अनुभव और ऋषभ शेट्टी की तारीफ

अर्जुन राज ने बताया कि शुरुआत में वे सिर्फ एक सीक्वेंस कोरियोग्राफ करने वाले थे, लेकिन बाद में उन्हें चार बड़े सीक्वेंसेज़ की जिम्मेदारी मिली। उन्होंने कहा कि फिल्म की पौराणिक लड़ाइयों को असली रूप देने के लिए बेहद रिसर्च और तैयारी करनी पड़ी। खासकर रथ वाले सीक्वेंस को उन्होंने अपने करियर का सबसे खतरनाक स्टंट बताया। वहीं, उन्होंने अभिनेता ऋषभ शेट्टी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बिना बॉडी डबल, खुद सभी स्टंट किए और तलवारबाज़ी, घुड़सवारी व कलारिपयट्टू की ट्रेनिंग ली।

फिल्म का पैमाना और प्रोडक्शन

फिल्म के निर्माण में बड़े पैमाने पर खर्च और समय लगाया गया है। अर्जुन राज ने खुलासा किया कि सिर्फ एक रथ वाले सीक्वेंस पर ही 25 दिन लगे और हर बड़े फाइट सीन पर एक दिन में लगभग एक करोड़ रुपये का खर्च आया। उन्होंने बताया कि इस बार भारतीय सिनेमा में पहली बार हॉलीवुड स्टाइल रिगिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसे लोककथाओं पर आधारित फिल्म में ढालना चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा।

विशाल वॉर सीक्वेंस

मेकर्स ने इस फिल्म के लिए 500 पेशेवर फाइटर्स और करीब 3,000 लोगों के साथ एक विशाल वॉर सीक्वेंस तैयार किया है। इसे 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर के सेट पर 45 से 50 दिनों तक फिल्माया गया। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास का सबसे बड़ा वॉर सीक्वेंस माना जा रहा है।

कभी डाइटिंग नहीं की : 'सौम्या टंडन'

धारावाहिक 'भाभी जी घर पर हैं' से धा प्रसिद्धि पाने वाली सौम्या टंडन अपनी फिटनैस और सुंदरता के लिए जानी जाती है। हाल ही में उसने सोशल मीडिया पर अपनी स्वस्थ आदतों के बारे में बताया और कहा कि उसने कभी डाइटिंग नहीं की।

उसने कहा, मैंने कभी अपनी जिंदगी में डाइटिंग नहीं की। मैं डाइटिंग में विश्वास नहीं करती । इसके साथ ही उसने खान-पान से जुड़ी अपनी 5 आदतें शेयर कीं, जिनकी वजह से वह फिट और हैल्दी रहती है ।

सुबह की शुरुआत घी से वह सुबह उठते ही एक चम्मच घी में हल्दी और काली मिर्च डालकर खाती है। चाहें तो इसे हल्का गर्म भी किया जा सकता है । यह इंफ्लेमेशन (सोजिश) को कंट्रोल करता है और हैल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है।

मीठे से रहती है दूर

वह कई सालों से शूगर, शहद और गुड़ का सेवन नहीं करती। उसके अनुसार, ₹मीठे से दूरी, मेरे लिए एक गेम चेंजर साबित हुई है।

अदरक वाला गुनगुना पानी

वह रोज एक गिलास गुनगुना पानी, जिसमें कदूकस किया हुआ अदरक मिला हो, पीती है, जो पाचनतंत्र को मजबूत करता है ।

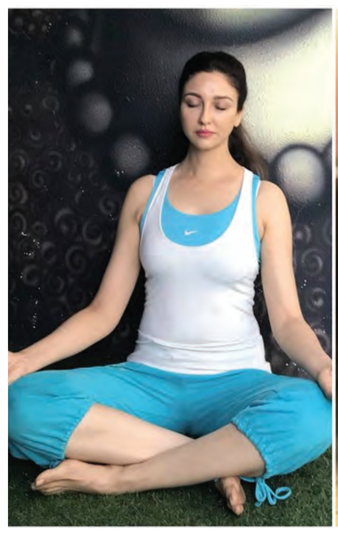

प्रोटीन और हैल्दी स्नैक्स वह शाकाहारी है लेकिन इसके बावजूद पूरे दिन प्रोटीन लेना नहीं भूलती। इसके लिए वह 5 भीगे हुए बादाम, पिस्ता, अखरोट और ब्राजील नट खाती है।

वर्कआऊट के बाद वह कद्दू और सूरजमुखी के बीज भी लेती है, जो ओमेगा 3 और 6 के बेहतरीन स्रोत हैं।

करती है जल्दी डिनर

वह हमेशा शाम 7 बजे तक डिनर कर लेती है । इससे ब्लोटिंग की समस्या नहीं होती और वजन भी कंट्रोल में रहता है।

उदय चोपड़ा से ब्रेकअप के बाद टूट गई थीं तनीषा, बोलीं- 'हम एक-दूसरे के बहुत करीब थे'

अभिनेत्री काजोल की छोटी बहन और वेटरन एक्ट्रेस तनुजा की बेटी तनीषा मुखर्जी का फिल्मी करियर कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने फिल्मों से लेकर छोटे पर्दे तक काम किया। अब तनीषा ने अपने पिछले रिलेशनशिप, ब्रेकअप और मां तनुजा को लेकर बात की।

तनीषा ने बताया किस रिलेशनशिप के खत्म होने पर हुआ ज्यादा दुख

हालिया बातचीत में तनीषा ने अपने सबसे ज्यादा दुख पहुंचाने वाले ब्रेकअप के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने अरमान कोहली के साथ भी अपने रिश्ते पर बात की। अरमान कोहली से अलग होने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'वो इतना बड़ा दिल नहीं टूटा था। उदय के साथ मेरा रिश्ता खत्म होने पर मेरा दिल और भी ज्यादा टूट गया था। हम दोस्त थे, हम बहुत करीब थे, और हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे।'

जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है

अपनी निजी ज़िंदगी से जुड़े सार्वजनिक ड्रामे के बावजूद तनीषा ने कहा कि उन्होंने हमेशा आशावादी बने रहने की कोशिश की है। अभिनेत्री ने बताया कि मैं ऐसी इंसान हूं जो हमेशा चीजों के अच्छे पहलू को देखती है। जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है। मुझे प्यार में पड़ने का एहसास अच्छा लगता है और मैं इससे मिलने वाले अनुभवों को संजोकर रखती हूं।

मां देती हैं इमोशनल सपोर्ट

जब तनीषा से पूछा गया कि वह भावनात्मक और पेशेवर झटकों का सामना कैसे करती हैं, तो उन्होंने अपनी मां तनुजा को अपनी निरंतर शक्ति का स्रोत बताया। उन्होंने यह भी बताया कि वह पेशेवर सलाह के लिए शायद ही कभी दोस्तों की ओर रुख करती हैं। उन्होंने कहा कि बहुत कम लोग ही फिल्म इंडस्ट्री की जटिलताओं को सही मायने में समझते हैं।

खास नहीं रहा तनीषा करियर

2003 में फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली तनीषा मुखर्जी का करियर सफल नहीं रहा। वो कुछ एक फिल्मों में नजर आईं, लेकिन उन्हें वो सफलता नहीं मिली, जो उनकी मां तनुजा और बहन काजोल को मिली। तनीषा 2013 में 'बिग बॉस 7' की पहली रनरअप भी रही थीं। इस दौरान बिग बॉस के घर में अरमान कोहली के साथ उनके रिश्ते चर्चा का विषय बन गए थे।

वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीतने वाली अनुपर्णा रॉय पहली भारतीय महिला

वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीतने वाली अनुपर्णा रॉय के पिता बेटी की इस उपलब्धि पर खुश हैं। फिल्म 'सॉन्ग ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के लिए यह अवॉर्ड जीतने के बाद अब पिता ब्रह्मानंद रॉय बेटी का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, पिता का कहना है कि स्कूल के दिनों में अनुपर्णा को फिल्मों के प्रति कोई खास लगाव और जुनून नहीं था। लेकिन वह अपनी अलग पहचान बनाने के लिए दृढ़ थीं।

अवॉर्ड के बारे में पता चलते ही खुशी से रोने लगीं मां

इस अवॉर्ड की खबर मिलने के बारे में बात करते हुए पिता ने बताया कि रात के लगभग 12:30 बजे हम सो रहे थे, जब अनुपर्णा ने फोन करके खबर दी। वह बहुत खुश थी। शुरुआत में मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मैंने उससे पूछा कि क्या वह सभी प्रतियोगियों में प्रथम आई है। उसका जवाब था, 'हां बाबा'। उसकी मां खुशी से रो रही थी। अनुपर्णा को लंदन में कुछ काम है और वह जल्द से जल्द मुंबई लौट आएगी। उन्होंने कहा

कि बंगाल दौरे के दौरान वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगी।

स्कूल में फिल्म को लेकर नहीं था कोई जुनून

अपनी बेटी की उपलब्धि पर गर्व से भरे ब्रह्मानंद रॉय पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में स्थित अपने घर में इस युवा निर्देशक का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। पिता ने बताया कि हमने उनके स्कूल के दिनों में फिल्मों के प्रति ज्यादा लगाव और जुनून नहीं देखा था, लेकिन वह पढ़ाई में बहुत मेहनती थीं। फिल्मों के प्रति उनकी महत्वाकांक्षा बाद में तब सामने आई जब उन्होंने आईटी क्षेत्र में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने अपनी पहचान बनाने का संकल्प लिया था। परिवार के सदस्य उनके इस फैसले से परेशान थे और उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की थी कि वह गलती कर रही हैं।

अनुपर्णा के फैसले को घर वालों ने समझा जुआ

पिता ने आगे बताया कि जब हमें 2020 के बाद पहली बार उनके फैसले के बारे में पता चला, तो हमें लगा कि यह एक जुआ है। उन्हें फिल्म निर्माण या फिल्म जगत का कोई पूर्व अनुभव नहीं था। लेकिन उनके समर्पण, उत्साह और लगन ने धीरे-धीरे हमें उनकी क्षमता पर विश्वास दिलाया। अंग्रेजी ऑनर्स में ग्रेजुएशन करने के बाद अनुपर्णा दिल्ली में बस गईं और आईटी क्षेत्र में अपना करियर बनाया। 2021 में कोविड काल के दौरान वह मुंबई आ गईं और फिल्म निर्माण में हाथ आजमाने का फैसला किया। उन्होंने यह जोखिम इसलिए उठाया क्योंकि उनमें आत्मविश्वास था।

अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय

'सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' मुंबई में दो महिलाओं - एक प्रवासी अभिनेत्री और एक कॉर्पोरेट कर्मचारी के बीच के रिश्ते को दिखाती है। अनुपर्णा ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल के ओरिजोंटी खंड में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। यह फिल्म जटिल कथाओं और शक्तिशाली विषयों पर आधारित है।

विधानसभा में हंगामा: *मंत्री बोले- टोपी-टीशर्ट में सिमटा विपक्ष*
यूडीएच मंत्री से उलझे बीजेपी विधायक

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र में बुधवार को विपक्षी दल कांग्रेस ने सदन में स्पाई कैमरे लगाए जाने के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। हंगामे के बाद कांग्रेस विधायकों ने प्रश्नकाल का बहिष्कार कर सदन से वॉकआउट कर लिया। दूसरी ओर, बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को उनके जवाबों को लेकर कठघरे में खड़ा किया। वहीं, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने विपक्ष पर टोपी और टी-शर्ट की राजनीति करने का तंज कसा। उन्होंने कहा कि विपक्ष की राजनीति टोपी-टीशर्ट में ही सिमटकर रह गई।

कांग्रेस का कैमरे पर हंगामा, वॉकआउट

दरअसल, सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विपक्षी सीटों की ओर अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने स्पीकर से इस पर तत्काल व्यवस्था देने की मांग की। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि वह प्रश्नकाल के बाद इस मुद्दे पर व्यवस्था देंगे, लेकिन जूली तुरंत जवाब देने की मांग पर अड़ गए।

जूली ने कहा कि जब तक इस मुद्दे पर व्यवस्था नहीं दी जाती, हम सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी और पोस्टर लहराए। करीब 15 मिनट तक हंगामा चलता रहा, लेकिन प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रही। अंततः कांग्रेस विधायकों ने प्रश्नकाल का बहिष्कार कर सदन से वॉकआउट कर लिया।

इससे पहले कांग्रेस विधायकों ने सदन के बाहर भी विरोध जताया। उन्होंने एमएलए क्वार्टर से विधानसभा परिसर तक पैदल मार्च किया और 'जासूसी बंद करो' के नारे लगाए। जूली ने आरोप लगाया कि विपक्षी सीटों की ओर कैमरे लगाकर उनकी निजता का हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह जासूसी है। हमारी निजी बातें सुनने के लिए कैमरे लगाए गए हैं।

टोपी-टीशर्ट की राजनीति में सिमटा विपक्ष

वहीं, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस के बहिष्कार पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष की गैरमौजूदगी से सदन में खालीपन महसूस हो रहा है। उनके चिल्लाने के बावजूद सवालों का जवाब देना मजेदार होता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में विपक्ष अब टोपी और टी-शर्ट की राजनीति तक सिमट गया है।

मंत्री राठौड़ ने स्पीकर की तारीफ करते हुए कहा कि स्पीकर विपरीत परिस्थितियों में भी सदन को बखूबी चला रहे हैं। सेना की कहावत है कि- 'मुश्किल वक्त, कमांडो सख्त'। स्पीकर उसी तरह काम कर रहे हैं। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने भी साफ किया कि सदन नियमों से चलेगा और वह किसी दबाव में नहीं आएंगे।

बीजेपी विधायक ने यूडीएच मंत्री को घेरा

इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के जवाबों पर सवाल उठाए। शर्मा ने सिविल लाइंस में विकास कार्यों को लेकर मंत्री के जवाब को 'झूठा और आपत्तिजनक' बताया। उन्होंने पूछा कि स्थानीय विकास परियोजनाओं में विधायकों और जनप्रतिनिधियों की राय क्यों नहीं ली जाती। शर्मा ने कहा कि आप कहते हैं कि विधायकों से सलाह नहीं ली जाती। सरकार किसकी है?

इसके जवाब में खर्रा ने कहा कि सिविल लाइंस में 101 करोड़ रुपये के कार्य मंजूर किए गए हैं और भविष्य में जयपुर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए जाएंगे कि वह स्थानीय विधायकों से विचार-विमर्श करे।शर्मा ने पूरक सवाल में जेडीए पर निशाना साधा।

विधायक ने संविधान संशोधन का दिया हवाला

उन्होंने कहा कि जेडीए ने नगर निगम क्षेत्र में सिविल लाइंस में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर तोड़फोड़ की। उन्होंने सवाल किया कि जेडीए को नगर निगम क्षेत्र में हस्तक्षेप करने की इजाजत किसने दी? 30 फीट चौड़ी सड़क बनाने के लिए जेडीए ने ऐसा क्यों किया? विधायक ने 74वें संविधान संशोधन का हवाला देते हुए जेडीए की जरूरत पर भी सवाल उठाया। जवाब में खर्रा ने कहा कि जेडीए और नगर निगम को समन्वय से काम करना चाहिए और वह इस मामले को देखेंगे।

क्रिकेट कार्यक्रम के मंच से नरेश मीणा ने उगली आग
कानून-व्यवस्था और सरकार पर किया हमला

झुंझुनू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। झुंझुनू के मूनबाग में देर रात खेल और राजनीति का अनोखा संगम देखने को मिला। यहां आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के शुभारंभ मंच पर खेल से ज्यादा राजनीति के तेवर गरमाए रहे। इस मौके पर चर्चित समरावता थप्पड़ प्रकरण के आरोपी और पूर्व विधायक नरेश मीणा ने सत्ता और विपक्ष दोनों पर तीखा प्रहार किया।

मीणा ने कार्यक्रम में गुढ़ा परिवार को बेटे के जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान की मौजूदा परिस्थितियां बेहद विकट हैं। उनके मुताबिक सरकार कहीं नजर नहीं आती और विपक्ष अपनी भूमिका निभाने में पूरी तरह असफल साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनता असहाय और उपेक्षित महसूस कर रही है। कुछ लोग अपनी क्षमता के अनुसार संघर्ष कर रहे हैं, मगर सत्ताधारी ऐसे लोगों को मुकदमों और जेल के जरिए दबाने का काम कर रहे हैं।

मीणा ने अपने आठ महीने के जेल अनुभव को साझा करते हुए कहा कि सरकार ने उन्हें तोड़ने की कोशिश की लेकिन वे कभी झुके नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में कानून-व्यवस्था नाममात्र की रह गई है। हाल ही में झालावाड़ हादसे का उदाहरण देते हुए उन्होंने इसे संस्थागत भ्रष्टाचार का नतीजा बताया और कहा कि ऐसे मामलों ने राज्य की जनता का विश्वास हिला दिया है।

उन्होंने जनता से आह्वान किया कि अब समय की नजाकत को समझते हुए जागरूक और एकजुट होकर सड़कों पर उतरना होगा। यदि तानाशाही रवैया जारी रहा तो क्रांति जरूरी होगी। उन्होंने नेपाल और बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और जनक्रांतियों का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि सत्ता अगर जनता की आवाज को दबाएगी तो हालात विस्फोटक हो जाएंगे।

इस खेल आयोजन के मंच से नरेश मीणा ने एक बार फिर से अपनी बेबाक राजनीतिक शैली का परिचय दिया और साफ संदेश दिया कि राजस्थान की राजनीति में संघर्ष और आक्रामक तेवर आने वाले दिनों में और तेज हो सकते हैं।

खेजड़ी बचाओ, ऑक्सीजन बचाओ
शिव विधायक की सरकार को दो-टूक बोले- ट्री प्रोटेक्शन एक्ट लाया जाए

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के युवा और तेजतर्रार चेहरे शिव विधायक रवीन्द्र सिंह भाटी ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने की जितनी घोषणाएं की गईं, वे सब केवल कागजों तक सीमित हैं, धरातल पर स्थिति बेहद निराशाजनक है।

भाटी ने कहा कि खेजड़ी बचाओ आंदोलन लंबे समय से चल रहा है और इसे पूरे प्रदेश के लोगों, व्यापारियों और समाज का व्यापक समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि वर्तमान सरकार वह करे, जो पहले किसी सरकार ने नहीं किया। ट्री प्रोटेक्शन एक्ट लागू कर खेजड़ी और अन्य पेड़ों को कानूनी सुरक्षा दे। यह सरकार के खाते में बड़ी उपलब्धि होगी।

सरकार का दावा है कि पिछले दो साल में 17-18 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं। इस पर सवाल उठाते हुए भाटी ने कहा कि जब इतने करोड़ पेड़ लगाए गए तो धरातल पर क्यों नहीं दिखते? एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत करोड़ों पौधे लगाने का दावा हुआ, लेकिन जमीन पर स्थिति अलग है। वास्तव में ये पेड़ सिर्फ कागजों पर लगे हैं।

विधायक ने तंज कसते हुए कहा कि अगर पिछले पांच साल में जितने पेड़ लगाने की बातें हुईं, उतने पेड़ सचमुच लग गए होते तो राजस्थान हरा-भरा होता। करोड़ों रुपये का फंड खर्च हुआ, लेकिन असलियत शून्य है। सरकार पहले लगे पेड़ों को बचाए, नए लगाने की जल्दबाजी न करे।

भाटी ने कहा कि उन्होंने विधानसभा में भी इस मुद्दे पर चर्चा की मांग रखी थी, परंतु पक्ष-विपक्ष के हंगामे में विषय दब गया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सदन के अंदर बैठे लोगों को ऑक्सीजन की जरूरत नहीं? ग्लोबल वार्मिंग पर दुनिया चर्चा कर रही है, ऐसे में हमारी विरासत खेजड़ी को बचाना आवश्यक है। केर-सांगरी की सब्जी के बढ़ते फैशन का उदाहरण देते हुए भाटी बोले कि खेजड़ी सबको चाहिए, पर इसे बचाने की बात करने में नेताओं की सांस फूल रही है। मैं बड़े नेताओं से कहना चाहूंगा कि यह केवल जैसलमेर-बाड़मेर का मुद्दा नहीं, पूरे राजस्थान की जरूरत है। जो इस पर बोलेंगे, जनता उन्हें सर माथे पर बिठाएगी।

रंगदारी ना देने पर बदमाशों ने किया हमला
कांग्रेस नेता व व्यापारी के घर फायरिंग, इलाके में दहशत

बीकानेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। शहर में गैंगस्टर्स ने एक बार फिर पुलिस को खुली चुनौती दी है। आज अलसुबह कांग्रेस नेता धनपत चायल और व्यापारी सुखदेव चायल के घर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसके बाद इलाके में दहशत फैल गई।

शहर के सादुलगंज क्षेत्र में हुई इस घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी सौरभ तिवाड़ी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और गोलियों के निशान और अन्य साक्ष्य जुटाए। सीसीटीवी फुटेज में हेलमेट पहने बाइक पर सवार दो युवक साफ नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार दो दिन पहले ही पुलिस ने अवैध हथियार बरामद किए थे और उसी समय आशंका जताई गई थी कि गैंगस्टर्स कोई बड़ी वारदात कर सकते हैं। पीड़ित ने बताया कि उन्हें पिछले चार-पांच दिनों से गैंगस्टर रोहित गोदारा की ओर से व्हाट्सएप कॉल पर धमकियां मिल रही थीं, जिसमें 5 करोड़ रुपए की रंगदारी की मांग की जा रही थी और न दिए जाने पर गंभीर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी गई थी।

फायरिंग की सूचना मिलते ही एफएसएल टीम और एडिशनल एसपी सौरभ तिवारी मौके पर पहुंचे। एसपी कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान और तलाश में जुटी है।

सांवलिया सेठ के भंडार की गणना पूरी
28 करोड़ का चढ़ावा; पौने दो किलो सोना और 143 किलो चांदी मिली

चित्तौड़गढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में वैश्विक आस्था के केंद्र कृष्णधाम श्री सांवलिया सेठ का भंडार इस बार विशेष रूप से चर्चा में रहा। करीब पखवाड़ा पूर्व खोले गए ठाकुरजी के भंडार की गणना नौवें और अंतिम चरण में पूरी हुई। इस बार कुल मिलाकर करीब 28 करोड़ रुपये की नकद राशि, लगभग पौने दो किलो सोना और 143 किलो चांदी भेंट स्वरूप प्राप्त हुई है। मंदिर मंडल के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि भंडार की गणना पूरी करने के लिए नौ चरण लगाने पड़े। गणना में देरी का कारण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और हाल ही में संपन्न हुए तीन दिवसीय जलझूलनी एकादशी मेले के दौरान कर्मचारियों की व्यस्तता रही।

सूत्रों के अनुसार, भंडार गणना का पहला चरण कृष्णपक्ष चतुर्दशी को प्रारंभ हुआ था। इसमें 8 करोड़ 90 लाख रुपये प्राप्त हुए। दूसरे चरण में 4 करोड़ 60 लाख, तीसरे में 3 करोड़ 86 लाख 50 हजार, चौथे में 2 करोड़ 50 लाख, पांचवें में 2 करोड़ 10 लाख, छठे में 84 लाख, सातवें में 42 लाख, आठवें में 17 लाख 50 हजार और नवें चरण में 22 लाख 12 हजार 206 रुपये की नकद राशि गिनी गई। कुल मिलाकर ठाकुरजी के भंडार से इस माह 23 करोड़ 62 लाख 12 हजार 206 रुपये नकदी, 1 किलो 270 ग्राम सोना और 70 किलो चांदी प्राप्त हुए।

सिर्फ भंडार ही नहीं, बल्कि मंदिर मंडल के भेंट कक्ष कार्यालय में भी श्रद्धालुओं ने उदारता से भेंट चढ़ाई। नकद व मनीऑर्डर के माध्यम से 4 करोड़ 75 लाख 33 हजार 304 रुपये, 565 ग्राम 590 मिलीग्राम सोना और 73 किलो 780 ग्राम चांदी प्राप्त हुई।

गणना पूरी होने के बाद मंदिर मंडल के अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, सदस्य किशनलाल अहीर, पवन तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय व लेखाकार राजेंद्रसिंह, मंदिर व्यवस्था प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाबसिंह, संस्थापन प्रभारी लेहरीलाल गाडरी, वरिष्ठ सहायक कालूलाल तेली, स्टोर प्रभारी मनोहर शर्मा सहित क्षेत्रीय बैंकों के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

नेपाल में हिंसा के बीच फंसे राजस्थान के हजारों यात्री होटल में सुरक्षित, दूतावास ने दिया आश्वासन

उदयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में हिंसा और बवाल के हालातों के बीच राजस्थान के हजारों यात्री फंस गए हैं। इनमें उदयपुर से गए 35 से अधिक लोग शामिल हैं। यात्रियों में भाजपा नेता और नगर निगम उदयपुर के पूर्व गैरेज समिति अध्यक्ष अनिल सिंघल का परिवार भी है। यात्रियों ने फोन पर बताया कि हालात अचानक बिगड़ने के बाद वे होटल में ही रुकने को मजबूर हैं और भारतीय दूतावास से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

उदयपुर के यात्री भगवतीलाल मेनारिया ने बताया कि उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर लिए थे और दोपहर तक होटल लौट आए थे। इसके तुरंत बाद काठमांडू में माहौल बिगड़ गया और होटल से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। उनके साथ उदयपुर के 31 लोगों का दल है। सभी काठमांडू के होटल में सुरक्षित हैं। उनका टूर शेड्यूल 18 सितंबर तक का था लेकिन हालात सामान्य होने तक यात्रा स्थगित कर दी गई है।

भाजपा नेता अनिल सिंघल ने कहा कि उन्होंने अपनी आंखों से सड़क पर प्रदर्शन और आगजनी देखी। पोखरा से काठमांडू की फ्लाइट रद्द हो गई, जिसके बाद वे परिवार सहित होटल में ही रुक गए। उन्होंने बताया कि दूतावास की ओर से उन्हें बाहर न निकलने और होटल में सुरक्षित रहने के निर्देश मिले हैं।

यात्रियों ने बताया कि भारतीय दूतावास से लगातार संपर्क हो रहा है। उन्हें कहा गया है कि हालात सामान्य होने तक होटल में ही रुकें। काठमांडू और आसपास के इलाकों में जयपुर और भीलवाड़ा के यात्री भी फंसे हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार नेपाल में जारी बवाल से करीब 4 हजार राजस्थान के यात्री प्रभावित हुए हैं। इनमें से लगभग 700 जयपुर के हैं। जयपुर के करीब 230 यात्री तो सीधे काठमांडू एयरपोर्ट पर ही फंसे हुए हैं। इन यात्रियों के परिवारजन लगातार संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं लेकिन माहौल सामान्य होने तक होटल से बाहर नहीं निकल सकते। परिवारजन अपने अपनों की सुरक्षित वापसी के लिए दुआ कर रहे हैं।

सीएम से मिलने के आश्वासन के बाद खत्म हुआ महापड़ाव

झालावाड़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जिला और प्रदेश स्तरीय विभिन्न मांगों को लेकर जिले के किसान दूसरे दिन भी मिनी सचिवालय पर डटे रहे। कोटा से पहुंचे संभागीय आयुक्त से वार्ता में मुख्यमंत्री से मिलने और कई मांगों पर सहमति बनने के बाद किसानों ने रात को महापड़ाव को खत्म कर दिया।

किसानों का कहना है कि मुख्यमंत्री से 13 या14 सितंबर को मिलने की बात कही गई है। यदि मुख्यमंत्री नहीं मिलते है तो फिर से महापड़ाव शुरू किया जाएगा। इससे पूर्व दिन में किसानों ने सरकार और प्रशासन के लिए सद्बुद्धि यज्ञ किया। प्रदेश के नौ जिलों से आए किसान भी महापड़ाव में शामिल हुए।

अपनी 51 सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले सोमवार शाम से जिले भर के किसानों ने मिनी सचिवालय के बाहर अनिश्चितकालीन महापड़ाव शुरू कर दिया था।

लॉरेंस गैंग की गुंडागर्दी, कांग्रेस नेता के घर पर की ताबड़तोड़ फायरिंग
एफबी पोस्ट पर ली जिम्मेदारी

बीकानेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बीकानेर में अपराधियों ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को खुली चुनौती दी है। बुधवार तड़के करीब साढ़े चार बजे सादुलगंज क्षेत्र में कांग्रेस नेता और व्यापारी सुखदेव चायल के घर पर रोहित गोदारा और लॉरेंस गैंग से जुड़े बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले में 6 से 7 राउंड गोलियां चलाई गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। इस हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर हरी बॉक्सर ने ली है, जिसने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए इस घटना को अंजाम देने की बात कबूल की है।

दो दिन पहले किये थे हथियार बरामद

बता दें, यह हमला तब हुआ जब दो दिन पहले ही बीकानेर पुलिस ने रोहित गोदारा गैंग के बदमाशों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए थे। पुलिस को उस समय किसी बड़ी घटना की आशंका थी जो अब सच साबित हुई। जानकारी के मुताबिक, सुखदेव चायल से रोहित गोदारा ने 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न मिलने पर यह हमला किया गया माना जा रहा है। सुखदेव चायल के भाई और यूथ कांग्रेस के पूर्व शहर जिलाध्यक्ष धनपत चायल ने बताया कि कुछ दिन पहले एक फोन कॉल आया था, जिसमें कॉलर ने खुद को रोहित गोदारा बताते हुए धमकी दी थी। कॉलर ने दावा किया था कि उनकी और उनके भाई की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है और रंगदारी न देने पर जान से मारने की चेतावनी दी थी।

फेसबुक पर पोस्ट कर ली जिम्मेदारी

गैंगस्टर हरी बॉक्सर ने अपने फेसबुक अकाउंट पर इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एक धमकी भरा पोस्ट किया। पोस्ट में उसने लिखा कि इस हमले की जिम्मेदारी मैं हरी बॉक्सर और सुंदर हंसी हम दोनों भाई लेते हैं। ये फायरिंग हमने करवाई है। इनको हमारे फोन की रिंग सुनाई नहीं दे रही थी, इसलिए हमने ये छोटी सी वॉर्निंग दी है। टाइम रहते लाइन पर नहीं आए, तो आगे सीधे सीने में गोली मारेंगे। इस घटना के बाद एसपी कावेन्द्र सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस ने आसपास के इलाकों में गश्त बढ़ा दी है और गैंग से जुड़े संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है।

दीवारों पर गोलियों के निशान मिले

घटना की सूचना मिलते ही बीकानेर के एसपी कावेन्द्र सिंह, एडिशनल एसपी सौरभ तिवाड़ी और पुलिस दल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और सबूत जुटाने शुरू किए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दो हेलमेटधारी बदमाश बाइक पर सवार दिखाई दिए, जिन्होंने 7 राउंड फायरिंग की। फुटेज में गोलियों की आवाज भी साफ सुनाई दे रही है। इस हमले में सुखदेव चायल के घर के कई कांच टूट गए और दीवारों पर गोलियों के निशान मिले।

एक तरफा प्यार की दर्दनाक दास्तां, पहले महिला फिर खुद को मारी गोली

भरतपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके के नवाब वाली गली में एकतरफा प्यार के चलते एक व्यक्ति ने महिला के हाथ में और खुद की कनपटी में गोली मार ली। मौके पर ही व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, महिला को घायल हालत में आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल महिला के परिजनों का कहना है कि मृतक युवक महिला को 4 साल से परेशान कर रहा था। कई बार पुलिस में शिकायत भी की। लेकिन, वह पुलिस से छूटकर आता और फिर से परेशान करता था। घटना बुधवार सुबह 10 बजे की है।

42 साल की महिला ने बताया कि उसकी देवरानी (35) घर पर अकेली थी। महिला का पति और उसका देवर मोबाइल की दुकान करते हैं। महिला के पति और देवर दुकान पर गए हुए थे। रामबाबू उसके पड़ोस में रहता था। आज वह पड़ोसियों के घर से कूदकर हमारे घर पर आया। आते ही उसने महिला का गला दबाने की कोशिश की, जब महिला ने उसका विरोध किया तो रामबाबू ने कट्टा निकालकर उसके हाथ में गोली मार दी।

महिला भागते हुए नीचे आई और अपने देवरानी को घटना के बारे में बताया। जिसके बाद महिला की देवरानी ने अपने पति को फोन कर घटना के बारे में बताया। इतने में महिला के कमरे से गोली चलने की आवाज आई। महिला का देवर घर पहुंचा और अपनी भाभी के कमरे में जाकर देखा तो रामबाबू का शव महिला के कमरे में पड़ा था। पास में हथियार भी था।

महिला के देवर ने तुरंत अपने भाई को बुलाया और महिला को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। महिला के देवर ने पुलिस को भी घटना की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और रामबाबू के शव को आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में भिजवाया। साथ ही एफएसएल की टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए।

सांचौर के टांपी में हुआ भीषण अग्निकांड
छह दुकानों में लगी आग से लाखों का सामान

जालौर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सांचौर जिले के चितलवाना उपखंड के टांपी कस्बे में देर रात छह दुकानों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। पहले ग्रामीणों ने चार पानी के टैंकरों से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब दो घंटे बाद सांचौर से दो दमकल मौके पर पहुंचीं। इसके बाद ग्रामीणों के चार टैंकर और दो दमकलों की मदद से लगभग चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

जिन दुकानों में आग लगी है, उनमें दो होजयरी की दुकानें, एक रेडीमेड कपड़ा दुकान, एक किराना स्टोर, एक मोटर पार्ट्स की दुकान और एक कपड़े की दुकान शामिल हैं। सभी दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। टांपी सरपंच मफाराम माली ने बताया कि दुकानों में आग से लाखों का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने चार टैंकरों की मदद से आग बुझाने में मदद की और फायर ब्रिगेड के साथ मिलकर आग पर काबू पा लिया गया।

परचून की दुकान और क्लीनिक की आड़ में नशे का धंधा
नशीले कैप्सूलों का जखीरा जब्त, दो गिरफ्तार

कोटपूतली-बहरोड़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और अवैध नशीली दवाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोटपूतली थाना पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर 49 हजार 816 नशीले कैप्सूल ट्रमाडोल और कई नशीली दवाइयों की शीशियां जब्त की हैं। जब्त माल की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में परचून व्यवसायी और एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस मुख्यालय से मिले निर्देशों के तहत जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने अवैध मादक पदार्थों और नशीली दवाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। आदेश की पालना में एएसपी वैभव शर्मा और डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क के सुपरविजन तथा थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

सीआईडी क्राइम हाल एजीटीएफ जयपुर के कॉन्स्टेबल देवेन्द्र सिंह ने सूचना दी कि ट्रांसपोर्ट नगर कोटपूतली में लुहारों के डेरों के पास मनोज कुमार जाट नामक व्यक्ति परचून की दुकान की आड़ में नशीले कैप्सूल बेच रहा है। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मनोज की दुकान और गोदाम की तलाशी ली। यहां से 48,516 नशीले कैप्सूल ट्रमाडोल मिले, जिन्हें एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया और आरोपी मनोज कुमार (35) पुत्र लीलाराम जाट निवासी ग्राम खेड़की वीरभान को गिरफ्तार कर लिया गया।

मिजोरम के विकास को ट्रेन लगाएगी पंख

8071 करोड़ रुपए की लागत से रेल लाइन तैयार

> 51.38 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना का पीएम जल्द करेंगे उद्घाटन

सीपीआरओ नीलांजल देव

मिजोरम /आइजोल 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे को विकास का पर्याय माना जाता है। कहा जाता है कि रेलवे के साथ- साथ विकास की रफ्तार तेज हो जाती है। रेलवे से जुड़ने के बाद मिजोरम के विकास को पंख लग गए हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने आजादी के बाद पहली बार मिज़ोरम, आइजोल को रेल नेटवर्क से सीधा जोड़ दिया है। भविष्य में भारतीय रेलवे म्यांमार बॉर्डर तक विस्तार कर सकता है। पीएम मोदी जल्दी ही बइरबी-सायरंग रेल परियोजना का उद्घाटन कर सकते हैं।

भारतीय रेलवेमें इसपूर्वोत्तर भारत का मिजोरम राज्य सीधी रेलवे सुविधा से अछूता था। कई वर्षों से रेल सुविधा की मांग की जा रही थी। भारतीय रेलवे ने पहाड़ी इलाके में रेल सेवा शुरू करने की चुनौती को स्वीकार करते हुए मिजोरम की राजधानी आइजोल पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ कर इतिहास रच दिया। भारतीय रेल यही रुकने वाला नहीं है। अब यह रेल लाइन आगे बढ़कर म्यांमार बॉर्डर तक ले जाने की तैयारी है। जिसका सर्वे किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी सप्ताह में 8071 करोड़ रुपए की लागत से बनी 51.38 किलोमीटर लंबी बइरबी-सायरंग रेल परियोजना का उद्घाटन कर सकते हैं। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए तेज़ गति से कार्य चल रहे हैं। यह मिजोरम के लिए ऐतिहासिक पल है और पूरे पूर्वोत्तर को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी से जोड़ने का मार्ग भी तैयार करेगा। इससे न केवल मिजोरम का देश से संपर्क अधिक मज़बूत होगा, बल्कि म्यांमार बॉर्डर तक रेल लाइन ले जाने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। यह परियोजना 29 नवंबर 2014 को शुरू हुई थी। सिलचर (असम) से बाइरबी तक रेल सेवा पहले से मौजूद थी, लेकिन मिजोरम की राजधानी आइजोल तक पहुंचाने के लिए बाइरबी से सायरंग तक नई लाइन बिछाई गई। अंतिम सेक्शन हरतकी-सायरंग को 10 जून 2025 को पूरा किया गया। इस परियोजना की कुल लंबाई 51.38 किलोमीटर है। इसमें पांच स्टेशन बेड्रबी, हरतकी, कॉनपुई, मुअलखांग और सायरंग होंगे। इसी क्रम में बड़े पुल 55 व छोटे पुल 87, सुरंगें 48, सुरंगों की लंबाई: 38 किलोमीटर से अधिक है। सबसे ऊंचा पुल (ब्रिज नंबर- 144) 114 मीटर ऊंचा है। इसे कुतुब मीनार से 42 मीटर ज्यादा ऊंचा बताया जा रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने स्वतंत्र वार्ता से विशेष बातचीत करते हुए बताया कि भारतीय रेलवे का चुनौतीपूर्ण कार्य है। भारतीय रेलवे की कार्यशैली का अद्भुत नमूना है। यह रेल लाइन मिजोरम के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। अब मिजोरम के लोगों को सीधी रेल सेवा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह पूरी रेल लाइन दुर्गम पहाड़ियों, घाटियों व घने जंगलों से गुजरती है। सीमांत रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी नीलांचल देव ने बताया कि यह परियोजना बेहद दुर्गम पहाड़ी इलाकों से गुजरती है। यहां तक सामान पहुंचाने के लिए दो सौ किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क अलग से बनाना पड़ा। लगातार 11 साल की मेहनत के बाद यह सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा कि मिजोरम से सीधा रेल सेवा नहीं होने के कारण यह के लोगों को बहुत परेशानी होती थी। काफी पैसा खर्च करके गुवाहाटी जाना पड़ता था। फिर वहां से ट्रेन के माध्यम से दूसरे जगहों पर जाना पड़ता था। अब तो मिजोरम के लोगों को सीधी रेल सेवा का लाभ मिलेगा। यहां से दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी के लिए ट्रेन चलने की पूरी संभावना है। उन्होंने बताया कि अब तक सिलचर जाने में सड़क से 7 घंटे लगते थे, वहीं रेल से यह दूरी सिर्फ 3 घंटे में तय होगी। गुवाहाटी 12 घंटे और दिल्ली करीब 48 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। बरसात के दिनों में भूस्खलन से बंद होने वाले रास्तों की तुलना में अब यात्रा कहीं ज्यादा सुरक्षित और आसान होगी। दक्षिण

सीपीआरओ ए. श्रीधर

सीपीआरओ एम. नुसरत

मध्य रेलवे के विजयवाड़ा डिवीजन की जनसम्पर्क अधिकारी एम. नुसरत ने बताया कि भारतीय रेलवे ने इस परियोजना को चुनौती के रूप में स्वीकार कर पूरा किया। रेलवे की सीधी सेवा से लोगों का सस्ता और सुविधाजनक आवागमन होगा।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारियों की मानें तो बैरबी-सायरंग लाइन सिर्फ मिजोरम तक सीमित नहीं रहेगी। रेलवे इस परियोजना को और आगे बढ़ाकर म्यांमार बॉर्डर तक ले जाने की योजना पर काम कर रहा है। बहुत जल्द सर्वे पूरा कर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट केंद्र को सौंप दी जाएगी। बताया जा रहा है कि अभी शुरुआत में 2 से 3 ट्रेनें चलाने की योजना है। इसमें गुवाहाटी और दिल्ली तक की ट्रेनें प्राथमिकता पर हैं। मिजोरम के लोगों ने उम्मीद जताई है कि आगे राजधानी एक्सप्रेस और वंदे भारत जैसी ट्रेनें भी यहां तक पहुंचेंगी। रेल सेवा शुरू होने से मिजोरम के स्थानीय लोग बहुत खुश हैं।

हैदराबाद में गरज के साथ बारिश से मिली राहत

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को हैदराबाद के अलग-अलग हिस्सों में गरज के साथ बारिश हुई, जिससे पिछले कुछ दिनों की गर्मी से लोगों को राहत मिली। उप्पल, बदंगपेट, बीएन रेड्डी नगर, नागोले, तरनाका, हब्सीगुडा, वनस्थलीपुरम, हयातनगर, कपरा और ईसीआईएल जैसे इलाकों में शाम को हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

वहीं, सिकंदराबाद के मुख्य इलाकों और छावनी बोर्ड के कुछ हिस्सों में मौसम पूरी तरह शुष्क रहा। बंजारा हिल्स और पुंजागुट्टा में भी गरज के साथ बारिश हुई, जबकि गाचीबोवली, मियापुर और कुकटपल्ली में बारिश नहीं हुई।

एक दिन की छापेमारी में 18 झोलाछाप डॉक्टर अरेस्ट

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद (टीजीएमसी) ने कामारेड्डी और निजामाबाद जिलों में छोटे नर्सिंग होम, एकल-कक्ष क्लीनिक और प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान एक ही दिन में एलोपैथी का अभ्यास करने वाले और मरीजों का इलाज करने वाले कुल 18 अयोग्य व्यक्तियों (झोलाछाप डॉक्टरों) को पकड़ा। पहचाने गए झोलाछाप डॉक्टरों में मोसरा गांव से पोलम राजेंदर और गुंडला शंकर, चंदुर गांव से के श्रीनिवास राव, वर्नी से महेंद्र गौड़, भीम राव और अहमद, नसरुल्लाबाद गांव से एस रविंदर, रामा राव और मोगुलैया, बिरकुर गांव से महेश यादव और बालकृष्ण, जुक्कल से अन्नम वेंकटेश, सुधाकर, शिवाजी, जाधव बालाजी और वी सत्यनारायण, और पितलम गांव से कोंगारी रघु और बेस्टा पंडारी शामिल हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वे बिना किसी योग्यता के चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रहे थे और अंधाधुंध एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड और दर्द निवारक इंजेक्शन लगा रहे थे। टीजीएमसी के कार्यकारी समिति सदस्य डॉ. सनी डेविस और सह-चयनित सदस्य डॉ. शिरीष कुमार ने निरीक्षण किया।

यूरिया संकट के लिए सीएम रेवंत रेड्डी को ठहराया ज़िम्मेदार, हरीश राव का कांग्रेस सरकार पर हमला

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने मंगलवार को तेलंगाना में बढ़ते यूरिया संकट के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर किसानों की अनदेखी करने और गलत प्राथमिकताओं पर ध्यान देने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा कि किसान अपने खेतों में काम करने की बजाय यूरिया की बोरियों के लिए आधार कार्ड और पासबुक लेकर कई दिनों से कतारों में खड़े हैं। उन्होंने चेताया कि कपास और धान की फसलें शुरुआती अवस्था में हैं और समय पर यूरिया न मिलने से उनका नुकसान तय है।

उन्होंने विधानसभा में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को प्राथमिकता देने के लिए सरकार की आलोचना की और कहा कि किसानों का विरोध और सड़कों पर जाम सरकार की विफलता का सबूत है। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और तेलंगाना के भाजपा सांसदों से मांग की कि वे पाम ऑयल पर आयात शुल्क में की गई कटौती को वापस लेने और कपास आयात पर छूट जारी रखने के लिए दबाव डालें। रेवंत रेड्डी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए हरीश राव ने कहा कि ऋण माफी, फसल बोनस और पेंशन वृद्धि जैसे वादों को पूरा किए बिना सरकार ने किसानों को संकट में छोड़ दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर स्थिति का तुरंत समाधान नहीं किया गया, तो बीआरएस किसानों के समर्थन में आंदोलन तेज करेगा।

महिला की बेरहमी से हत्या

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली में महिला की पैर बांधकर और गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। स्वान लेक अपार्टमेंट की घटना, पुलिस को शक है कि कर्मचारियों ने लूटपाट कर उसकी हत्या कर दी, पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जाँच शुरू की, मृतका की पहचान रेणु अग्रवाल के रूप में हुई।

शिशु मृत्यु दर में 52 प्रतिशत की गिरावट

सार्वजनिक स्वास्थ्य में मील का पत्थर

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दशक में, 2011-2013 और 2021-23 के बीच, तेलंगाना ने अपनी शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में उल्लेखनीय 52 प्रतिशत की गिरावट हासिल की है, यह जानकारी एसआरएस सांख्यिकीय रिपोर्ट 2023 के नवीनतम आंकड़ों से मिली है, जिसे पिछले सप्ताह भारत के जनगणना आयुक्त द्वारा जारी किया गया था।

2011-2013 में, जब तेलंगाना अविभाजित आंध्र प्रदेश का हिस्सा था, राज्य की कुल शिशु मृत्यु दर प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 41.2 थी। एक दशक बाद, 2021-23 तक, तेलंगाना की कुल शिशु मृत्यु दर प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 18 रह गई है, जो 50 प्रतिशत से भी अधिक की एक सराहनीय गिरावट है। यह गिरावट मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अवसंरचना में हुए व्यापक विकास को स्पष्ट रूप से दर्शाती है और यह स्पष्ट रूप से जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक मील का पत्थर है।

एसआरएस के आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना के गठन के बाद से राज्य के समग्र शिशु मृत्यु दर में 52 प्रतिशत की गिरावट राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। पिछले एक दशक में, सभी भारतीय राज्यों में, केवल जम्मू और कश्मीर में ही तेलंगाना की तुलना में शिशु मृत्यु दर में अधिक गिरावट आई है।

दासोजू श्रवण ने सीएम रेवंत रेड्डी पर अत्याचारी शासन का लगाया आरोप

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार राज्य में अत्याचारी शासन लागू करने के लिए ध्यान भटकाने और डराने-धमकाने की राजनीति कर रही है। श्रवण ने आरोप लगाया कि किसानों को यूरिया के लिए भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है, जबकि फर्जी विधेयकों और अध्यादेशों के ज़रिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कालेश्वरम मामलों, आयोगों और सीबीआई जाँच का इस्तेमाल सिर्फ़ लोगों को गुमराह करने के लिए करने का आरोप लगाया, जबकि ग्रुप-1 भर्ती मामले में बेरोज़गार युवाओं को धोखा दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार अपने वादे पूरे करने में नाकाम रही है और इसके बजाय गंदी राजनीति पर उतर आई है।

डीजीपी कार्यालय में छठी ऑनशोर सुरक्षा समन्वय समिति बैठक आयोजित

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के लिए छठी ऑनशोर सुरक्षा समन्वय समिति (ओएससीसी) बैठक बुधवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र ने की और इसका संचालन महेश एम. भागवत अतिरिक्त डीजीपी (कानून व्यवस्था), सुश्री चारु सिन्हा, सीआईडी, अतिरिक्त डीजीपी, सौरभ तोलुम्बिया, सलाहकार (सुरक्षा), गेल (इंडिया) लिमिटेड ने किया।

बैठक की मेजबानी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने की। ओएससीसी, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा गठित एक महत्वपूर्ण वार्षिक मंच है, जिसका उद्देश्य तेल और गैस क्षेत्र की सुरक्षा और संरक्षा उपायों की समीक्षा और संवर्धन के साथ-साथ कानून प्रवर्तन एजेंसियों, जिला प्रशासन और उद्योग हितधारकों के बीच समन्वय को बढ़ावा देना है। ओएससीसी की संरचना के अनुसार, तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक इसके अध्यक्ष हैं और समिति में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के अधिकारी, हैदराबाद के जिला कलेक्टर, खान मंत्रालय के प्रतिनिधि और तेलंगाना के तेल एवं गैस क्षेत्र में कार्यरत सभी प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसयू) के प्रमुख शामिल हैं।ओएससीसी की बैठक में तेलंगाना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, तेलंगाना के खान मंत्रालय के प्रतिनिधि, गेल, एचपीसीएल, बीपीसीएल, आईओसीएल, भाग्यनगर गैस, पीआईएल और मेघा सिटी गैस सहित प्रमुख तेल एवं गैस कंपनियों के प्रमुख और सुरक्षा प्रतिनिधि शामिल रहे।

बैठक के दौरान, सुरक्षा तैयारियों, भौतिक अवसंरचना सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की व्यापक समीक्षा की गई। पुलिस अधिकारियों ने राज्य में मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य के बारे में हितधारकों को जानकारी दी और महत्वपूर्ण तेल एवं गैस अवसंरचना की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विशिष्ट सलाह और दिशानिर्देश जारी किए। तेल एवं गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जमीनी स्तर पर उनके सामने आ रही परिचालन चुनौतियों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को उठाया और पुलिस एवं जिला प्रशासन से निरंतर सहयोग एवं समन्वय की माँग की। इस मंच ने विचारों के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और इन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा हेतु एक समन्वित प्रतिक्रिया रणनीति तैयार करने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया।

बैठक का समापन सभी हितधारकों द्वारा राज्य भर में निर्बाध और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा, संरक्षा और अंतर-एजेंसी समन्वय के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के दृढ़ संकल्प के साथ हुआ। डीजीपी डॉ. जितेंद्र ने समन्वित सुरक्षा दृष्टिकोण और ओएमसी की भौतिक सुरक्षा के साथ-साथ साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने पर ज़ोर दिया। एडीजी कानून एवं व्यवस्था महेश भागवत ने कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पर बोलते हुए ओएमसी द्वारा सुधारात्मक उपाय करके तेल एवं गैस की चोरी को रोकने पर ज़ोर दिया। पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू (राचकोंडा), अविनाश मोहंती (साइबराबाद), एसआईबी के संयुक्त निदेशक थिरुग्नाना संबंदन आईपीएस, आईएसडब्ल्यू ओएसडी, कमलासन रेड्डी, समन्वय आईजीपी श्री एम श्रीनिवासुलु, हैदराबाद शहर के संयुक्त सीपी प्रशासन श्रीमती परिमला हाना नूतन , सीआई सेल एसपी श्री आर भास्करन और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया। गेल इस कार्यक्रम का मुख्य आयोजक था।

संगारेड्डी में विधायक महिपाल रेड्डी की आलोचना

जनसंपर्क कार्यक्रम में कथित अभद्र व्यवहार से बढ़ी नाराज़गी

संगारेड्डी, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरु के विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी बुधवार को तेलपुर नगरपालिका में हुए एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान तीखी आलोचना के निशाने पर आए। उन्होंने तेलपुर नेबरहुड एसोसिएशन (टीईएनए) के अध्यक्ष ई. रमना के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, जब रमन्ना उनसे बात करने की कोशिश कर रहे थे। महिपाल रेड्डी सांसद एम. रघुनंदन राव और विधायक सी. अंजी रेड्डी के साथ उस्मान नगर में पेयजल जलाशय, पंप हाउस और पाइपलाइनों का उद्घाटन कर रहे थे। इस घटना पर स्थानीय निवासी और नागरिक समूहों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

इसके पहले, अमीनपुर नगर पालिका की कृष्णा वृंदावन कॉलोनी में महिलाओं ने कॉलोनी की समस्याओं पर चिंता जताई, लेकिन विधायक ने कथित तौर पर उन्हें टालते हुए कहा कि वे वोटों की संख्या से उन्हें धमकाएँ नहीं और उनकी वोटों की परवाह नहीं है। इससे महिलाएँ निराश होकर लौट गईं। 2023 के चुनावों में बीआरएस के टिकट पर जीतकर कांग्रेस में शामिल हुए महिपाल रेड्डी पर अक्सर अहंकारी रवैये और सार्वजनिक कार्यक्रमों में आपा खोने का आरोप लगाया जाता रहा है। नागरिकों का कहना है कि लगातार तीन चुनाव जीतने के बावजूद उनका निर्वाचन क्षेत्र में प्रभाव कमज़ोर होता दिख रहा है।

शाहलीबंदा में लावारिस बैग से मची हलचल

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुराने शहर शाहलीबंदा इलाके में बुधवार को एक लावारिस बैग मिलने से अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने शक होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बैग की जांच की तो उसमें सोने के गहने और कुछ दस्तावेज़ निकले। कोई भी संदिग्ध वस्तु न मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस का मानना है कि बैग शायद कोई जल्दबाज़ी में बस में चढ़ते समय भूल गया होगा। फिलहाल बैग के मालिक की पहचान की जा रही है।

मंचेरियल में रहस्यमयी मौत, बुजुर्ग महिला और पोती घर में मृत पाई गईं

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल कस्बे के गोपालवाड़ा इलाके में बुधवार को एक बुजुर्ग महिला और उसकी पोती संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिलीं। पुलिस ने बताया कि दरवाजा तोड़कर अंदर जाने पर बेजाला सत्यवती (50) और उसकी पोती शिरीषा (4) के शव बिस्तर पर पाए गए।

सत्यवती, उसका बेटा और पोती मूल रूप से खम्मम के रहने वाले थे और चार दिन पहले गोपालवाड़ा के उस घर में आए थे जहाँ उसका छोटा बेटा रहा करता था। मंगलवार को बेटा गंगोत्री खम्मम के लिए रवाना हुआ था। जब उसने अपनी माँ से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन फोन नहीं उठा तो उसने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने भी दरवाजा लंबे समय से बंद देखकर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शवों को सरकारी सामान्य अस्पताल भेज दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि विस्तृत जानकारी परिवार वालों की शिकायत के बाद ही सामने आएगी। चूंकि घर अंदर से बंद था, इसलिए आत्महत्या की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा रहा। उल्लेखनीय है कि सत्यवती का छोटा बेटा, जो एक ट्रांसजेंडर था, दो साल पहले भी संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया था।

मुंबई क्राइम पुलिस ने इंसास हथियार चोरी के मामले में नौसेना के कांस्टेबल और उसके भाई को गिरफ्तार किया

आसिफाबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम, आसिफाबाद जिले के पेंचिकलपेट मंडल के एलुकापल्ली गाँव के दुब्बाला राकेश (पिता रमेश, उम्र: 22 वर्ष) को 2023 में नौसेना में नौकरी मिली और उन्होंने फरवरी 2025 तक मुंबई में नौसेना विभाग में काम किया। बाद में, वे स्थानांतरण पर केरल राज्य के एर्नाकुलम में कार्यरत हैं।

6 सितंबर को, राकेश मुंबई स्थित नौसेना केंद्र गया और अपने भाई उमेश की मदद से वहाँ की संतरी चौकी से अवैध रूप से एक इंसास हथियार, 3 मैगज़ीन और 40 राउंड गोलियां चुरा लिए। बाद में, वे पेंचिकलपेट मंडल स्थित अपने गृहनगर एलाकापल्ले पहुँच गए। मुंबई क्राइम पुलिस ने घटना की तुरंत जाँच की, सबूत इकट्ठा किए और आज तड़के आरोपी राकेश और उमेश को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक इंसास हथियार, 3 मैगज़ीन और 40 गोलियाँ बरामद की गईं। ज़िला एसपी कांतिलाल पाटिल आईपीएस ने इस मामले में मुंबई क्राइम पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए कागजनगर ग्रामीण सीआई कुमारस्वामी, पेंचिकलपेट एसआई अनिल कुमार और अन्य पुलिसकर्मियों को बधाई दी। ज़िला एसपी कांतिलाल पाटिल आईपीएस ने कहा - राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हथियारों की चोरी जैसी घटनाएँ बहुत गंभीर अपराध हैं। ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोगों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या घटना को देखते ही तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए। समुदाय की सुरक्षा के लिए सभी को सतर्क रहना चाहिए।

अच्छे नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि छात्रों को अच्छे नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बुधवार को सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षा विभाग द्वारा जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ), जिला प्रभारी शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी और आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक कोवा लक्ष्मी ने भाग लिया। उन्होंने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर दीप प्रज्वलित किया, उन्हें माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि देश का भविष्य छात्रों से जुड़ा है और छात्रों को अच्छे नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज में वह कर सकते हैं जो एक अधिकारी नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए, शिक्षक दूरस्थ गाँवों में विद्यार्थियों को शिक्षा दे रहे हैं और शिक्षक पूरी लगन से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूलों में कई बुनियादी सुविधाएँ प्रदान कर रही है और सभी सरकारी स्कूलों का विकास किया जा रहा है, साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पेयजल, बिजली, शौचालय, चारदीवारी और अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिले को दसवीं कक्षा के वार्षिक परिणामों में प्रगति करनी चाहिए और शिक्षकों को स्कूलों में छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए। शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए वे सरकार को रिपोर्ट देंगे। उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले 4 पीजी प्राचार्यों, 22 स्कूल सहायकों, 14 एसजीटी, 3 कस्तूरबा गांधी विद्यालय शिक्षकों, 2 ईआरपी और 13 आदिम जाति कल्याण विभाग के शिक्षकों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सजीवन, जिला कल्याण अधिकारी अडेपु भास्कर, जिला शिक्षा अधिकारी उदय बाबू, प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के अध्यक्ष अलीबिन अहमद, मंडल शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक, संबंधित अधिकारी आदि शामिल हुए।

सोख्ता गड्ढे में गिरने से एक साल के बच्चे की मौत

खम्मम, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सथुपल्ली मंडल के सत्यमपेट गांव में बुधवार को एक वर्षीय बच्ची की घर में बने सोख्ता गड्ढे में दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मोक्ष दुर्गा नाम की बच्ची घर के परिसर में खेल रही थी और खुले सोखने वाले गड्ढे में गिर गई। उसके माता-पिता ने कुछ देर बाद बच्ची की तलाश की तो वह मृत मिली। इस घटना से पूरे गाँव में मातम छा गया और उसकी मौत पर शोक छा गया। सथुपल्ली के विधायक मट्टा रागामयी ने गांव का दौरा किया और बच्ची के माता-पिता सोयम शिवा और संध्या रानी के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिनकी दुर्गा दूसरी संतान थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

श्रेयस अय्यर बोले- एक पैर से पैरालाइज हो गया था

किस दर्द से गुजरा हूं, कोई नहीं समझ सकता; दो साल पहले कराई थी सर्जरी

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार क्रिकेटर श्रेयस अय्यर अपने चोट के बारे में बताया जब उनके स्पाइन की सर्जरी हुई थी तो उनका एक पैर पैरालाइज हो गया था।

अय्यर की दो साल पहले 2023 में इंग्लैंड के अस्पताल में स्पाइन की सर्जरी हुई थी। इस वजह से वे IPL 2023 सीजन में भी शामिल नहीं हो सके थे। इस चोट के कारण अय्यर लंबे समय तक मैदान से दूर रहे और डोमेस्टिक क्रिकेट में भी वह मैदान पर नहीं उतरे थे, जिसके कारण BCCI से उनका सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी खत्म हो गया। हालांकि, उन्हें इस साल के कॉन्ट्रैक्ट में वापस जगह मिल गई है।

अय्यर ने अपनी चोट पर कहा, 'कोई नहीं समझ सकता है कि मैं किस दर्द से गुजरा हूं। मैं एक पैर से पूरी तरह से पैरालाइज हो गया था। ये स्पाइन इंजरी के कारण हुआ था। वो दर्द बहुत ही भयानक था।'

अय्यर ने आगे कहा, 'आप पीठ में रॉड डालकर भी काम चला सकते हैं, लेकिन मेरे साथ दिक्कत ये थी कि नस टूट गई थी जो वाकई बहुत खतरनाक है। दर्द बहुत भयानक था जो मेरे छोटे से पैर के अंगूठे तक पहुंच रहा था। यह बहुत डरावना था।'

अय्यर ने नवंबर, 2017 में किया था इंटरनेशनल डेब्यू

मिडिल-ऑर्डर बैटर अय्यर का इंटरनेशनल डेब्यू नवंबर 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच से हुआ था। इसके बाद उन्होंने वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भी अपनी जगह बनाई। उन्होंने 70 वनडे मैचों में 2845 रन बनाए। इसमें 5 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। टी-20 में 51 मैचों में 1104 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में 14 मैचों में उन्होंने 811 रन बनाए, जिसमें 1 शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं।

इंडिया-ए की कप्तानी करेंगे अय्यर

भारतीय बैटर श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ दो अनऑफिशियल टेस्ट मैचों के लिए इंडिया-ए टीम का कप्तान बनाया गया है। पहला मैच 16 से 19 सितंबर तक और दूसरा 23 से 26 सितंबर तक होगा। केएल राहुल और मोहम्मद सिराज दूसरे चार दिवसीय मैच में टीम से जुड़ेंगे। दोनों चार दिवसीय मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले जाएंगे।

एशिया कप में शामिल नहीं किया गया

अय्यर को UAE में खेले जा रहे एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। श्रेयस हाल ही में बेंगलुरु में खत्म हुए दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में वेस्ट जोन से खेल रहे थे।

पृथ्वी शॉ की बढ़ी मुश्किलें

अदालत ने दिखाई सख्ती; लगाया जुर्माना

मुंबई 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम से पिछले काफी समय से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ अपने खेल ज्यादा किसी और कारण से चर्चा में बने रहते हैं, जिसमें अब मुंबई की डिंडोशी सेशंस कोर्ट ने उन्हें जवाब ना दाखिल करने के मामले में 100 रुपए का जुर्माना लगाया है, जिसमें ये कार्रवाई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल की अर्जी पर हुई सुनवाई के दौरान हुई। फरवरी 2023 में अंधेरी के एक पब में सपना गिल और पृथ्वी शॉ के बीच विवाद हुआ था, जिसमें गिल ने पृथ्वी शॉ पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था।

अदालत ने जताई नाराजगी, लगाया जुर्माना

पृथ्वी शॉ द्वारा इस मामले में लगातार जवाब ना दाखिल करने पर मुंबई की डिंडोशी सेशंस कोर्ट ने नाराजगी जताने के साथ उनपर जुर्माना लगाया है, जिसमें शॉ को अदालत की तरफ से फरवरी से लेकर जून तक का समय दिया गया था। अदालत की तरफ से 13 जून को पृथ्वी शॉ को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया गया था, लेकिन उनकी तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया था। इसके बाद 9 सितंबर को कोर्ट की तरफ से शॉ पर 100 रुपए का जुर्माना लगाए जाने के साथ उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए एक और मौका दिया गया है, जिसमें इस मामले की सुनवाई 16 दिसंबर तक स्थगित कर दिया गया है। पूरा मामला फरवरी 2023 का है, जब मुंबई के अंधेरी इलाके के एक पब में पृथ्वी शॉ और सपना गिल के बीच विवाद हुआ था।

सेल्फी लेने को लेकर हुई थी बहस

फरवरी 2023 में मुंबई के एक होटल में पृथ्वी शॉ और सपना गिल के बीच सेल्फी लेने को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद शॉ पर हुए हमले के मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था जो अभी जमानत पर बाहर हैं। वहीं इस घटना का वीडियो काफी वायरल भी हुआ था। इस घटना के बाद सपना गिल ने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन केस दर्ज नहीं हुआ जिसके बाद उन्होंने मजिस्ट्रेट कोर्ट का रुख किया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सुपर-4 में पहला मैच जीता

एशिया कप में कोरिया को 4-2 से हराया; वैष्णवी, संगीता, लालरेम्सियामी और रुतुजा के गोल

हांगझोउ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। 2025 विमेंस हॉकी एशिया कप में भारत ने सुपर-4 में साउथ कोरिया को हरा दिया। टीम ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। विमेंस हॉकी एशिया कप चीन के हांगझोउ शहर में खेला जा रहा है। भारत की ओर से वैष्णवी विट्ठल, संगीता कुमारी, लालरेम्सियामी और रुतुजा पिसल ने एक-एक गोल दागे। वहीं कोरिया से किम यूजिन ने दोनों गोल किए। भारत का अगला मुकाबला चीन के खिलाफ कल शाम 4:30 बजे से खेला जाएगा।पहले क्वार्टर के पहले ही मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। यहां उदिता ने दाई ओर लो शॉट लिया, जिसे गोलकीपर ने रोक तो लिया, लेकिन गेंद, पोस्ट पर खड़ी वैष्णवी के पास गई। वैष्णवी ने तुरंत गेंद को गोल में डाल दिया।

हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा

पहले और दूसरे क्वार्टर को मिलकर भारत को कुल 6 पेनल्टी कॉर्नर मिले। इसमें टीम एक ही गोल कर सकी। बीच-बीच में कोरियाई टीम ने भी अटैक किया। लेकिन हाफ टाइम तक टीम का कोई भी प्लेयर गोल नहीं कर पाया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई

तीसरे क्वार्टर के शुरुआत से ही भारत ने अटैक किया। मैच के 32वें मिनट में संगीता कुमारी ने बढ़त दोगुनी कर दी। सलिमा ने मिडफील्ड में गेंद डाली, जो डिफ्लेक्ट होकर रुतुजा के पास पहुंची। रुतुजा ने शानदार पास दिया और सामने खड़ी संगीता ने आसानी से गेंद को उठाकर गोल में डाल दिया। संगीता के गोल करने के बाद कोरिया ने तुरंत वापसी की। 33वें मिनट में किम यूजिन ने पेनल्टी कॉर्नर पर तेज लो शॉट मारा जो भारतीय रशर सुनलीता को पार करता हुआ सीधे गोल में चला गया। यहां स्कोर 2-1 हो गया था। मैच के 39वें मिनट में भारत ने दोबारा दो गोल की बढ़त बना ली। यहां भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसमें टीम गोल नहीं कर सकी। इसके बाद ही भारत को लॉन्ग कॉर्नर मिला। उदिता ने सर्कल में शानदार पास दिया, जहां सियामी ने डिफेंडर को रोकते हुए पीछे मुड़कर शॉट लगाया। कोरियाई गोलकीपर गेंद को साफ से नहीं देख पाई और गेंद उनके नीचे से निकलकर गोल में चली गई।

किम यूजिन ने दूसरा गोल किया

मैच के 53वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर साउथ कोरिया की किम यूजिन ने दूसरा गोल करके रोमांच ला दिया। यहां भारत की बढ़त सिर्फ एक गोल की रह गई। स्कोर 3-2 रह गया। चौथे क्वार्टर में किम यूजिन के दूसरे गोल के बाद कोरियाई टीम ने भारत पर अटैक किया। 59वें मिनट में रुतुजा पिसल ने शानदार फील्ड गोल किया। यहां पेनल्टी कॉर्नर में उदिता ने पहले शॉट लिया, जिसे गोलकीपर ने रोक तो लिया, लेकिन गेंद रुतुजा के पास चली गई। उन्होंने आगे डाइव लगाकर गेंद को गोल में डाल दिया।

भारत पूल स्टेज में टॉप पर रही

भारत ने पूल स्टेज में तीन मैच खेले थे। टीम ने थाईलैंड को 11-0 से हराया, जापान से 2-2 ड्रॉ किया और सिंगापुर को 12-0 से मात देकर टॉप पर रहते हुए सुपर-4 में जगह बनाई।

भारत के लिए नवनीत कौर और मुमताज खान शानदार फॉर्म में हैं। दोनों ने पूल स्टेज में 5-5 गोल किए। सुपर-4 में भारत को कोरिया, चीन और जापान से खेलना है।

पीवी सिंधु हांगकांग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर से हुई बाहर

विक्टोरिया, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हांगकांग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार महिला खिलाड़ी पीवी सिंधु की शुरुआत काफी खराब देखने को मिली, जिसमें उनका सफर पहले ही दौर पर खत्म हो गया। हांगकांग ओपन में भारतीय महिला टीम का राउंड 32 में पहला मुकाबला डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन से हुआ जिसमें तीन सेटों तक चले इस मैच में सिंधु को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु के लिए ये हार किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

पहला सेट जीतने के बाद गंवाए अगले दोनों सेट

पीवी सिंधु ने डेनमार्क की खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफरसन के खिलाफ महिला सिंगल्स मैच में शुरुआत काफी अच्छी की जिसमें वह पहले सेट को 21-15 के अंतर से अपने नाम करने में कामयाब रही। इसके बाद दूसरे सेट में डेनमार्क की खिलाड़ी ने शानदार वापसी करने के साथ सिंधु को 16-21 के अंतर से मात दी और मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। वहीं इस मुकाबले के तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों प्लेयर्स के बीच काफी कड़ी टक्कर देखने को मिली और इसमें सिंधु को क्रिस्टोफरसन के खिलाफ 19-21 के अंतर से हार मिली और वह हांगकांग ओपन टूर्नामेंट में पहले ही दौर से बाहर हो गई। इससे पहले दोनों प्लेयर्स के बीच कुल तीन मुकाबले खेले गए थे, जिसमें तीनों में पीवी सिंधु जीत हासिल करने में कामयाब रही थी।

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

भारत की तरफ से पीवी सिंधु के अलावा हांगकांग ओपन में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणॉय और किरन जॉर्ज भी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें तीनों का राउंड ऑफ 32 में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और उन्होंने अगले राउंड के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। इसके अलावा डबल्स में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी पहले राउंड में जीत हासिल करने के साथ अंतिम 16 में अपनी जगह को बना ली है।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

फ्लोरा को पहली बार टीम में जगह मिली, 30 सितंबर से खेला जाएगा टूर्नामेंट

वेलिंग्टन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टीम की कप्तानी सोफी डिवाइन को सौंपी गई है।

न्यूजीलैंड टीम ने साल 2024 में हुए विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम में 22 साल की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाज फ्लोरा डेवोनशायर को शामिल किया गया है। फ्लोरा ने अब तक वनडे डेब्यू नहीं किया है।

फ्रेन जोंस को टीम में जगह नहीं

कीवी टीम की टी-20 वर्ल्ड कप विजेता स्क्वॉड का हिस्सा रहीं फ्रेन जोंस को टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स और ब्री इलिंग तीन ऐसी खिलाड़ी हैं जिनको अभी वनडे फॉर्मेट में खेलने का ज्यादा अनुभव हासिल नहीं है।

टीम के हेड कोच बेन सॉयर ने फ्लोरा को नहीं चुने जाने को लेकर कहा, जब आपके पास एक ही स्थान के लिए कई प्लेयर्स का ऑप्शन मौजूद हो तो ऐसे में आपके लिए फैसला लेना आसान नहीं होता है और हमें चयन के दौरान कुछ कठिन फैसले लेने पड़ते हैं। ऐसा ही कुछ हमें फ्लोरा और फ्रेन के बीच देखने को मिला।

न्यूजीलैंड टीम का स्क्वॉड

सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पोली इंग्लिस, बेला जेम्स, जेस केर, अमेलिया केर, रोजमेरी मैयर, जॉर्जिया प्लिमर, ली ताहुहु।

ऑस्ट्रेलिया से होगा पहला मुकाबला

वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम अपना पहला मुकाबला एक अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया की विमेंस टीम के खिलाफ खेलेगी। मैच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में होगा। वहीं कीवी टीम 13 सितंबर को UAE के लिए रवाना होगी, जहां पर वर्ल्ड कप की तैयारी करेगी जिसमें उसे इंग्लैंड की टीम के खिलाफ 2 प्रैक्टिस मैच भी खेलने का मौका मिलेगा और इसके बाद वह भारत के लिए वहां से रवाना होगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा

तीसरा वनडे मेलबर्न से होबार्ट ट्रांसफर, फ्लडलाइट का काम पूरा नहीं होने पर लिया फैसला

मेलबर्न, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अगले साल फरवरी-मार्च में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान खेला जाने वाला तीसरा वनडे मैच अब मेलबर्न के जंक्शन ओवल की जगह होबार्ट में आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने यह निर्णय स्टेडियम में फ्लडलाइट लगाने में देरी होने के कारण लिया है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 1 मार्च को मेलबर्न में होना था। यह मैच जंक्शन ओवल के फ्लडलाइट्स के तहत खेला जाने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय मैच होता।

ऑस्ट्रेलिया दौरे का कार्यक्रम

भारतीय महिला टीम अगले साल फरवरी-मार्च में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान टीम तीन टी-20, तीन वनडे और एक टेस्ट खेलेगी।

टी-20 सीरीज : पहला मैच 15 फरवरी, दूसरा 19 फरवरी और तीसरा 21 फरवरी को खेला जाएगा।

वनडे सीरीज : पहला मैच 24 फरवरी को ब्रिसबेन में, दूसरा मैच 27 फरवरी को होबार्ट में और तीसरा मैच 1 मार्च को होना था, जिसे अब होबार्ट में स्थानांतरित कर दिया गया है।

टेस्ट मैच : एकमात्र टेस्ट 6 मार्च से खेला जाएगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का बयान

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के क्रिकेट संचालन और शेड्यूलिंग प्रमुख पीटर रोच ने कहा,'हमें जंक्शन ओवल से यह मैच स्थानांतरित करने और इस सीजन में मेलबर्न में कोई महिला अंतरराष्ट्रीय मैच न होने की निराशा है। हम उम्मीद कर रहे थे कि जंक्शन ओवल में फ्लडलाइट्स समय पर लग जाएंगी और वहां पहला अंतरराष्ट्रीय डे-नाइट मैच आयोजित होगा।'

बिग बैश लीग पर असर

जंक्शन ओवल महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के मेलबर्न स्टार्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के मैचों की मेजबानी करता रहेगा, लेकिन ये सभी मुकाबले दिन में खेले जाएंगे। इसके अलावा अन्य घरेलू क्रिकेट मैच भी तय कार्यक्रम के अनुसार वहीं होंगे।

ब्रेंडन मैक्कुलम बोले 'बैजबॉल' को लोगों ने गलत समझा

यह इंग्लैंड क्रिकेट का अपमान, हम बस खिलाड़ियों को खुलकर खेलने देना चाहते हैं

लंदन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने कहा कि 'बैजबॉल' को लोगों ने गलत समझा। बैजबॉल का मतलब बस आंखें बंद कर के बैट घूमाना नहीं है। इस तरह की बातों से इंग्लैंड क्रिकेट का अपमान हुआ है। हम बस खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की छूट दे रहे हैं।

हम मैच के बाद बीयर नहीं पीते

'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पॉडकास्ट से बात करते हुए मैक्कुलम ने कहा, 'लोगों को लगता है कि बैजबॉल यानी बैट को आंखें बंद कर के घूमाना, हम विकेट लेते हैं और फिर गोल्फ खेलते हुए बीयर पीने चले जाते हैं। यह मानना बेहद गलत है।'

मैक्कुलम ने कहा, 'मुझे लोगों की गलत सोच इंग्लैंड के प्लेयर्स और टीम के लिए मेहनत करने वालों के लिए बहुत खराब लगती है। हम खेल को लेकर कठोर सोच नहीं रखते, हमने कभी भी किसी मैच को हल्के में नहीं लिया।'

प्लेयर्स को खुलकर खेलने देना चाहते हैं

मैक्कुलम ने आगे कहा, 'हमारे लिए बैजबॉल का मतलब प्लेयर्स के लिए नया माहौल तैयार करना है। जहां वे खुलकर खेल सकें, न कि अपनी सोच में उलझकर रह जाएं। मुझे टैलेंट का दबे रहना पसंद नहीं, इंग्लैंड को चाहिए कि उनके युवा प्लेयर्स का टैलेंट दुनिया के सामने आए।

प्लेयर्स को उनके हिसाब से खेलने देने से ही टीम को बढ़ने के चांस मिलेंगे। वहीं, अगर खिलाड़ी लोगों की बातों में ही उलझे रहें तो वे कभी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।'

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैक्कुलम को 2022 में इंग्लैंड ने अपनी टेस्ट टीम का हेड कोच बनाया। तब जो रूट की जगह बेन स्टोक्स को नया कप्तान बनाया गया। स्टोक्स और मैक्कुलम की लीडरशिप को ही 'बैजबॉल' कहा गया। जहां इंग्लैंड ने अपनी घरेलू पिचों को बल्लेबाजों के लिए बेहद आसान बना लिया, जहां टीम ने बेहद तेजी से रन बनाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम ऑस्ट्रेलिया और भारत को अपने घर में टेस्ट सीरीज नहीं हरा पाई। 3 साल तक टेस्ट कोच बने रहने के बाद जनवरी 2025 में मैक्कुलम को व्हाइट बॉल टीम का कोच भी बना दिया गया। हालांकि, टीम चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। अब इंग्लिश टीम उनकी कोचिंग में ही 10 सितंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलने वाली है। टीम का अगला टारगेट ऑस्ट्रेलिया में ऐशेज सीरीज जीतना है।

विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन

भारतीय पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में पदक की दौड़ से बाहर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के पदक चरण में जगह बनाने में असफल रहे।भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड (अंतिम-32) में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए।

इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए, जिससे एक बार फिर रिकर्व वर्ग में दबाव में भारत की मानसिक कमजोरियां उजागर हो गईं। पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली। चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का मौका मिल गया। जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया, जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था।

तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

हंगरी पर पुर्तगाल की 3-2 से रोमांचक जीत

रोनाल्डो का कमाल, मेसी को छोड़ा पीछे

बुडापेस्ट, 10 सितंबर (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स में खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल ने हंगरी को 3-2 से हरा दिया। यह मैच बेहद रोमांचक रहा और दोनों टीमों ने आखिरी मिनट तक पूरा जोर लगाया। बुडापेस्ट के पुस्कस अरेना में खेले गए इस मुकाबले में पुर्तगाल के लिए जोआओ कैंसिलो, बर्नार्डो सिल्वा और क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गोल दागे, जबकि हंगरी की ओर से बार्नाबास वार्गा ने दो गोल किए।

इस मैच में पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर सुर्खियों में रहे। उन्होंने पेनल्टी से गोल दागकर वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में अपना 39वां गोल पूरा किया। इसके साथ ही रोनाल्डो ग्वाटेमाला के कार्लोस रूइज की बराबरी पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में सबसे ज्यादा 39 गोल किए हैं। रोनाल्डो अब अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी से तीन गोल आगे निकल गए हैं। मेसी के नाम वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में 36 गोल हैं। इस तरह रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है।

मुकाबले की शुरुआत में ही हंगरी ने पुर्तगाल पर दबाव बनाया। 21वें मिनट में बार्नाबास वार्गा ने जोल्ट नागी के क्रॉस पर शानदार हेडर से गोल कर मेजबानों को 1-0 की बढ़त दिलाई।

हालांकि, पुर्तगाल ने जवाबी हमला तेज किया और 36वें मिनट में मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर बर्नार्डो सिल्वा ने गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने दबदबा बनाया और 58वें मिनट में रोनाल्डो ने पेनल्टी को गोल में बदलते हुए टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई। यह पेनाल्टी तब मिली जब उनकी शॉट को हंगरी डिफेंडर लोइक नेगो ने हैंडबॉल कर रोका।

हंगरी ने हार नहीं मानी और 84वें मिनट में एक बार फिर वार्गा ने गोल दागकर मैच को 2-2 से बराबर कर दिया। लेकिन इसके केवल दो मिनट बाद ही पुर्तगाल ने शानदार मूव बनाया और जोआओ कैंसिलो ने गोल करके पुर्तगाल को 3-2 से आगे कर दिया। आखिर तक यही स्कोर कायम रहा और पुर्तगाल ने ग्रुप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

कोच की प्रतिक्रिया

इस जीत के साथ पुर्तगाल ने ग्रुप एफ में टॉप पर जगह बनाई। टीम ने अब तक खेले गए दो मैचों में दो जीत हासिल की हैं और छह अंक लेकर शीर्ष पर है। टीम के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने कहा, 'जब आप दो गोल खाते हैं तो जीत पाना मुश्किल होता है, लेकिन मुझे टीम का एटीट्यूड और फोकस बहुत पसंद आया। हमें बस खेल को कंट्रोल करना था और वहीं ले जाना था जहां हम चाहते थे। यह मैच सुधार के लिए परफेक्ट था।' वहीं गोल करने वाले बर्नार्डो सिल्वा ने कहा, 'हमें पता था यह आसान नहीं होगा। हमने गलतियां कीं और विपक्षी को मौके दिए।

मुख्यमंत्री ने केंद्र से 98.20 एकड़ रक्षा भूमि हस्तांतरित करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से प्रतिष्ठित गांधी सरोवर परियोजना के लिए रक्षा भूमि हस्तांतरित करने का आग्रह किया है, जिसे तेलंगाना सरकार जल्द ही शुरू करने जा रही है।रेवंत रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित केंद्रीय मंत्री के आधिकारिक आवास पर राजनाथ सिंह से मुलाकात की। बैठक के दौरान, उन्होंने केंद्रीय मंत्री को हैदराबाद में मूसी और ईसा नदियों के संगम पर स्थित गांधी सरोवर परियोजना के बारे में जानकारी दी।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "सरकार ने दो नदियों के संगम पर गांधी एकता वृत्त बनाने का प्रस्ताव रखा है और इस परियोजना को पूरा करने के लिए रक्षा भूमि की आवश्यकता है।" उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राज्य सरकार को 98.20 एकड़ रक्षा भूमि हस्तांतरित करने का अनुरोध किया।मुख्यमंत्री ने राजनाथ सिंह को यह भी बताया कि सरकार राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में गांधी सरोवर परियोजना पर काम कर रही है और गांधीवादी आदर्शों का प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि गांधी सरोवर परियोजना में एक ज्ञान केंद्र, ध्यान ग्राम, हथकरघा संवर्धन केंद्र, मनोरंजन केंद्र, भूदृश्य, घाट और एक शांति प्रतिमा संग्रहालय भी शामिल होंगे। सांसद पोरिका बलराम नायक, कदियम काव्या, चमाला किरण कुमार रेड्डी, मुसी नदी विकास निगम के प्रबंध निदेशक ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी और केंद्रीय परियोजनाओं एवं योजनाओं के समन्वयक डॉ. गौरव उप्पल भी उपस्थित थे।

तेलंगाना ने नेपाल में फंसे नागरिकों के लिए शुरू की हेल्पलाइन

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। नेपाल में चल रही नागरिक अशांति को देखते हुए, तेलंगाना सरकार ने पड़ोसी देश में फंसे नागरिकों की सहायता के लिए नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में एक विशेष आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की है। इसका उद्देश्य नेपाल में तेलंगाना के मूल निवासियों और राज्य में उनके परिवारों, दोनों की सहायता करना है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी भी तेलंगाना नागरिक के घायल या लापता होने की सूचना नहीं है।

राज्य सुरक्षा और संभावित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय और काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के साथ मिलकर काम कर रहा है। सरकार ने जनता से आधिकारिक सलाह का पालन करने और अपुष्ट जानकारी से बचने की अपील की है, जिससे संकट के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। सहायता के लिए, नागरिक वंदना (+91 9871999044), जी रक्षित नाइक (+91 9643723157), और सीएच चक्रवर्ती (+91 9949351270) से संपर्क कर सकते हैं।

एससीआर सिकंदराबाद और हैदराबाद डिवीजन त्योहारी सीजन के लिए तैयार

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। 19 सितंबर से 28 अक्टूबर के बीच दशहरा, दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान यात्री यातायात में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद के साथ, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने यात्री सुरक्षा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कई एजेंसियों के साथ एक संयुक्त कार्य योजना तैयार की है।

तदनुसार, बुधवार को एससीआर अधिकारियों द्वारा आरपीएफ, जीआरपी, स्थानीय पुलिस, यातायात पुलिस और टीजीएसआरटीसी के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। समीक्षा की गई प्रमुख चिंताओं में सिकंदराबाद, हैदराबाद , चरलापल्ली, लिंगमपल्ली और काचीगुडा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ और छीना-झपटी, जेबकतरी और प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश पर अंकुश लगाना शामिल था।

पैदल यात्रियों की बढ़ती संख्या और फुटओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय और सर्कुलेटिंग ज़ोन जैसे हॉटस्पॉट पर भीड़भाड़ की संभावना को देखते हुए, भगदड़ जैसी स्थिति को रोकने के उपाय किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरपीएफ और जीआरपी गश्त, तलाशी और तोड़फोड़-रोधी जाँच को बढ़ाएँगे और प्रतिबंधित क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर कड़ी निगरानी रखेंगे। दूसरी ओर, स्थानीय पुलिस व्यस्त समय के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने में रेलवे पुलिस की सहायता करेगी, तथा वाहन नियमन और सख्त नो-पार्किंग प्रवर्तन में यातायात पुलिस की सहायता करेगी। इसके अलावा, ये टीमें ऑटो, कैब, बसों और अन्य चोक प्वाइंटों की लेन पर भी नजर रखेंगी। इस बीच, टीजीएसआरटीसी भीड़भाड़ वाले और देर रात के समय अतिरिक्त बस सेवाएँ चलाएगा। यात्रियों को मार्गदर्शन देने और बसों को कम भीड़भाड़ वाले स्टेशनों की ओर मोड़ने के लिए बस स्टैंड पर कर्मचारी तैनात किए जाएँगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने ढही स्कूल इमारत का किया निरीक्षण

संगारेड्डी, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने मंगलवार शाम मुनिपल्ली मंडल के लिंगमपल्ली में ढही तेलंगाना आवासीय स्कूल छात्रावास की इमारत का निरीक्षण किया । मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नए भवन बनने तक स्कूल का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। उन्होंने परिसर में असुरक्षित ढाँचों की पहचान करने और नया निर्माण शुरू करने से पहले उन्हें ध्वस्त करने का भी निर्देश दिया।

राजनरसिम्हा ने घटना में मामूली रूप से घायल हुए तीन छात्रों की स्थिति के बारे में पूछताछ की। इससे पहले, ज़िला कलेक्टर पी. प्रवीणा ने घटनास्थल का दौरा किया और ढही हुई इमारत के अवशेषों का निरीक्षण किया। उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों को 7 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से नई संरचनाओं के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

बीआरएस को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा हाइड्रा का इस्तेमाल

> केटीआर ने बोला सरकार पर हमला

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार पर हाइड्रा को ब्लैकमेल करने, पैसे ऐंठने और असहमति को दबाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हाइड्रा के नाम पर बिल्डरों से वसूले गए पैसे से जुबली हिल्स उपचुनाव जीतने की साजिश रच रही है। बुधवार को तेलंगाना भवन में पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए, रामा राव ने कहा कि कांग्रेस लोगों को धमकी दे रही है कि अगर उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी को वोट नहीं दिया, तो वे कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन अहंकार की सारी हदें पार कर चुका है और हाइड्रा का दुरुपयोग करके गरीबों और बीआरएस कार्यकर्ताओं के घरों को निशाना बना रहा है।

उन्होंने कहा, 'बीआरएस कार्यकर्ता सरदार को कांग्रेस में शामिल होने से इनकार करने पर अपना घर गिराए जाने के बाद आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा। कुकटपल्ली में, बुचम्मा ने इस डर से अपनी जान दे दी कि हाइड्रा उनका घर तोड़ देगा।' उन्होंने आगे कहा कि आम नागरिकों को परेशान किया जा रहा है, जबकि मुख्यमंत्री के करीबी लोगों के अवैध ढाँचों को छुआ तक नहीं जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हाइड्रा रेवंत रेड्डी के भाई के दुर्गम चेरुवु स्थित घर पर कार्रवाई करने की हिम्मत करेगा।

सरकार पर चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि जुबली हिल्स में कांग्रेस को वोट देना, आगे और तोड़फोड़ और उत्पीड़न का लाइसेंस देने जैसा होगा। उन्होंने लोगों से उपचुनाव में बीआरएस उम्मीदवार का समर्थन करके 'कांग्रेस के अहंकार को कुचलने' का आह्वान किया।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बंधक नियम पर छावनी बोर्ड को नोटिस किया जारी

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को बीआरएस नेता मन्ने कृषांक द्वारा सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के नए बंधक नियम को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार कर ली। उन्होंने कहा कि इससे मध्यम वर्गीय परिवारों को कठिनाई हो रही है। कृषांक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एमएके मुखीद ने तर्क दिया कि जहाँ जीएचएमसी केवल 200 वर्ग मीटर से बड़े भूखंडों के लिए निर्मित क्षेत्र का 10 प्रतिशत गिरवी रखने का आदेश देता है, वहीं छावनी बोर्ड ने इस प्रावधान को 111 वर्ग मीटर के छोटे भूखंडों पर भी लागू कर दिया है। उन्होंने तर्क दिया कि इससे छावनी क्षेत्र में आम नागरिकों के लिए घर बनाना मुश्किल हो जाता है। याचिका पर संज्ञान लेते हुए उच्च न्यायालय ने छावनी बोर्ड को नोटिस जारी किया और एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।याचिका में कहा गया है कि जीएचएमसी की टीएस-बीपास प्रणाली के विपरीत, छावनी क्षेत्र में भवन निर्माण की अनुमति केवल बोर्ड के प्रस्तावों के बाद ही दी जाती है, जिससे नई नीति विशेष रूप से बोझिल हो गई है।

मीसेवा के ज़रिए सामुदायिक प्रमाणपत्र अब तेज़ और आसान : डी. श्रीधर बाबू

> इस सुधार से सालाना 20 लाख नागरिकों को फ़ायदा

हैदराबाद, 10 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री (आईटीई और संचार) डी. श्रीधर बाबू ने मंगलवार को घोषणा की कि प्रक्रिया में हालिया सुधारों के बाद, मीसेवा के ज़रिए तेलंगाना में सामुदायिक प्रमाणपत्र प्राप्त करना काफ़ी तेज़ और आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि 15 दिन पहले शुरू की गई इस पहल से अब तक 17,500 से ज़्यादा नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं और इससे हर साल लगभग 20 लाख आवेदकों के लिए पहुँच आसान होने की उम्मीद है।

नई प्रणाली के तहत, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नागरिक, 9 सितंबर, 2020 के सरकारी आदेश संख्या 3 के तहत धर्मांतरण जैसे विशेष मामलों को छोड़कर, बिना किसी नए अनुमोदन के सीधे मीसेवा केंद्रों पर अपने प्रमाणपत्र पुनः जारी कर सकते हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रक्रिया की समीक्षा करने के बाद श्रीधर बाबू ने कहा, "इसका उद्देश्य अनावश्यक अनुमोदन परतों को हटाकर और असाधारण मामलों को सुरक्षित रखते हुए सेवाओं को शीघ्रता और निश्चितता के साथ प्रदान करना है।" प्रत्येक पुनः जारी प्रमाणपत्र पर मूल अनुमोदन अधिकारी का विवरण और नई जारी तिथि अंकित होती है। जिन नागरिकों को अपना पुराना प्रमाणपत्र क्रमांक पता है, वे तुरंत पुनर्मुद्रण प्राप्त कर सकते हैं। जिन लोगों को नहीं पता, उन्हें ज़िला, मंडल, गाँव, उपजाति और नाम के आधार पर खोज के माध्यम से सहायता प्रदान की जा सकती है।

नामों की वर्तनी या व्यक्तिगत विवरण में परिवर्तन जैसे सुधारों के लिए अभी भी ज़िला प्राधिकरण को शिकायत दर्ज करनी होगी, जिससे नया आवेदन संभव होगा। सीसीएलए, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुसूचित जाति कल्याण विभागों, ज़िला अधिकारियों और तहसीलदारों के साथ परामर्श के बाद इन बदलावों को अंतिम रूप दिया गया। अधिक जानकारी के लिए नागरिक मीसेवा वेबसाइट पर जा सकते हैं या निकटतम मीसेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान प्रदान कर सकती है तकनीक : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने बुधवार को कहा कि तकनीक में समाज में बढ़ते तनाव, चिंता और अन्य मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता है। वे बुधवार को हैदराबाद के रायदुर्गम स्थित टी-हब में साइबर होप हेल्प इनिशिएटिव फाउंडेशन द्वारा विकसित एआई-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणाली 'होप I' का शुभारंभ करने के बाद बोल रहे थे।

मंत्री ने कहा, "तेलंगाना को एक नवाचार केंद्र में बदलना हमारी सरकार का दृढ़ संकल्प है। हम जीवन की रक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ाने वाले नवाचारों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे।" उन्होंने युवा नवप्रवर्तकों से समकालीन सामाजिक समस्याओं के समाधान खोजने की दिशा में अपनी रचनात्मकता को केंद्रित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर टी-हब के सीईओ कविकृत, फाउंडेशन की अध्यक्ष इन्ना रेड्डी और कई अन्य लोग उपस्थित थे।

2.39 करोड़ रुपये का पानी का बिल, माफी की मांग

संगारेड्डी, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कोल्लूर में 2-बीएचके हाउसिंग कॉलोनी के लाभार्थियों को हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) से अक्टूबर 2024 से शुरू होने वाले पिछले 11 महीनों के लिए 2.39 करोड़ रुपये का सामूहिक पानी का बिल मिलने के बाद झटका लगा है। निवासियों ने आरोप लगाया कि उनसे घर लेने से पहले ही बिल वसूल लिया गया था और उन्होंने सरकार से बिल माफ करने की मांग की, क्योंकि वे इतनी बड़ी रकम चुकाने में असमर्थ हैं। इस कॉलोनी में फिलहाल करीब 8,000 परिवार रह रहे हैं। बीआरएस नेता बालागोनी साई चरण गौड़ ने कहा कि इन घरों में आठ महीने पहले ही लोगों ने रहना शुरू किया था, फिर भी बोर्ड ने उन्हें 11 महीने का बिल भेज दिया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने पानी के मीटर लगाने से पहले ही बिल भेज दिए थे।

बासर मंदिर को आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र में बदलने की योजना-जूपल्ली

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने घोषणा की कि तेलंगाना सरकार दक्षिण भारत के एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल, श्री ज्ञान सरस्वती मंदिर, जिसे बासर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, को आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र में बदलने की योजना बना रही है।

पूर्ववर्ती आदिलाबाद ज़िले के प्रभारी जुपल्ली कृष्ण राव ने बुधवार को निर्मल ज़िले में स्थित बसारा मंदिर का दौरा किया। अपने दौरे के बाद, उन्होंने मंदिर के विकास पर चर्चा के लिए अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई।इस बैठक के दौरान, उन्होंने मंदिर के राजस्व, व्यय, वार्षिक आगंतुकों की संख्या और दान से होने वाली आय सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। मंत्री ने निर्देश दिया कि

सभी वित्तीय रिकॉर्ड दैनिक आधार पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से बनाए जाएँ, और उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ज़िला कलेक्टर को श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से प्रबंधन मूल्यांकन करना चाहिए। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बसारा मंदिर के विकास के लिए 190 करोड़ रुपये आवंटित करने की प्रतिबद्धता जताई है और मंदिर के मास्टर प्लान के अनुरूप श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया है। जुपल्ली कृष्ण राव ने अधिकारियों को 2027 में होने वाले गोदावरी पुष्करम की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया और इस संदर्भ में उपयुक्त योजनाएँ विकसित और क्रियान्वित करने की सिफारिश की।

लिटिल फ्लावर ने जीएम संपत कुमार ट्रॉफी में सिकंदराबाद क्लब को हराया

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। लिटिल फ्लावर ओल्ड बॉयज ने हाफ टाइम तक 29-18 से आगे रहने के बाद सिकंदराबाद क्लब को 44-41 से हराया और वाईएमसीए सिकंदराबाद में जीएम संपत कुमार ट्रॉफी के लिए वार्षिक लीग बास्केटबॉल चैंपियनशिप में लेवल-III से लेवल-II में क्वालीफाई करने के करीब एक कदम आगे बढ़ गए।

पहला क्वार्टर बराबरी का रहा, जिसमें लिटिल फ्लावर ने यशवंत और हरि के अच्छे संयोजन से 14 अंक बनाए, जबकि सिकंदराबाद क्लब भी पीछे नहीं रहा, जिसमें विशाल ने अपनी ऊंचाई का अच्छा उपयोग करते हुए पेंट से गोल किया, जिससे लिटिल फ्लावर पहले क्वार्टर के अंत तक 14-11 से आगे रहा। दूसरे क्वार्टर में लिटिल फ्लावर ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत करते हुए सिकंदराबाद क्लब को केवल सात अंक तक सीमित कर दिया और बदले में हरि, समृद्ध और यशवंत के माध्यम से 15 अंक बनाकर हाफटाइम तक 29-18 की निर्णायक बढ़त ले ली। खेल समाप्ति के बाद दोनों टीमों ने 5-5 अंक अर्जित किये।

अंतिम क्वार्टर में, सिकंदराबाद क्लब ने ब्रेजीत और दमन के माध्यम से तेजी से स्कोर बनाते हुए 18 अंक बनाए; हालांकि, बढ़त इतनी अधिक थी कि उसे वापस पाना संभव नहीं था और लिटिल फ्लावर ने अंततः मैच 44-41 से जीत लिया।

अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी को किया निर्वासित

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय करके एक पाकिस्तानी नागरिक को निर्वासित कर दिया है, जो कथित तौर पर एक दशक से अधिक समय से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। निर्वासित व्यक्ति की पहचान मुहम्मद उस्मान उर्फ मोहम्मद अब्बास इकराम (48) के रूप में हुई है, जिसे 9 सितंबर को पंजाब में अटारी सीमा पर पाकिस्तान रेंजर्स को सौंप दिया गया था । पुलिस ने कहा कि उस्मान 2011 में नेपाल सीमा के माध्यम से अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर गया था और इसके बाद हैदराबाद में चार आपराधिक मामलों में शामिल रहा , जिसके लिए उसे दोषी ठहराया गया और विभिन्न अवधियों के लिए जेल भेजा गया। सभी कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद, उन्हें % सितंबर, 2024 को हैदराबाद में सीसीएस के डिटेंशन सेंटर में रखा गया। उचित प्रक्रिया के बाद, मंगलवार को उनका निर्वासन किया गया। अगस्त 2018 में स्थापित सीसीएस के डिटेंशन सेंटर में अब तक 19 देशों के 158 विदेशी बंदियों को रखा जा चुका है। इनमें से 150 विदेशियों को पहले ही निर्वासित किया जा चुका है। हाल ही में, 12 अगस्त को, अधिकारियों ने अवैध प्रवास और मानव तस्करी में शामिल 20 बांग्लादेशी नागरिकों को भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते निर्वासित किया।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने दोहराया कि शहर में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्रुप-I में देरी के कारण तेलंगाना ग्रुप-II और III की भर्तियां रुकी

हैदराबाद, 10 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-I भर्ती प्रक्रिया पर उच्च न्यायालय के फैसले से ग्रुप II और III की भर्तियों पर संकट के बादल छा गए हैं। न्यायालय द्वारा तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) को ग्रुप-I मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन करने का निर्देश दिए जाने के बाद, ग्रुप-II और III संवर्गों के अंतर्गत पदों पर भर्ती का काम फिलहाल रुक गया है। टीजीपीएससी ने भर्ती प्रक्रिया को अवरोही क्रम में तैयार किया है, अर्थात पहले उच्च-स्तरीय पद (समूह-I) को भरा जाएगा, उसके बाद समूह-II और समूह-III के पदों को भरा जाएगा। यह प्रक्रिया विभिन्न भर्तियों में उम्मीदवारों के एक से अधिक चयनों के कारण होने वाले किसी भी बैकलॉग से बचने के लिए डिज़ाइन की गई है, क्योंकि कई शीर्ष-रैंकिंग वाले उम्मीदवार समान पाठ्यक्रम और पात्रता मानदंडों के कारण कई समूहों के लिए आवेदन करते हैं। अगर भर्तियाँ ग्रुप-III और ग्रुप-II से शुरू करके आरोही क्रम में की जाएँ, तो इससे बड़ी संख्या में बैकलॉग रिक्तियाँ पैदा हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, अगर ग्रुप-III के पद पहले भरे जाते हैं, तो इससे रिक्तियाँ बढ़ सकती हैं क्योंकि बाद में शीर्ष उम्मीदवार ग्रुप-II या ग्रुप-I जैसे उच्च पदों पर चले जाएँगे। इसी प्रकार, ग्रुप-I से पहले ग्रुप-II की भर्ती करने से ग्रुप-II के कई पद रिक्त रह सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई अभ्यर्थी नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रह सकते हैं।

टीजीपीएससी ने पहले ग्रुप-II के 783 पदों के लिए अधिसूचना जारी की थी और ग्रुप-III के तहत 1,388 पदों के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। अधिसूचनाओं के लिए परीक्षाएँ आयोजित की गईं और सामान्य रैंकिंग सूची (जीआरएल) सहित परिणाम भी घोषित किए गए। दरअसल, आयोग ने ग्रुप-II के पदों के लिए प्रमाणपत्र सत्यापन प्रक्रिया शुरू कर दी थी। हालाँकि, ऐसा माना जा रहा है कि लंबित रिक्तियों से बचने के लिए, आयोग ग्रुप-II और III की भर्ती प्रक्रिया में तब तक कोई भी कदम नहीं उठा रहा है जब तक कि ग्रुप-I का मामला तार्किक रूप से समाप्त नहीं हो जाता।

एक अभ्यर्थी ने कहा, 'इससे हज़ारों उम्मीदवारों, खासकर टॉपर्स, में चिंता बढ़ रही है क्योंकि नियुक्तियाँ कब होंगी, इसकी कोई स्पष्ट समय-सीमा नहीं है।' अभ्यर्थियों द्वारा दायर याचिकाओं पर विचार करते हुए, जिनमें बताया गया था कि 563 पदों के लिए ग्रुप-I मुख्य परीक्षा में अनियमितताएं हुई थीं, न्यायालय ने अंतिम अंक सूची और जीआरएल को रद्द कर दिया, साथ ही टीजीपीएससी को मॉडरेशन पद्धति लागू करके ग्रुप-I मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन करने और परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया।

अदालत ने टीजीपीएससी को प्रक्रिया पूरी करने के लिए आठ महीने का समय दिया और चेतावनी दी कि यदि गड़बड़ी दोबारा हुई तो मुख्य परीक्षा पूरी तरह से दोबारा आयोजित करने का निर्देश दिया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.